देश प्राण

सच की ताकत

रांची
सोमवार, 23 नवंबर, 2026
कार्तिक, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी, संवत् 2083
स्थापित: 1991, संस्थापक : बलबीर दत्त
वर्ष: 36, अंक: 008, मूल्य: ₹3
पृष्ठ: 1, कुल पृष्ठ: 12

contact@deshpran.in | Desh Pran | Desh Pran | Desh Pran | @deshpran | @deshpran | Desh Pran | www.deshpran.com

सुविचार

जीवन दुखों से भरा है और सुख की खोज जीवन का आधार है।

इतिहास के पन्नों में 23 नवंबर



जन्म दिवस

कृश्नचंदर

जन्म : 23 नवम्बर 1914 ई.
मृत्यु : 8 मार्च, 1977 ई.

जिन कहानीकारों ने कहानी विधा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, उनमें उर्दू कथाकार कृश्नचंदर का भी नाम है। वह एक भारतीय उर्दू , लघु कथाओं और उपन्यासों के हिंदी लेखक थे। उनकी कुछ रचनाओं का अंग्रेजी में अनुवाद भी किया गया है। उन्होंने 20 से अधिक उपन्यास, लघु कथाओं के 30 संग्रह और उर्दू में रेडियो नाटकों की रचना की और बाद में 1947 में विभाजन के बाद, हिंदी में लिखना शुरू किया। उनका संघ से गहरा संबंध था, जिसका असर उनकी रचनाओं में स्पष्ट रूप से झलकता है। कृश्नचंदर ऐसे गिने-चुने लेखकों में आते हैं, जिन्होंने बाद में चलकर लेखन को ही अपनी रोजी-रोटी का सहारा बनाया। वह फिल्म जगत से भी जुड़ाव रखने वाले लेखक थे।

तमिलनाडु व केरल में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली-एनसीआर की हवा 'खराब' श्रेणी में

नई दिल्ली, (हि.स.) : पूर्वी हवाओं के प्रभाव के कारण दक्षिण भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, लेकिन वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है।

विधानसभा इंसानियत और मानवता का मंदिर, इसकी ताकत का लोहा मानती है दुनिया

जो बात गांधी ने 100 साल पहले कही, वही आज प्रधानमंत्री को कहना पड़ रहा : सीएम

वरीय संवाददाता, देश प्राण

रांची : झारखंड विधानसभा के 26वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था की गरिमा, राज्य के विकास के विजन और जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर बेहद बेबाकी से अपनी बात रखी।

सदन के ऐतिहासिक सफर को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने विधानसभा को इंसानियत और मानवता का मंदिर बताया, जो बिना किसी जाति, धर्म या ऊंच-नीच के भेदभाव के राज्य को नई दिशा देता है।

अपने संबोधन में उन्होंने न केवल पिछले ढाई दशकों की विकास यात्रा और बजट के बढ़ते आकार का जिक्र किया, बल्कि महात्मा गांधी के सौ साल पुराने विचारों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया संबोधन का हवाला देते हुए मौजूदा व्यवस्था में बड़े बदलाव की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही, वर्ष 2026 के उत्कृष्ट विधायक चुने गए निरल पूर्ति की सादगी और जमीनी कार्यशैली की सराहना करते हुए दिखावे की राजनीति करने वालों को कड़ा संदेश भी दिया।

बिना किसी भेदभाव के राज्य को दिशा देता है लोकतंत्र का यह मंदिर : झारखंड विधानसभा के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज राज्य के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर का स्थापना दिवस है। उन्होंने इस संस्था के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह राज्य का एक ऐसा केंद्र बिंदु है, जो न तो किसी की जात देखता है, न धर्म और न ही ऊंच-नीच का कोई भेदभाव करता है। यहां सभी एक समान हैं। यह सही मायनों में इंसानियत और मानवता का मंदिर है। मुख्यमंत्री ने बेहद प्रभावशाली अंदाज में लोकतंत्र की इस संस्था की ताकत का बखान करते हुए कहा कि इस मंदिर की ताकत का पूरी दुनिया लोहा मानती है। उन्होंने कहा कि हम सभी काफी गर्व के साथ अपने आप को इस विधानसभा के सदस्य के रूप में मानते हैं। इसी सदन से मंत्री, मुख्यमंत्री, स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष बनते हैं, और जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए विधानसभा की कई समितियां गठित की जाती हैं। यह मंदिर पूरे राज्य को दिशा देता है।

गांधी के सौ साल पुराने विचार और पीएम मोदी के भाषण का जिक्र : अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य और व्यवस्थागत सुधारों पर भी गंभीर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्होंने फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण सुना। इस पर अपनी टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस बात को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आज से 100 साल पहले कही थी, ठीक उसी बात को 100 साल बाद आज प्रधानमंत्री मोदी को फिर से कहना पड़ रहा है। वर्तमान चुनौतियों और व्यवस्था की खामियों की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिस तरीके का वक्त है और जो वक्त का तकाजा है, उसमें कई चुनौतियां सामने आएंगी और साथ ही कई समस्याओं का समाधान भी निकलेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि मौजूदा व्यवस्था में कई चीजों को दुरुस्त करने की सख्त जरूरत है और इसके लिए बड़े पैमाने पर फेरबदल किए जाने की आवश्यकता है।

सभी दलों के 22 विधायकों को अब तक मिला उत्कृष्ट सम्मान: विधानसभा की गौरवशाली परंपरा को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2001 में विधानसभा की स्थापना के बाद से अब तक कुल 22 विधायकों को उत्कृष्ट विधायक के रूप में चुना जा चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2001 में सबसे पहले विश्वेश्वर खां को उत्कृष्ट विधायक चुना गया था, जबकि इस वर्ष से ठीक पहले राज सिन्हा को उत्कृष्ट विधायक का सम्मान प्राप्त हुआ था। उन्होंने इस बात पर गर्व जताया कि 2001 से लेकर अब तक किसी एक दल नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों के विधायकों को उनके बेहतर संसदीय आचरण और जनसेवा के लिए सम्मानित किया गया है।

अगले साल भव्य होगा आयोजन, हर नीति जनमानस के हित में बने

समारोह के समापन की ओर बढ़ते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी जनप्रतिनिधियों को उनके संवैधानिक दायित्वों की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंदिर का सम्मान करते हुए सदन के भीतर और बाहर लिया जाने वाला हरेक निर्णय राज्य के जनमानस के हित में होना चाहिए।



काम पर विश्वास करते हैं निरल पूर्ति, छपाई पर नहीं : मुख्यमंत्री

स्थापना दिवस समारोह के दौरान वर्ष 2026 के लिए उत्कृष्ट विधायक के सम्मान से नवाजे गए विधायक निरल पूर्ति की मुख्यमंत्री ने जमकर तारीफ की। निरल पूर्ति के व्यक्तित्व और कार्यशैली की सराहना करते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि वे अखबारों और सोशल मीडिया के तामझाम से कोसों दूर रहते हैं। वे अपने जमीनी काम पर विश्वास करते हैं, न कि अखबारों में छपाई पर। इस बहाने मुख्यमंत्री ने उन जनप्रतिनिधियों पर भी तंज कसा जो केवल प्रचार-प्रसार में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि आज बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो केवल प्रचार माध्यमों में दिखते हैं, लेकिन धरातल पर उनका काम कहीं नहीं दिखता। इसका नतीजा यह होता है कि हर पांच साल में जनता के बीच जाकर परीक्षा देनी पड़ती है और जनता सब कुछ जानती है।

पहले सीएम के दौर के बजट से 'विजन 2050' तक की यात्रा

राज्य की विकास यात्रा का आकलन करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड के गठन से लेकर अब तक की प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राज्य के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के समय झारखंड के बजट का आकार क्या था और आज का बजट कहां पहुंच गया है, यह अंतर साफ दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं है कि हमलोगों ने कोई उपलब्धि हासिल नहीं की है। राज्य ने विकास के कई महत्वपूर्ण पड़ाव पार किए हैं।अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों में उनकी सरकार ने विकास की एक ऐसी लकीर खींची है, जिसे आज पूरा देश एक उदाहरण के रूप में देख रहा है। चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर महिला सशक्तिकरण का मामला, झारखंड के मॉडल की चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने खुशी जताई कि कल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच रही हैं।

रिम्स जमीन घोटाला मामला

तत्कालीन जिला अवर निबंधक के गोरखपुर स्थित आवास पर छापा

देश प्राण संवाददाता

रांची, 22 नवंबर : रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) जमीन घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को अप्राथमिकी अभियुक्त और रांची के तत्कालीन जिला अवर निबंधक वैभवमणि त्रिपाठी के उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित आवास पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान जांच टीम ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं।

रविवार को एसीबी के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, बरामद सामग्रियों से मामले के अनुसंधान में महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। जांच एजेंसी अब इन दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों की पड़ताल करेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिम्स की जमीन से जुड़े घोटाले के मामले में एसीबी रांची थाना में पांच जनवरी, 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले के अनुसंधान के दौरान तत्कालीन जिला अवर निबंधक वैभवमणि त्रिपाठी की भूमिका जांच के दायरे में आई। वह इस मामले में अप्राथमिकी अभियुक्त हैं।

इस मामले में धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत जांच की जा रही है। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी अनुसंधान जारी है। एसीबी बरामद दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों की जांच के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

शेख हसीना की पार्टी के नेताओं पर हमले जारी, गोपालगंज बना छावनी

ढाका (बांग्लादेश), 22 नवंबर (हि.स.): देश में इस समय राजनीतिक अस्थिरता, हिंसक प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति बनी हुई है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में वापसी की घोषणा, सरकार के नकारात्मक रुख पर उनकी पार्टी अवामी लीग के विरोध प्रदर्शन के बाद कई जिलों में तनाव है। अवामी लीग पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। शनिवार को खुलना में अवामी लीग के दो नेताओं पर हमले के बाद क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। इस बीच सरकार ने हसीना के गृह जनपद गोपालगंज को छावनी में बदल दिया है। वहां बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की 26 और प्लाटून तैनात की गई हैं। इसके साथ ही जिले में तैनात कुल प्लाटूनों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है।

प्रोथोम अलो, ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को दोपहर रूपशा उपजिला के सेनेर बाजार में और शाम को खान जहान अली था अंतर्गत फुलबारी गेट के पास अवामी लीग के नेताओं पर हमला किया गया। हमले में मो. मुनिरुज्जमान और मुक्तिजोद्धा प्रोजोनमो लीग के सदस्य 50 वर्षीय लैसुज्जमान घायल हो गए। बताया गया है कि लैसुज्जमान की हालत गंभीर है।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं का
मुख्यमंत्री कौशल एवं रोजगार सम्मान समारोह तथा

नियुक्ति पत्र
वितरण कार्यक्रम

यह प्रशिक्षण अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति,
अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार के मार्गदर्शन में
प्रेज्ञा फाउंडेशन (विशेष प्रयोजन वाहिनी – SPV) के माध्यम से प्रदान किया गया है।

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री चमरा लिंडा
माननीय मंत्री, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
श्री हफीजुल हसन
माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग

दिनांक: 23 नवम्बर, 2026 | समय: पूर्वाह्न 11:30 बजे
स्थान: प्रोजेक्ट भवन सभागार, द्वितीय तल

आप सादर आमंत्रित हैं



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR No. 394385 (Schedule Tribe, Schedule Caste, Minority and Backward Class Welfare Department) 26-27

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, झारखण्ड

बुंडू के छह पंचायतों के 18 गांवों के खतियान में गड़बड़ी का मामला उठा

विधायक विकास कुमार मुंडा ने विसंगतियों के ऊपर अधिकारियों के साथ की चर्चा

देश प्राण संवाददाता



बुंडू, 22 नवंबर : बुंडू प्रखंड के खुटकट्टी क्षेत्र के ग्रामीणों को ऑनलाइन खतियान (पंजी-क्क) में व्याप्त विसंगतियों के कारण हो रही परेशानियों को लेकर रविवार को बुंडू अनुमंडल कार्यालय में बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान तमाड़ विधायक सह सभापति विकास कुमार मुंडा ने छह पंचायतों के लगभग 18 गांवों के ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की। बैठक में ऑनलाइन खतियान में दर्ज त्रुटियों के कारण ग्रामीणों को राजस्व एवं भूमि संबंधी कार्यों में हो रही परेशानियों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया. विधायक ने अधिकारियों से इन विसंगतियों का जल्द से जल्द निराकरण कर ग्रामीणों को राहत दिलाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि खतियान में दर्ज त्रुटियों के कारण ग्रामीणों को अपने जमीन संबंधी कार्यों में अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. ऐसे में समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। बैठक में ग्रामीणों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों के साथ समाधान की दिशा में चर्चा की गई, ताकि खुटकट्टी क्षेत्र के ग्रामीणों को राजस्व एवं भूमि संबंधी कार्यों में राहत मिल सके. इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी मोहन लाल मरांडी, अंचलाधिकारी हंस हेम्ब्रम, बीडीओ सावित्री कुमारी विशेष रूप से मौजूद रहे।

जेआईआईटी एकेडमी में 130 विद्यार्थियों को दिए गए प्रमाण-पत्र



खूंटी , 22 नवंबर : तोरपा रोड स्थित खूंटी टोली के जेआईआईटी एकेडमी कंप्यूटर सेंटर में रविवार को प्रमाण-पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एक वर्षीय एडवांस कोर्स, छह माह के डिप्लोमा कंप्यूटर कोर्स सहित अन्य पाठ्यक्रम पूरा करने वाले 130 विद्यार्थियों के बीच प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र निदेशक बिरेन्द्र नाग ने विद्यार्थियों का स्वागत कर किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छह विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र के साथ उत्कृष्टता पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। निदेशिका बुलबुल आईच ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कंप्यूटर शिक्षा का विशेष महत्व है। शिक्षा, रोजगार और विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए कंप्यूटर का ज्ञान आवश्यक हो गया है। केंद्र निदेशक बिरेन्द्र नाग ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए आगामी सत्र में एडीसीए, डीटीपी, टैली, डिजिटल मार्केटिंग, टाइपिंग सहित कई अन्य कंप्यूटर कोर्स उपलब्ध कराए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों को कम शुल्क में संचालित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त कर सकें। मौके पर सहायक शिक्षिका मोनी रानी, गणेश सर, उमा कुमारी, पुष्पा कुमारी, अभिनव, पूर्वी रानी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

खबर कोना

मांडर पल्ली में खीस्त राजा पर्व श्रद्धा एवं भक्तिभाव से संपन्न



मांडर, 22 नवंबर : पल्ली में खीस्त राजा का पर्व बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया .इस अवसर पर विशेष मिस्सा अनुष्ठान का आयोजन हुआ मुख्य अनुष्ठाता मांडर पल्ली के पल्ली पुरोहित सह डीन फादर बिपिन कंडुलना द्वारा मिस्सा अनुष्ठान सम्पन्न कराया गया इस अवसर पर अपने संदेश में फादर अमृत आशुतोष खलखो ने अपने संदेश मे विश्वासियों को प्रभु यीशु खीस्त को अपने जीवन का सच्चा राजा स्वीकार करने तथा उनके प्रेम, सेवा, क्षमा, शांति और न्याय के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया और कहा यह पर्व विश्वासियों के लिए अपने विश्वास को नवीनीकृत करने और खीस्तीय मूल्यों के अनुसार जीवन जीने की प्रेरणा देता है, इससे पूर्व मांडर पल्ली के पंद्रह गाँव के मशीही विश्वासियों द्वारा सामूहिक रुप मारिया टोली टोली स्थित मैदान से जुलुस लेकर ताजिया एवं अन्य प्रतीक चिन्हो के साथ नाचते मांडर पल्ली पहुंचे जुलुस का नेतृत्व फादर जॉन शैलेन्द्र टोप्पो एवं मारिया टोली ग्राम की नृत्य मंडली कर रही थी .मौके पर फादर अमृत आसुतोष खलखो , फादर सुधीर केरकेट्टा, फादर जोनिस गाड़ी, फादर जॉन शैलेन्द्र टोप्पो,पल्ली समिति के पेत्रुस खलखो, नवीन टोप्पो, पॉल नाग, संदीप कुजूर, जुएल तिग्गा,कलेमेन्सिया कुजूर सहित हजारों की संख्या मे मशीही विश्वासी शामिल थे।

कपड़ा बैंक ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

बेड़ो, 22 नवंबर : सामाजिक सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए कपड़ा बैंक बेड़ो की टीम ने रविवार को नेहालू पंचायत के डिपाटोली गाँव में जरूरतमंद परिवारों के बीच कपड़े एवं कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के अध्यक्ष कैलाश कुमार ने किया। इस दौरान करीब 300 वस्त्रों एवं कंबलों का वितरण किया गया। इसमें साड़ी, सूट, जींस, पैंट, बच्चों के कपड़े सहित ठंड से बचाव के लिए गर्म वस्त्र शामिल थे। मौके पर अध्यक्ष कैलाश कुमार ने कहा कि कपड़ा बैंक बेड़ो पिछले छह वर्षों से लगातार जरूरतमंदों के बीच नए एवं पुराने कपड़े वितरित कर रही है। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान हर इंसान की बुनियादी जरूरत है। खासकर ठंड के मौसम में गरीब और असहाय परिवारों को गर्म कपड़े एवं कंबल उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि संस्था को आम लोगों का भी भरपूर सहयोग मिलता है। लोग अपने घरों में रखे उपयोग योग्य पुराने कपड़े दान करते हैं, जिन्हें जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाता है। वहीं, सहयोग राशि से नए कंबल खरीदकर भी वितरित किए जाते हैं। जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान देखना ही संस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस अभियान में तुको निवासी आशुतोष पांडेय तथा बेड़ो निवासी रणजीत गुप्ता और गुड्डू गुप्ता ने कपड़ों का सहयोग किया। कार्यक्रम में स्थानीय शिक्षक गंगा महली ने भी विशेष योगदान दिया। अध्यक्ष ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार जताते हुए आम लोगों से उपयोग योग्य कपड़े दान करने की अपील की।

ऐतिहासिक बूढ़ा हड़बोड़ी जतरा की तैयारियां शुरू



बेड़ो, 22 नवंबर : ऐतिहासिक एवं पारंपरिक बूढ़ा हड़बोड़ी जतरा के आयोजन को लेकर रविवार, 22 नवंबर 2026 को बेड़ो में छिदिया पहान की अध्यक्षता में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में 12 पड़हा व्यवस्था के प्रतिनिधियों सहित पांच गांव हरिहरपुर जामटोली, बेड़ो, बारीडीह, खत्रीखंटगा और करांजी के सामाजिक व्यवस्था के अगुआ शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से जतरा के आयोजन की तिथियां निर्धारित की गईं। निर्णय के अनुसार 30 नवंबर सोमवार को दातून-पतई का नेग किया जाएगा। वहीं, 1 दिसंबर मंगलवार को विधि-विधान से पूजा-पाठ के बाद पीठा-लड्डू खाने की परंपरा निभाई जाएगी। इसके बाद 2 दिसंबर बुधवार को कुंडी उतरने के साथ ऐतिहासिक बूढ़ा हड़बोड़ी जतरा का भव्य आयोजन होगा। जतरा की सबसे खास परंपरा के तहत बेड़ो के पहान ऐतिहासिक महादानी मंदिर के गुंबद पर आम की डाली लेकर पारंपरिक नृत्य करेंगे।

झारखंड स्थापना दिवस पर लाभुकों का कराया गया गृह प्रवेश

नगड़ी, 22 नवंबर : झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत रविवार को नगड़ी प्रखंड की साहेर पंचायत के हरही गांव में अबुआ आवास योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नवनिर्मित आवासों में लाभुकों का गृह प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर नए पक्के घर में प्रवेश करते ही लाभुकों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वर्षों से अपने पक्के घर का सपना संजोए लाभुकों के लिए यह पल बेहद खास रहा। कार्यक्रम में प्रखंड प्रमुख मदुवा कच्छप, प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपाली भगत, पंचायत समिति सदस्य गुलरेज अंसारी एवं पंचायत सचिव अनिल कुमार महतो उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव भारतम्- द सोल ऑफ इंडिया हर्षोल्लास के साथ हुआ संपन्न

देश प्राण संवाददाता



रांची, 22 नवंबर : भव्य वार्षिकोत्सव भारतम् द सोल ऑफ इंडिया 22 नवंबर 2026, रविवार को ताना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगाँव, राँची में हर्षोल्लास, भव्यता एवं सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। 2500 से अधिक अभिभावकों ने इस भव्य सांस्कृतिक समारोह का प्रत्यक्ष साक्षात्कार किया और नन्हे कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों के साक्षी बने।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली परंपराओं और विविधता में एकता की भावना को नन्हे कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से मंच पर जीवंत कर दिया।

इस अवसर पर प्लेग्रुप, नर्सरी, एलकेजी और यूकेजी के 600 से अधिक नन्हे विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली परंपराओं को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों कैरवप्रीत सिंह सोढ़ी एवं उर्विश सिंह ने अपने आत्मविश्वास से परिपूर्ण स्वागत भाषण से अतिथियों एवं अभिभावकों का अभिनंदन किया।

रुद्रांश उपाध्याय द्वारा शिव तांडव स्तोत्र के मंत्रों के प्रभावशाली एवं ओजस्वी उच्चारण ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया तथा भारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की भव्यता को जीवंत कर दिया। यूकेजी की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय नृत्य कथक को देखने के बाद दर्शकों की तालियों से स्टेडियम गूंज उठा ।

पंजाब की जीवंत लोकसंस्कृति, उत्तराखंड की मनमोहक परंपराओं, सिक्किम की विशिष्ट सांस्कृतिक विरासत, गोवा की रंगीन संस्कृति, तमिलनाडु की समृद्ध नृत्य परंपरा तथा महाराष्ट्र के पारंपरिक गणपति नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों से भारत की सांस्कृतिक विविधता को मंच पर जीवंत कर दिया।

पब्लिक स्कूल की संस्थापिका की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

बुंडू, 22 नवंबर : भारतीय विद्यायतन पब्लिक स्कूल, बुंडू में रविवार, 22 नवंबर 2026 को विद्यालय की संस्थापिका स्वर्गीय नीलम जायसवाल की छठी पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई. इस अवसर पर विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित अतिथियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला कॉलेज के सचिव अबू सईद अंसारी, महिला कॉलेज के प्राचार्य श्री मधुसूदन मुंडा, मुख्य सहायक शहाबुद्दीन अंसारी सहित जागरूक अभिभावक उपस्थित रहे. कार्यक्रम का संचालन कक्षा दसवीं की छात्रा उषा कुमारी, मुस्कान जायसवाल एवं छात्र मुकेश महतो ने किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं अतिथियों ने स्व. नीलम जायसवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. उपस्थित लोगों ने उनके सरल स्वभाव, उत्कृष्ट कृतित्व तथा कार्य के प्रति निष्ठा और समर्पण भाव को याद किया।

मगध सम्राट जरासंध महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई



देश प्राण संवाददाता

खलारी, 22 नवंबर : कोयलांचल चंद्रवंशी समाज के द्वारा रविवार को चक्रवर्ती मगध सम्राट जरासंध महाराज की 5229वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता युगेश्वर राम चंद्रवंशी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत में उपस्थित समाज के लोगों ने सम्राट जरासंध महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर, पुष्प अर्पित कर और माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। इसके बाद उपस्थित लोगों ने जय जरासंध महाराज का जयकारा लगाया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन चंद्रवंशी समाज के आराध्य महाराज जरासंध की जयंती भी मनाई जाती है।

कि महाभारत कालीन मगध साम्राज्य के चंद्रवंशी राजा बृहद्रथ के वंश में जन्मे महाराज जरासंध एक महान पराक्रमी और प्रतापी शासक थे। उन्होंने अपने अदम्य साहस, शौर्य और कुशल नेतृत्व के बल पर विशाल साम्राज्य स्थापित किया था। वक्ताओं ने कहा कि महाराज जरासंध का जीवन और उनका गौरवशाली इतिहास समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

बबन छैला के गीतों पर रातभर झूमे संगीत प्रेमी

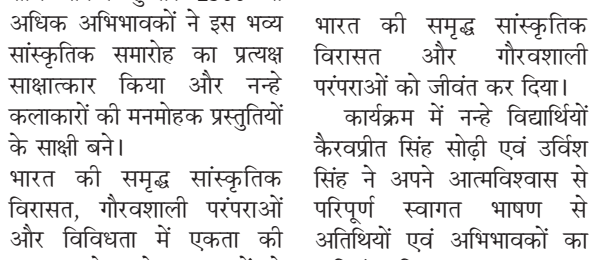

देश प्राण संवाददाता

खलारी, 22 नवंबर : छठ पूजा समिति स्टार क्लब चुरी की ओर से छठ महापर्व के अवसर पर 21 नवंबर की रात आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीत-संगीत का खूब रंग जमा। कार्यक्रम में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश से पहुंचे कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। वहीं, आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे संगीत प्रेमी देर रात तक गीतों की धुन पर झूमते रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण झारखंडी सुपरस्टार बबन छैला रहे। उन्होंने अपने लोकप्रिय खोरठा और भोजपुरी गीतों की प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनके एक से बढ़कर एक गीतों पर युवाओं, महिलाओं और अन्य संगीत प्रेमियों ने जमकर आनंद उठाया। जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ता गया, दर्शकों का उत्साह भी बढ़ता गया।

अन्य कलाकारों ने भी अपनी गायकी और कला का शानदार प्रदर्शन कर खूब तालियां बटोरीं। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन यूनियन नेता सुदेश पासवान, झारखंड पब्लिक स्कूल के निदेशक अभिषेक चौहान रंजीत सिंह और पत्रकार पवन गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

अफीम की खेती पर रोक लगाने को लेकर प्रशासन सख्त, ग्राम प्रधानों संग की बैठक

देश प्राण संवाददाता



बुंडू, 22 नवंबर : बुंडू प्रखंड के 87 गांवों में अवैध अफीम की खेती पर रोक लगाने एवं ग्रामीणों को जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बैठक आयोजित की गई. अंचलाधिकारी हंस हेम्ब्रम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, बीडीओ सावित्री कुमारी सहित ग्राम प्रधान एवं डाकुवा शामिल हुए।

बैठक में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ रांची पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जन जागरूकता अभियान की जानकारी दी गई. ग्रामीणों को बताया गया कि अफीम की खेती और नशीले पदार्थों के कारोबार से समाज एवं परिवार पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है. प्रशासन की ओर से ग्राम प्रधानों से अपने-अपने गांवों में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ जागरूकता फैलाने तथा इसकी रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की गई।

इस दौरान रांची पुलिस की ओर से जागरूकता बैनर के माध्यम से अफीम, गांजा, ब्राउन शुगर एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों और अवैध अफीम की खेती से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई. अभियान के तहत लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया. वहीं, झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सभी ग्राम प्रधानों एवं डाकुवा को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

मौके पर ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष डालगोबिंद सिंह मुंडा, उपाध्यक्ष मिहीर सिंह मुंडा, मानकी देवी प्रसाद सिंह, शशि सिंह मुंडा, शिव उरांव, विनय सिंह मुंडा, सुधीर मुंडा आदि मौजूद थे।

सुरक्षा व सशक्तिकरण दिवस पर जागरूकता रैली

खूंटी, 22 नवंबर : झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा-2026 के तहत महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण दिवस के अवसर पर रविवार को समाज कल्याण विभाग की ओर से जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान आंगनबाड़ी सेविकाओं ने ग्रामीणों के साथ मिलकर जागरूकता रैली निकाली और समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने का संदेश दिया। रैली के माध्यम से बाल विवाह, डायन प्रथा, बाल हिंसा, महिला हिंसा, बालिका अशिक्षा और कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकार, सुरक्षा और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया गया। ग्रामीणों से इन कुरीतियों के खिलाफ आगे आने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की गई।

राजीव गांधी ग्रामीण प्रतियोगिता में 501 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा



देश प्राण संवाददाता

मांडर, 22 नवंबर : पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की की पहल पर आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण प्रतिभा प्रतियोगिता की मुख्य परीक्षा रविवार को मांडर में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।

मांडर और चान्हो प्रखंड के विद्यार्थियों के लिए मांडर में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर कुल 645 विद्यार्थियों का पंजीकरण था, जिनमें 501 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। यहां संत अन्ना गर्ल्स हाई स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित हुई। परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई दौरान बीपीओ गुलाम सरवर, डॉ. नेहा टोप्पो, अनुपम टोपनो, डॉ. अलविना जोजो, डॉ. अरुण अमर तिग्गा, मांगा उरांव, आशुतोष कुमार सहित अन्य लोगों ने भी परीक्षा संचालन में अहम योगदान दिया।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता के लिए मांडर और बेड़ो में कुल तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

ईंट लदे ट्रक ने बालक को कुचला, मौके पर हुई मौत

देश प्राण संवाददाता

बुढ़मू, 22 नवंबर : बुढ़मू थाना क्षेत्र के राय रोड में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 12 वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की पहचान बेड़वारी निवासी लालचंद महतो के पुत्र दीपांशु कुमार महतो (12 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं, बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार, दीपांशु स्कूटी पर सवार होकर बरौदी मेला से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान वह अपनी नानी के घर पूरनी राय स्थित चुना भट्ठा जाने के लिए निकला था।

तभी मक्का की ओर से आ रहे ईंट लदे ट्रर्बो ट्रक की चपेट में स्कूटी आ गई। हादसा इतना भीषण था कि दीपांशु ट्रक की चपेट में आ गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बुढ़मू पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। एक मासूम बच्चे की असमय मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। दिव्यांशु चौथा क्लास का छात्र था और वह नानी के घर में रहकर सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ाई कर रहा था। विद्यालय की परीक्षा का तैयारी कर रहा था।

विस्थापित परिवार समिति की अध्यक्षता में बैठक

सड़क चौड़ीकरण से पहले विस्थापितों को दुकान व पुनर्वास की व्यवस्था करे सरकार : पंकज शाहदेव

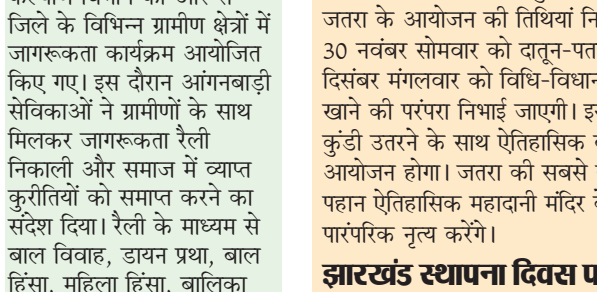

नगड़ी, 22 नवंबर : हटिया विस्थापित परिवार समिति की एक अति आवश्यक बैठक रविवार को कुटे में समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में एचईसी की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य, विस्थापित परिवारों के लिए रोजगार के नए अवसर, प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण से उत्पन्न होने वाली समस्याओं तथा विस्थापित परिवारों के अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित रैयत विस्थापित परिवारों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण के नाम पर उन छोटे-छोटे दुकानदारों को उजाड़ना- जो विस्थापन का दंश झेलने के बाद किसी तरह छोटी दुकानें चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं -उनके साथ एक और अन्याय होगा।

सरकार पहले प्रभावित दुकानदारों के लिए वैकल्पिक दुकान एवं समुचित पुनर्वास की व्यवस्था करे उसके बाद ही सड़क चौड़ीकरण की कार्रवाई करे अन्यथा विस्थापित परिवार स्वयं हाईकोर्ट के समीप उपलब्ध खाली जमीन पर विस्थापित मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण की दिशा में पहल करने को बाध्य होंगे। समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने कहा कि एचईसी की वर्तमान दुर्दशा केवल एक औद्योगिक संस्थान की बदहाली का मामला नहीं है, बल्कि यह उन हजारों आदिवासी-मूलवासी रैयत परिवारों के भविष्य से जुड़ा गंभीर सवाल है, जिन्होंने देश के औद्योगिक विकास के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन, घर और आजीविका का त्याग किया था।

उन्होंने कहा कि एचईसी की स्थापना के समय स्थानीय रैयतों से विकास, रोजगार, पुनर्वास और बेहतर भविष्य के अनेक वादे किए गए थे। लेकिन आज विडंबना यह है कि जिन परिवारों की जमीन पर एचईसी का विशाल औद्योगिक परिसर खड़ा हुआ, उन्हीं परिवारों की अगली पीढ़ियाँ रोजगार और अपने बुनियादी अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए समिति के महासचिव सह झामुमो नेता कलाम आजाद ने कहा कि अब समय आ गया है कि विस्थापित परिवार केवल अपने पुराने अधिकारों की मांग तक सीमित न रहें, बल्कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए रोजगार के वैकल्पिक स्रोत, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर तथा अन्य संस्थानों में विस्थापित परिवारों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी ठोस रणनीति बनाएं। इस अवसर पर महावीर नायक, धीरंजय शाहदेव, रमेश उरांव, परस शाहदेव आदि उपस्थित थे।



टीवी चैनलों की किचकिच को खबर नहीं कहते।
अपने दिमाग को कूड़ादान मत बनाइए
सच्ची खबरों के लिए अखबार उठाइए
देश प्राण सच की ताकत

Desh Pran | Desh Pran | Desh Pran | @deshpran | @deshpran | Desh Pran | contact@deshpran.in | www.deshpran.com

2050 तक झारखंड को देश का नंबर वन और विकसित राज्य बनाने का लक्ष्य रखें

राजनीतिक मतभेद हों पर मनभेद नहीं: राज्यपाल



वरीय संवाददाता, देश प्राण

रांची, 22 नवंबर : झारखंड विधानसभा के 26वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं, मूल्यों और जनआकांक्षाओं को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया।

राज्यपाल ने झारखंड के गठन की ऐतिहासिक यादों को ताजा करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में इस राज्य का सृजन हुआ था और वे स्वयं केंद्र सरकार में मंत्री रहने के नाते इस गठन प्रक्रिया के साक्षी रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने पड़ोसी देशों के मौजूदा हालातों का हवाला देते हुए भारत की मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था को संजोए रखने की अपील की और 2050 तक झारखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने का स्पष्ट लक्ष्य तय करने की बात कही।

झारखंड गठन के साक्षी रहे हैं, 2050 तक राज्य को बनाएं नंबर वन

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि झारखंड राज्य का गठन यहां के लोगों की लंबी आकांक्षाओं और संघर्ष का परिणाम था, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अहम भूमिका रही। उन्होंने कहा कि वे खुद उस ऐतिहासिक पल के गवाह रहे हैं।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि इसी दिशा में हमें भी वर्ष 2050 तक झारखंड को देश का अग्रणी और नंबर वन राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि यदि हम अपनी प्राकृतिक संपदा और क्षमताओं का सही उपयोग करें, तो झारखंड बहुत अच्छे ढंग से आगे बढ़ सकता है और विकास को जनभागीदारी से जोड़ा जा सकता है।भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसकी नींव काफी मजबूत है।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन और कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व की दूरगामी सोच का परिणाम है झारखंड : राधाकृष्ण

रांची, 22 नवंबर : दूसरी ओर, सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विधानसभा के 26 वर्षों के सफर का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि झारखंड विधानसभा अब 26 वर्ष की हो चुकी है और इस राज्य के निर्माण के पीछे दिशोम गुरु शिबू सोरेन, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी, कांग्रेस की तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित कांग्रेस के तमाम शीर्ष नेताओं की दूरगामी सोच और संकल्प का बड़ा योगदान रहा है, जिसके परिणामस्वरूप आज झारखंड को उसकी संप्रभुता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व की सराहना करते हुए संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में राज्य का वित्तीय प्रबंधन काफी मजबूत हुआ है, जिसकी प्रशंसा देश के प्रतिष्ठित नीति आयोग ने भी की है।

विस की उपलब्धि सिर्फ बैठकों की संख्या से नहीं, अंतिम व्यक्ति के दर्द के समाधान से तय होती है: रवींद्रनाथ

रांची, 22 नवंबर : झारखंड विधानसभा के 26वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर सदन के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने प्रेरक, वैचारिक और यथार्थवादी बातें रखीं. उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी लोकतांत्रिक संस्था की सफलता केवल इस बात से नहीं आंकी जा सकती कि सालभर में सदन की कितनी बैठकें हुईं या कितने विधेयक पारित किए गए. असली कसौटी यह है कि यह सर्वोच्च संस्था झारखंड के सुदूर गांवों में बैठे उस साधारण नागरिक की आवाज और उसकी समस्याओं का कितना प्रभावी समाधान दे पा रही है, जिसके संघर्षों की बुनियाद पर इस अलग राज्य का निर्माण हुआ था. विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह स्थापना दिवस महज किसी ईंट-गारे की इमारत या संस्था की वर्षगांठ भर नहीं है, बल्कि यह झारखंड की जीवंत लोकतांत्रिक चेतना, कुर्बानियों और जनआकांक्षाओं को आत्मसात करने का पावन अवसर है. 15 नवंबर 2000 को मिले अलग राज्य के इतिहास को याद करते हुए उन्होंने अमर शहीद भगवान बिरसा मुंडा, नीलांबर-पीतांबर, पंडित गणपत राय और वीर शेख भिखारी जैसे महान सेनानियों के ऐतिहासिक बलिदान को नमन किया।

उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मेरे क्षेत्र की जनता को समर्पित: निरल पूर्ति

रांची, 22 नवंबर : झारखंड विधानसभा के 26वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर वर्ष 2026 के लिए 'बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक सम्मान' से नवाजे गए मझगांव के विधायक निरल पूर्ति ने इस उपलब्धि को अपने राजनीतिक और सामाजिक जीवन का सबसे अविस्मरणीय क्षण बताया। सम्मान मिलने के बाद अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए उन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर जवानों और नक्सली हिंसा में शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने ओजस्वी और सादगीपूर्ण भाषण में उन्होंने जनता के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सदन कोई ईंट-पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों को आवाज देने का जरिया है।
यह सम्मान मेरे निर्वाचन क्षेत्र मझगांव की महान जनता का परिणाम है।

विपक्ष गाड़ी का पहिया, जनता की आवाज अनसुनी न हो : बाबूलाल मरांडी

रांची, 22 नवंबर : समारोह को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने झारखंड अलग राज्य के निर्माण की लंबी लड़ाई लड़ने वाले तमाम आंदोलनकारियों के प्रति गहरा आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अलग राज्य के गठन का पूरा श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है। उन्होंने कहा कि देखते-देखते राज्य गठन के 26 साल पूरे हो गए और पता ही नहीं चला कि समय कैसे बीत गया, क्योंकि 26 साल का वक्त कोई छोटा समय नहीं होता है। राज्य के विकास और जनता की भूमिका पर बात करते हुए बाबूलाल मरांडी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि काम तो आखिरकार सरकार को ही करना है, लेकिन जिस मूल मकसद और उद्देश्य के लिए अलग राज्य की लड़ाई लड़ी गई थी, आज उस पर गंभीर आत्ममंथन करने की जरूरत है।
लोकतंत्र की खूबसूरती का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने के लिए पक्ष और विपक्ष किसी गाड़ी के दो पहियों की तरह हैं।

खबर कोना

गुरुनानक देव की शिक्षाएं सत्य, समानता, प्रेम और निःस्वार्थ सेवा का देती हैं संदेश : राज्यपाल



रांची, 22 नवंबर : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार रविवार को रांची के रातू रोड स्थित कृष्णानगर कॉलोनी गुरुद्वारा मैदान (बिरला मैदान) में गुरु नानक देव के पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने गुरुद्वारा में मत्था टेककर श्रद्धा निवेदित की और लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। राज्यपाल ने सभी को प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाएं सत्य, समानता, प्रेम, करुणा और निःस्वार्थ सेवा का संदेश देती हैं। उनका जीवन और दर्शन आज भी पूरी मानवता को मार्गदर्शन प्रदान करता है। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राज्य सरकार को नसीहत देने से पहले भाजपा अपने शासनकाल का हिसाब दे : आलोक दूबे

रांची, 22 नवंबर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह द्वारा नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य सरकार पर लगाए गए आरोपों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा नेताओं को हेमंत सोरेन सरकार पर उंगली उठाने से पहले अपने शासनकाल का इतिहास देखना चाहिए। दूबे ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड में एक संवेदनशील, जवाबदेह और जनहित के प्रति समर्पित गठबंधन सरकार काम कर रही है। यह सरकार किसी राजनीतिक दल के दबाव, धमकी या बयानबाजी से नहीं, बल्कि संवैधानिक मयार्दाओं और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के अनुरूप निर्णय लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की परेशानी यह है कि हेमंत सोरेन सरकार लगातार जनहित के मुद्दों पर काम कर रही है। गरीबों, आदिवासियों, मूलवासियों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में सरकार की प्रतिबद्धता भाजपा को रास नहीं आ रही है। इसलिए कभी कानून व्यवस्था, कभी सुरक्षा और कभी प्रशासनिक व्यवस्था के नाम पर अनावश्यक विवाद खड़ा करने की कोशिश की जाती है। दूबे ने कहा कि बाबूलाल मरांडी और भाजपा प्रवक्ता को यह समझना चाहिए कि सरकार चलाना प्रेस कॉन्फ्रेंस करने जैसा आसान काम नहीं है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता के हितों की चिंता करनी है। सरकार की प्राथमिकता राज्य का विकास, सामाजिक न्याय, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है।

ऑड्रे हाउस में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का समापन



रांची, 22 नवंबर : झारखंड स्थापना दिवस के 26वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक पखवाड़ा-2026 का रविवार को ऑड्रे हाउस में रंगारंग समापन हुआ।
पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव के अंतिम दिन जिला स्तरीय नागपुरी गीत प्रतियोगिता हुई। इसमें रांची जिले के विभिन्न क्षेत्रों और स्कूलों से आए बालक-बालिकाओं ने नागपुरी सहित अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में गीत और वाद्य संगीत की प्रस्तुतियां देकर झारखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति की झलक पेश की। प्रतियोगिता में प्रसिद्ध नागपुरी पुरोधा शिव शंकर महली, मनपूरन नायक और देवदास विश्वकर्मा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

संविधान और बाबा साहेब के सम्मान के नाम पर राजनीतिक पाखंड कर रही है भाजपा : किशोर शाहदेव

मुख्य संवाददाता



रांची, 22 नवंबर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी के बयान को आड़े हाथों लेते हुए कहा है कि संविधान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान के नाम पर भाजपा केवल राजनीतिक पाखंड और जनता को गुमराह करने का काम कर रही है।

शाहदेव ने कहा कि 26 नवंबर को कांग्रेस की संविधान और लोकतंत्र बचाओ रैली को जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है और यह रैली संविधान की रक्षा के संकल्प को और मजबूत करेगी।

कांग्रेस महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि भारतीय संविधान की रचना और उसे लागू करने में कांग्रेस और देश के महापुरुषों की ऐतिहासिक भूमिका रही है, जबकि भाजपा और उसके वैचारिक पूर्वजों ने हमेशा संविधान की मूल भावना धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और संघीय ढांचे को कमजोर करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग आज संविधान गौरव दिवस की बात कर रहे हैं, उन्हीं के शासनकाल में संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है और लोकतांत्रिक मयार्दाओं को ठेस पहुंचाई जा रही है।

आपातकाल के संदर्भ में अमर कुमार बाउरी की टिप्पणी का जवाब देते हुए लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि इतिहास के पन्नों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना भाजपा की पुरानी आदत है। कांग्रेस ने हमेशा देश की एकता, अखंडता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए बड़े फैसले और बलिदान दिए हैं।

वहीं, राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस संविधान और लोकतंत्र बचाने की जो लड़ाई लड़ रही है, उससे भाजपा घबराई हुई है और इसी बौखलाहट में अनर्गल बयानबाजी कर रही है।

झारखंड में पत्रकारों की स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था पर अमर बाउरी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शाहदेव ने कहा कि झारखंड में कानून का राज कायम है और पुलिस-प्रशासन पूरी निष्पक्षता व संवैधानिक दायरे में रहकर अपना काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपने शासित राज्यों में पत्रकारों, विरोधियों और आम नागरिकों के अधिकारों की स्थिति पर आत्ममंथन करना चाहिए।

अलग ओबीसी कॉलम की मांग को लेकर दिल्ली जाएंगे विश्वकर्मा समुदाय के 500 प्रतिनिधि

मुख्य संवाददाता



रांची, 22 नवंबर : अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को हुई।राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यालय हरमू में आयोजित बैठक की अध्यक्षता राजेश कुमार गुप्ता ने की।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जाति जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम निर्धारित करने की मांग को लेकर 28 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में अखिल भारतीय जाति समन्वय समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विश्वकर्मा समुदाय भाग लेगा।

बैठक में निर्णय लिया गया कि झारखंड के विभिन्न जिलों तथा दिल्ली में कार्यरत एवं निवास करने वाले विश्वकर्मा समुदाय के लोगों को मिलाकर लगभग 500 प्रतिनिधि रामलीला मैदान पहुंचेंगे। प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि जाति जनगणना में ओबीसी की अलग पहचान दर्ज होना आवश्यक है, ताकि ओबीसी समुदाय की वास्तविक आबादी के आधार पर शिक्षा, रोजगार, आरक्षण, बजट एवं सरकारी योजनाओं में उचित भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ठोस नीतियां बनाई जा सकें।

विश्वकर्मा महासभा के प्रधान महासचिव विक्रांत विश्वकर्मा ने कहा कि ओबीसी समुदाय के हक-अधिकार के लिए जाति जनगणना में अलग ओबीसी कॉलम की मांग को लेकर आयोजित दिल्ली कार्यक्रम में विश्वकर्मा समुदाय अपनी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

बैठक में अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा के प्रधान महासचिव विक्रांत विश्वकर्मा, रांची जिला अध्यक्ष विनोद शर्मा, उपाध्यक्ष अजय कुमार शर्मा, अर्जुन शर्मा, बालेश्वर ठाकुर, सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महिला सशक्तीकरण के लिए निकली पदयात्रा, नुक्कड़ नाटक का मंचन

मुख्य संवाददाता, देश प्राण



रांची, 22 नवंबर : अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आज राजधानी रांची में सम्मेलन की सभी शाखाओं द्वारा महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य से पदयात्रा का आयोजन किया गया।

सशक्त नारी सुदृढ़ राष्ट्र के संकल्प के तहत यह पदयात्रा बरियातू रोड स्थित आरोग्य भवन से प्रातः सात बजे शुरू हुई जो करमटोली चौक तक जाकर पुनः आरोग्य भवन वापस लौटी। इस अवसर पर महिलाओं की समाज में महत्त्वपूर्ण भूमिका और महिला सशक्तीकरण के साथ ही महिलाओं को सुरक्षा, समान अधिकार एवं विकास में समान भागीदारी देने के उद्देश्य से विशेष नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया।

स्वर कोकिला एवं नाइटिंगल ऑफ इंडिया के नाम से पहचानी जानेवाली सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, भारत की पहली महिला राज्यपाल और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष सरोजिनी नायडू के द्वारा स्थापित अखिल भारतीय महिला सम्मेलन के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित पदयात्रा और नुक्कड़ नाटक के बाद अध्यक्ष मीना सिंह ने कहा कि महिलाओं का सशक्तीकरण, उनके स्वयं के परिवार के आर्थिक-सामाजिक उन्नयन के लिये भी बहुत ज्यादा जरूरी है।

आधी आबादी को कमजोर रखकर न तो परिवार आगे बढ़ सकता है न ही देश। इस अवसर पर सचिव अनुपमा प्रसाद ने कहा है कि वर्तमान परिवेश और बदलते परिप्रेक्ष्य में सशक्त नारी सुदृढ़ राष्ट्र का संकल्प लेना हर किसी के लिये सबसे ज्यादा जरूरी है। श्रीमती प्रसाद ने कहा कि यही वह एकमात्र वैसा उपाय है जिससे हम एक साथ अपने परिवार, संपूर्ण समाज और देश के हित में वैसा कदम उठा सकते है जिसका लाभ सभी को मिले। उन्होंने सभी से महिलाओं के समान अधिकार एवं अवसर देने के साथ ही सशक्तीकरण की अपील की। नुक्कड़ नाटक के पश्चात एकता राय ने महिला सशक्तीकरण पर अपनी कविता प्रस्तुत की।

इस अवसर पर सम्मेलन की अध्यक्ष मीना सिंह, सचिव अनुपमा प्रसाद, कुमकुम गौड़, नैना तनेजा, इंदिरा शुक्ला, सतनाम सलूजा, मंजुला जायसवाल, आराधना शुक्ला, राका ठाकुर, अनुपमा सिंह, किरण सिंह, नूतन मिश्रा, सुचित्रा अग्रवाल, मंदिरा भाटिया, रीना विद्यार्थी के साथ ही सम्मेलन के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं आगंतुक अतिथि उपस्थित थे।

झारखंड में बारिश के बाद बढ़ी ठंड, 12 जिलों में घने कुहासे का येलो अलर्ट

रांची, 22 नवंबर : चक्रवात अकवान के प्रभाव से राजधानी रांची सहित झारखंड के कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 54 मिलीमीटर बारिश कोडरमा में रिकॉर्ड की गई, जबकि रांची में तीन मिलीमीटर वर्षा हुई। मौसम विभाग ने 23 नवंबर को राज्य के 12 जिलों में कहीं-कहीं घना कुहासा छाने की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं।उल्लेखनीय है कि पिछले दो-तीन दिनों के दौरान हुई बारिश के कारण रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में अधिकतम तापमान में तीन से छह डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। तापमान गिरने से राज्यभर में ठंड बढ़ गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में अधिकतम तापमान पूर्वी सिंहभूम जिले के दारिसाई में 25.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लातेहार में फिर बादल छा गए।

26 नवंबर को प्रदेश कांग्रेस निकालेगी राज्य स्तरीय संविधान रक्षक रैली

संगठनों व विभागों को व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश

मुख्य संवाददाता, देश प्राण



रांची, 22 नवंबर : 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय ह्यसंविधान रक्षक रैलीह्न की तैयारियों को लेकर आज राजकीय अतिथिशाला, मोरहाबादी, रांची में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं झारखंड प्रभारी के. राजू तथा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी फ्रंटल संगठनों एवं विभागों के अध्यक्षों को 26 नवंबर के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने जिला, विधानसभा एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 26 नवंबर को राज्य स्तरीय संविधान रक्षक रैली डॉ. भीमराव अंबेडकर चौक से प्रारंभ होगी तथा मार्च करते हुए बिरसा चौक स्थित धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समक्ष संपन्न होगी। बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड प्रभारी के. राजू ने कहा कि आज देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं और संविधान की मूल भावना के साथ जिस प्रकार खिलवाड़ किया जा रहा है, वह किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। संविधान की रक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा और नागरिकों के अधिकारों को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से 26 नवंबर की संविधान रक्षक रैली अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ संघर्ष कर रही है। इसी क्रम में पूरे देश में संविधान रक्षक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 26 नवंबर को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अपने सभी फ्रंटल संगठनों एवं विभागों के साथ मिलकर राज्य की जनता को यह संदेश देगी कि कांग्रेस पार्टी संविधान, लोकतंत्र और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा उनके साथ खड़ी है। किसी भी प्रकार के अन्याय और संवैधानिक अधिकारों के हनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप झारखंड के सह प्रभारी भूपेंद्र मरावी , प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया विभाग के अध्यक्ष सतीश पॉल मुंजनी, उपाध्यक्ष दयामणि बरला सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी गजेंद्र सिंह, युवा कांग्रेस अध्यक्ष कुमार गौरव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष राम खलखो, एनएसयूआई अध्यक्ष विनय उरांव , अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्षता प्रशांत किशोर, राज उरांव उराव , ओबीसी विभाग के अध्यक्ष निशांत कुमार, राजीव गांधी पंचायती राज के अध्यक्ष शांतनु मिश्रा सोरेन राम, सुभाष नाग, हृदयनंद यादव, आदित्य विक्रम जायसवाल, कौशल किशोर, अजहर पप्पू, डॉक्टर पी नैयर, बबलू शुक्ला आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत नौ ग्राम प्रधानों को किया गया सम्मानित



सतबरवा : झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत सतबरवा प्रखंड कार्यालय परिसर में ग्राम प्रधानों के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीडीओ विजय कुमार ने प्रखंड के सभी नौ ग्राम प्रधानों को प्रशस्ति पत्र, शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधानों के सामाजिक योगदान और ग्रामीण स्तर पर उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की गई। समारोह में प्रखंड प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, विधायक एवं सांसद के प्रतिनिधि सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विकास कार्यों में लापरवाही पर डीसी सख्त, अधिकारियों को समय-सीमा में काम पूरा करने का निर्देश

सफेद लाइन के बाहर वाहन पार्किंग पर पुलिस की कार्रवाई, 22 हजार का चालान

✦छहमुहान से बाजार क्षेत्र तक चला अभियान, व्हाइट लाइन के अंदर वाहन पार्क करने की अपील

देश प्राण संवाददाता



मेदिनीनगर : शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए पलामू पुलिस प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रविवार को ट्रैफिक पुलिस और जिला परिवहन विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों पर विशेष अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे निर्धारित पार्किंग सीमा से बाहर खड़े दोपहिया और चारपहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल २२ हजार रुपये का ऑनलाइन चालान काटा गया।

ट्रैफिक प्रभारी रूद्रानंद सरस के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में जिला परिवहन विभाग के सहायक महावीर कुमार और अन्य कर्मी शामिल थे। टीम ने छहमुहान से लाल कोठ होते हुए बाजार क्षेत्र तथा लाल कोठा से व्हाइट लाइन तक वाहनों की जांच की। इस दौरान सड़क किनारे निर्धारित सीमा के बाहर खड़े वाहनों को चिह्नित कर उनके मालिकों के खिलाफ ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को जागरूक करने के लिए माइकिंग भी की। ट्रैफिक प्रभारी ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने दोपहिया और चारपहिया वाहनों को व्हाइट लाइन के अंदर ही पार्क करें। निर्धारित पार्किंग सीमा का उल्लंघन करने से सड़क पर आवागमन बाधित होता है और बाजार क्षेत्र में जाम की स्थिति उत्पन्न होती है।

उन्होंने कहा कि कई वाहन चालक अपनी सुविधा के अनुसार सड़क किनारे कहीं भी वाहन खड़ा कर देते हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी होती है। विशेषकर बाजार क्षेत्र में वाहनों की अधिक आवाजाही के कारण जाम की समस्या बढ़ जाती है। इसे देखते हुए प्रशासन ने निर्धारित पार्किंग व्यवस्था का पालन कराने के लिए अभियान शुरू किया है।

ट्रैफिक प्रभारी रूद्रानंद सरस ने स्पष्ट किया कि व्हाइट लाइन के बाहर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ आगे भी चालान की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और आम लोगों को जाम से राहत दिलाने के लिए नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाए जाएंगे।

जपला सीमेंट फैक्ट्री की नीलामी पर उठे सवाल, रोक लगाने की मांग तेज

देश प्राण संवाददाता



हुसैनाबाद (पलामू) : जपला सीमेंट फैक्ट्री की भूमि एवं अन्य परिसंपत्तियों की नीलामी को लेकर विरोध तेज होने लगा है। फैक्ट्री की बेशकीमती जमीन और औद्योगिक संपत्ति के हस्तांतरण पर सवाल उठाते हुए उत्तरी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य राजू कुमार मेहता उर्फ एसपी मेहता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर नीलामी प्रक्रिया पर रोक लगाने तथा पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र संख्या 122/26-27, दिनांक 21 नवंबर 2026 में उन्होंने नीलामी के विभिन्न पहलुओं की निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह किया है। पत्र के अनुसार, पटना उच्च न्यायालय की परि समापन संबंधी कार्यवाही के तहत फैक्ट्री की संपत्ति का आरक्षित मूल्य 34.60 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया था। इसके विरुद्ध भूमि वर्धन बिहार नामक साझेदारी फर्म ने 135.05 करोड़ रुपए की सर्वाधिक बोली लगाई, जिसे न्यायालय ने अस्थाई रूप से स्वीकार किया है।

राजू मेहता ने नीलामी के प्रचार-प्रसार, प्रक्रिया की पारदर्शिता, भूमि के स्वामित्व एवं लीज की स्थिति तथा परिसंपत्तियों के मूल्यांकन की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने यह भी स्पष्ट करने का आग्रह किया है कि नीलामी में निर्धारित नियमों और मानकों का पूरी तरह पालन किया गया है या नहीं।

उन्होंने कहा कि जपला सीमेंट फैक्ट्री केवल औद्योगिक संपत्ति नहीं, बल्कि पलामू की पहचान और हजारों परिवारों की आजीविका से जुड़ी धरोहर है। फैक्ट्री से जुड़े श्रमिकों के बकाया भुगतान, अधिकारों और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना संपत्ति का अंतिम हस्तांतरण उचित नहीं होगा।

जिला परिषद सदस्य ने फैक्ट्री के औद्योगिक पुनरुद्धार की संभावनाओं पर भी विचार करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री को दोबारा चालू करने की संभावना है तो सरकार को इस दिशा में पहल करनी चाहिए। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि उच्चस्तरीय जांच पूरी होने तक नीलामी की अगली प्रक्रिया और संपत्ति के अंतिम हस्तांतरण पर रोक लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर जपला सीमेंट फैक्ट्री के हितों की रक्षा के लिए इस लड़ाई को सर्वोच्च न्यायालय तक ले जाया जाएगा।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : डॉ. शशि भूषण

देश प्राण संवाददाता



हुसैनाबाद (पलामू) : हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में शनिवार को उपाधीक्षक डॉ. शशि भूषण की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक हुई। इसमें सीएचओ, एएनएम, एमपीडब्ल्यू सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में मातृ-शिशु स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के संचालन और मैदानी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

डॉ. शशि भूषण ने गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, संस्थागत प्रसव, बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण और स्वास्थ्य केंद्रों में नियमित ओपीडी संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण, संक्रामक रोगों की निगरानी और समय पर रिपोर्टिंग करने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है।

कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने और फील्ड में आने वाली समस्याओं से तत्काल अधिकारियों को अवगत कराने का निर्देश दिया। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया।

पंचायत स्तर पर गरीबों को न्याय की राह दिखा रहा विधिक सहायता केंद्र, पीएलवी चंद्रदेव बने सहारा

देश प्राण संवाददाता



मेदिनीनगर (पलामू) : गरीब, असहाय व जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता व अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराने में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत संचालित विधिक सहायता केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पांकी प्रखंड के सुड़ी पंचायत भवन में संचालित लीगल एड क्लीनिक ग्रामीणों के लिए मददगार साबित हो रहा है।

यहां पीएलभी चंद्रदेव प्रजापति लोगों को कानूनी जानकारी देने के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग कर रहे हैं।पीएलभी चंद्रदेव प्रजापति सप्ताह में दो दिन रविवार व बुधवार को विधिक सहायता केंद्र में बैठकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हैं। वे लोगों को उनके अधिकारों, कानूनी प्रावधानों व न्याय पाने के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देते हैं। जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया में भी सहयोग करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-मोटे विवादों को आपसी बातचीत व समझौते के माध्यम से सुलझाने की दिशा में भी पहल की जाती है। इससे विवाद आगे बढ़ने से पहले उसका समाधान हो सके।

इसके साथ ही समाज में व्याप्त नशाखोरी, बाल विवाह व डायन प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ लगातार जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को इनके दुष्परिणामों से अवगत कराया जा रहा है। विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और कानूनी जानकारी से परिचित कराया जाता है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना है। विधिक जागरूकता एवं जनहित के कार्यों में बेहतर योगदान के लिए पीएलभी चंद्रदेव प्रजापति को सम्मानित भी किया जा चुका है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत भवन में विधिक सहायता केंद्र संचालित होने से जरूरतमंद लोगों को अपने गांव में ही कानूनी मार्गदर्शन और सहायता मिल रही है।

बेमौसम बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर फेरा पानी, धान की फसल पर संकट

देश प्राण संवाददाता



हुसैनाबाद (पलामू) : पिछले दो-तीन दिनों से हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में तैयार धान और सब्जियों की फसलों को नुकसान होने की आशंका से किसान परेशान हैं। वहीं, लगातार खराब मौसम के कारण रबी फसलों की बुआई भी प्रभावित हो रही है।

इस संबंध में हुसैनाबाद व्यापार मंडल अध्यक्ष सह पलामू जिला पैक्स अध्यक्ष संघ के अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर झारखंड सरकार से प्रभावित किसानों को राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जून-जुलाई में पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण किसानों को खेती में अधिक लागत लगानी पड़ी थी। इसके बावजूद किसानों ने कड़ी मेहनत कर धान की फसल तैयार की थी।

उन्होंने कहा कि किसानों को उम्मीद थी कि फसल बेचकर वे बच्चों की पढ़ाई, बेटियों की शादी और पुराने कर्ज का भुगतान कर सकेंगे। लेकिन फसल तैयार होने के समय बेमौसम बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। लगातार बारिश से धान के साथ सब्जियों की खेती पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

कृष्णा बैठा ने कहा कि खराब मौसम के कारण रबी फसल की बुआई में भी देरी हो रही है। समय पर बुआई नहीं होने से आगामी फसल की पैदावार प्रभावित हो सकती है। इससे किसानों को दोहरी आर्थिक मार झेलनी पड़ेगी।

उन्होंने सरकार से मांग की है कि प्रभावित क्षेत्रों में धान की फसल को हुए नुकसान का जल्द आकलन कराया जाए। साथ ही किसानों को निर्धारित समर्थन मूल्य के अनुरूप उचित राहत और मुआवजा उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से उबरने में मदद मिल सके।

गृह प्रवेश का भोजन बना आफत, 400 से अधिक लोग बीमार, अस्पतालों में मची अफरातफरी

देश प्राण संवाददाता



छतरपुर (पलामू) : नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के जमुआ खरडिहा गांव में गृह प्रवेश समारोह का भोजन खाने के बाद 400 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। उल्टी, पेट दर्द, बदन दर्द और बुखार की शिकायत के बाद बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। रविवार सुबह छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अस्पताल में 100 से अधिक मरीजों का इलाज किया जा रहा है। वहीं, कई मरीजों को बेहतर उपचार के लिए मेदिनीनगर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को जमुआ खरडिहा गांव निवासी विमलेश यादव के घर गृह प्रवेश समारोह आयोजित किया गया था। इसमें आसपास के कई गांवों के लोगों ने भोज में हिस्सा लिया था। भोजन करने के बाद धीरे-धीरे लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। शुरूआत में कुछ लोगों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत हुई, लेकिन समय बीतने के साथ बीमार लोगों की संख्या बढ़कर 400 से अधिक हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

बीमार लोगों में कुछ का इलाज नौडीहा बाजार और सरईडीह में कराया जा रहा है, जबकि कई लोग बेहतर उपचार के लिए मेदिनीनगर पहुंचे हैं। वहीं, छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में भी मरीजों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। यहां शिवनंदन यादव, मंजू देवी, उर्मिला देवी, ललिता देवी, आकाश कुमार, शुभम कुमार, केसरी यादव, दिलीप कुमार, प्रदीप यादव, किशुन यादव, भरती देवी और निशा कुमारी समेत 100 से अधिक मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. राजेश अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मामला विषाक्त भोजन का प्रतीत हो रहा है। अस्पताल पहुंचने वाले सभी मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

इधर, स्वास्थ्य विभाग ने गृह प्रवेश समारोह में बचे हुए भोजन को नष्ट करा दिया है। साथ ही भोजन का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही लोगों के बीमार होने के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन की ओर से मरीजों के उपचार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष को महिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत करने का अधिकार नहीं : रेखा सिंह

देश प्राण संवाददाता

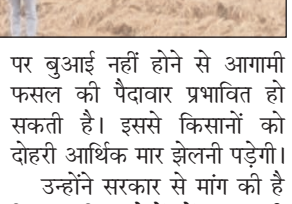

मेदिनीनगर : पलामू जिला महिला कांग्रेस में नौडीहा बाजार प्रखंड अध्यक्ष के मनोनयन को लेकर विवाद गहरा गया है। जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष रेखा सिंह ने नौडीहा बाजार प्रखंड में महिला कांग्रेस अध्यक्ष के मनोनयन पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे पार्टी संविधान और संगठनात्मक नियमों के विरुद्ध बताया है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष को महिला कांग्रेस का प्रखंड अध्यक्ष मनोनीत करने का अधिकार नहीं है। नौडीहा बाजार के कथित प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष संतोष पाठक द्वारा महिला कांग्रेस अध्यक्ष का मनोनयन किया जाना संगठनात्मक प्रक्रिया का उल्लंघन है।

रेखा सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में संगठन के विभिन्न पदों पर नियुक्ति और मनोनयन के लिए निर्धारित नियम और प्रक्रियाएं हैं। इनका पालन करना प्रत्येक पदाधिकारी की जिम्मेदारी है। किसी भी व्यक्ति को अपनी इच्छा से संगठन के दूसरे प्रकोष्ठ या विभाग में पदाधिकारी नियुक्त करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस एक अलग संगठनात्मक इकाई है और इसके पदाधिकारियों का मनोनयन निर्धारित संगठनात्मक प्रक्रिया के तहत ही होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से उनके नेतृत्व में पलामू जिला महिला कांग्रेस कमेटी और विभिन्न प्रखंडों की महिला कांग्रेस कमेटियां लगातार सक्रिय हैं। महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं से जुड़े मुद्दों को उठाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। नौडीहा बाजार प्रखंड में भी महिला कांग्रेस की संगठनात्मक गतिविधियां जारी हैं।

रेखा सिंह के अनुसार, नौडीहा बाजार प्रखंड में अनरवा देवी पहले से महिला कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। वह नामुदाग पंचायत की पंचायत समिति सदस्य भी हैं और संगठन के हित में बेहतर कार्य कर रही हैं। ऐसे में बिना किसी आवश्यकता के नए अध्यक्ष का मनोनयन करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले से जिम्मेदारी संभाल रही महिला पदाधिकारी के रहते इस तरह का मनोनयन संगठन में भ्रम और असमंजस की स्थिति पैदा कर सकता है।

जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने संतोष पाठक पर संगठनात्मक नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी नहीं रखने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी में सभी पदाधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र और जिम्मेदारियों की जानकारी होनी चाहिए। संगठनात्मक व्यवस्था के तहत ही किसी पद पर नियुक्ति की जानी चाहिए, ताकि पार्टी के भीतर अनुशासन और एकरूपता बनी रहे।

इस संबंध में उन्होंने भाजपा की संगठनात्मक प्रक्रिया का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी महिला मंडल अध्यक्ष के मनोनयन के लिए निर्धारित प्रक्रिया अपनाई जाती है। ऐसे में कांग्रेस जैसे बड़े राजनीतिक संगठन में भी नियमों और प्रक्रियाओं का पालन होना चाहिए। किसी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा अपने लेटर पैड पर सीधे महिला कांग्रेस अध्यक्ष का मनोनयन करना उचित नहीं है।

रेखा सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों के बीच समन्वय और अनुशासन जरूरी है।

खबरकोना

लगातार बूंदाबांदी से हैदरनगर में जनजीवन प्रभावित, खेतों में पसरा धान बर्बाद होने के कगार पर

हैदरनगर (पलामू) : हैदरनगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन दिनों से लगातार हो रही बूंदाबांदी से जनजीवन प्रभावित हो गया है। मौसम में आए बदलाव व रुक- रुककर हो रही बारिश के कारण लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं। ठंड व नमी भरे मौसम के चलते लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। बाजार व सड़कों पर भी लोगों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम देखी जा रही है। दुकानदारों की दुकानदारी गहरा असर पड़ा है वहीं रोज कमाने खाने वाले मजदूरों की स्थिति खराब हो गई है। लगातार हो रही बूंदाबांदी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में धान की कटाई के बाद फसल को सूखने के लिए पसारकर रखा गया है। लेकिन बारिश के कारण धान भींग रहा है। यदि मौसम का यही मिजाज बना रहा तो खेतों में पसरी धान की फसल के सड़ने और खराब होने की आशंका बढ़ गई है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों का कहना है कि पूरे साल मेहनत कर धान की फसल तैयार की गई थी, लेकिन कटाई के बाद मौसम की बेरुखी ने उनकी परेशानी बढ़ा दी है। धान की गुणवत्ता खराब होने के साथ उत्पादन पर भी इसका असर पड़ सकता है। पहले से ही खेती की बढ़ती लागत से परेशान किसानों के सामने अब फसल बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। लगातार बारिश ने किसानों की कमर तोड़कर रख दी है। मौसम साफ होने की उम्मीद में किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए हुए हैं।

पहाड़ी मोहल्ला में क्रिमिनल वेरिफिकेशन के दौरान पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार संदिग्ध बाइक बरामद

मेदिनीनगर : शहर के पहाड़ी मोहल्ला में क्रिमिनल वेरिफिकेशन अभियान के दौरान पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार संदिग्ध बाइक बरामद की हैं। जांच के दौरान कुछ नाबालिगों के पास से एयरगन भी बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि बरामद एयरगन देखने में राइफल जैसा प्रतीत होता है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में चर्चा का माहौल है। बरामद बाइक के संबंध में आवश्यक जांच की जा रही है। वहीं, नाबालिगों के पास एयरगन मिलने के मामले को भी पुलिस गंभीरता से देख रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बाइक किन लोगों की हैं और नाबालिगों के पास एयरगन कहां से आया। हालांकि, पुलिस की ओर से बरामदगी और जांच को लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चाईबासा में वार्ड पार्षद की दुकान का ताला तोड़कर 50 हजार रुपए की चोरी

पश्चिमी सिंहभूम, 22 नवंबर (हि.स.) : पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा में शनिवार की रात अज्ञात चोरों ने नगर परिषद के वार्ड पार्षद राहुल लाल की दुकान का ताला तोड़कर करीब 50 हजार रुपये मूल्य के सामान और नकदी की चोरी कर ली। घटना बस स्टैंड के समीप स्टेडियम परिसर स्थित रोहित कलेक्शन की है। रविवार सुबह दुकान खोलने पहुंचे वार्ड पार्षद राहुल लाल ने शटर का ताला टूटा हुआ देखा। अंदर जाने पर दुकान का सामान बिखरा मिला। जांच करने पर पता चला कि चोर दुकान में रखे कपड़े, कैश बॉक्स में रखी नकदी और अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद राहुल लाल ने सदर थाना पहुंचकर अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज और अन्य जरूरी साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। वार्ड पार्षद ने पुलिस प्रशासन से मामले का शीघ्र उद्भेदन करने और चोरी में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। इधर, शिकायत मिलने के बाद सदर थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

पूर्वी सिंहभूम, 22 नवंबर (हि.स.) : पूर्वी सिंहभूम के धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार सुबह राष्ट्रीय उच्च पथ-18 पर घने कोहरे के कारण एक सड़क हादसा हो गया। नरसिंहगढ़ स्थित गजानन फेरो फैक्ट्री के समीप सड़क पर बिना किसी सुरक्षा संकेत के खड़े भारी वाहन से बाइक के टकरा जाने से रांची निवासी 26 वर्षीय विवेक महाली की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसका साथी शिव शंकर महाली गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार रांची निवासी विवेक महाली, शिव शंकर महाली, अमरिंदर महाली और राहुल उरांव दो अलग-अलग बाइकों से रविवार तड़के करीब तीन बजे रांची से ओडिशा के समुद्री तट घूमने के लिए निकले थे। सुबह करीब पांच से छह बजे के बीच दोनों बाइकें धालभूमगढ़ के नरसिंहगढ़ स्थित गजानन फेरो फैक्ट्री के पास पहुंचीं। उस समय इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था और सड़क पर दृश्यता काफी कम थी। इसी दौरान विवेक महाली की बाइक सड़क पर खड़े एक भारी ट्रक से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हेलमेट पहने होने के बावजूद विवेक का हेलमेट बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बाइक पर पीछे बैठे शिव शंकर महाली भी गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी बाइक से पीछे आ रहे अमरिंदर महाली और राहुल उरांव दुर्घटना की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। घटना के बाद एनएचएआई की 1033 एंबुलेंस से घायलों को घाटशिला अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सक डॉ. जाउल ने जांच के बाद विवेक महाली को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल शिव शंकर महाली को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जमशेदपुर स्थित एमजीएम मेडिकल कॉलेज-अस्पताल रेफर कर दिया गया।

क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के समाधान के लिए हमेशा प्रतिबद्ध हूं : सुधीर मंगलेश

रजरप्पा : दुलमी प्रखंड अंतर्गत सिरू बुधबाजार के ग्रामीणों को बिजली की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से विद्युत ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। रविवार को बतौर मुख्य अतिथि दुलमी प्रखंड बीससूत्री अध्यक्ष सह कांग्रेस प्रवक्ता एवं मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश ने फीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही स्थानीय ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखा गया। सुधीर मंगलेश ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। बिजली आज हर परिवार की बुनियादी जरूरत बन चुकी है। ट्रांसफार्मर के उपलब्ध होने से सिरू बुधबाजार के ग्रामीणों को बिजली आपूर्ति में काफी सुविधा मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या के समाधान में मदद मिलेगी। इस अवसर पर महेंद्र ओहदार, प्रेम मुंडा, बबलू कुमार, राजशेखर महतो, विक्रम सिंह, विनोद महतो, बाबूराम महतो सहित कई लोग उपस्थित थे।

रामगढ़ में 122 अपराधियों पर कसेगा शिकंजा, एसपी ने बनाई कार्ययोजना

✦चोरी, लूट, हत्या समेत गंभीर अपराधों के आरोपितों पर होगी सख्त कार्रवाई

देश प्राण संवाददाता



रामगढ़, 22 नवंबर : जिले में अपराध पर लगाम लगाने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रामगढ़ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने शनिवार को क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन विंग के नोडल पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की रणनीति तैयार की। बैठक में जिले के १२ शीर्ष अपराधों में आरोप-पत्रित अपराधकर्मियों की सूची की विस्तार से समीक्षा की गई।

इस दौरान चोरी, लूट, डकैती, हत्या, हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस, रंगदारी, मारपीट और जमीन विवाद समेत अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में शामिल अपराधियों की गतिविधियों पर चर्चा हुई। पुलिस ने ऐसे 122 आदतन अपराधकर्मियों को चिह्नित किया है, जो बार-बार आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इनमें ऐसे अपराधी भी शामिल हैं, जो जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद दोबारा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं।

बैठक में निर्णय लिया गया कि चिह्नित सभी १२२ अपराधियों के खिलाफ एक साथ प्रभावी और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में एसपी ने नोडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अपराधियों के आपराधिक इतिहास और वर्तमान गतिविधियों की जानकारी जुटाकर नियमानुसार कार्रवाई के प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

एसपी ने सीसीए प्रस्ताव, निरुद्धादेश, जिला बदर, थाना हाजिरी, निगरानी प्रस्ताव, गुंडा पंजी तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा १२९ के तहत विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखना और समय रहते उनकी आपराधिक मंशा पर अंकुश लगाना पुलिस की प्राथमिकता है।

पुलिस अधीक्षक ने सभी नोडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने और आदतन अपराधियों की गतिविधियों की लगातार निगरानी करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपराधिक योजना की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए और इसकी सूचना वरीय अधिकारियों को दी जाए।

रामगढ़ पुलिस की इस पहल का उद्देश्य जिले में अपराध नियंत्रण को मजबूत करना, बार-बार अपराध करने वाले अपराधियों पर प्रभावी निगरानी रखना और आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को बढ़ाना है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के दायरे में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खबरकोना

झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत हंटरगंज में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित, 17 यूनिट रक्त संग्रहित

चतरा, 22 नवम्बर : 15 से 28 नवंबर तक चल रहे झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद एवं जेएसएलपी एस के सी ई ओ अनन्य मित्तल के निदेर्शानुसार झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, चतरा के सौजन्य से 22 नवंबर को हंटरगंज प्रखंड परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहयोग देना था।शिविर में संस्था के कर्मियों, कैडर एवं स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कुल 107 लोगों ने रक्तदान के लिए पंजीकरण कराया। स्वास्थ्य जांच के उपरांत 17 यूनिट रक्त का सफलतापूर्वक संग्रह किया गया।इस अवसर पर खरछढर जेएस एल पी एस के प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक दीपक कुमार सिंह ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। उन्होंने स्वस्थ एवं सक्षम नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।उन्होंने कहा कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प उपलब्ध नहीं है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान ही जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

गोला प्रखंड क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे बालू लदे दर्जनों वाहन

गोला : रामगढ़-मुरी पथ सहित गोला थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों और चौक-चौराहों पर इन दिनों बिना नंबर प्लेट के बालू लदे वाहनों का परिचालन चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कई महीनों से एक ही मॉडल के दर्जनों वाहन, जिनकी संख्या लगभग एक दर्जन बताई जा रही है, बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर बिना पंजीकरण संख्या प्रदर्शित किए ये वाहन लगातार सड़कों पर कैसे चल रहे हैं और संबंधित विभाग इस पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? ग्रामीणों का कहना है कि इन वाहनों को विभिन्न स्थानों पर खड़ा देखा जा सकता है। वाहनों की बनावट, उनकी गतिविधियों और उन पर लदे बालू को देखकर इनके बालू परिवहन में इस्तेमाल होने की चर्चा है। कई वाहनों पर बालू के अवशेष और बालू के गिरने के निशान भी दिखाई देते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि बिना नंबर प्लेट के चल रहे इन वाहनों की पहचान और उनके परिवहन से संबंधित दस्तावेजों की जांच आखिर कौन कर रहा है? स्थानीय लोगों के बीच इस बात को लेकर भी चर्चा है कि चौक-चौराहों पर पुलिस द्वारा कई बार ऐसे वाहनों को रोका जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि वाहन चालकों से बातचीत करने के बाद उन्हें आगे जाने दिया जाता है। हालांकि, इन चचाओं और आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

प्राचीन खीरी बौद्ध मठ में बुद्ध वंदना एवं धम्म देशना के साथ साप्ताहिक बैठक संपन्न

गोला : प्राचीन खीरी बौद्ध मठ, गोला में रविवार को बुद्ध वंदना, त्रिशरण, पंचशील एवं धम्म देशना के साथ साप्ताहिक बैठक श्रद्धा और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने सामूहिक रूप से भगवान बुद्ध के बताए मार्ग पर चलने तथा उनके विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान बुद्ध की वंदना एवं त्रिशरण ग्रहण के साथ हुई। इसके बाद पंचशील का पाठ किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को धम्म देशना के माध्यम से भगवान बुद्ध के उपदेशों, अहिंसा, करुणा, मैत्री, समानता और सदाचार के महत्व की जानकारी दी गई। इस अवसर पर मठ में नियमित रूप से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराने वाले उपासकों एवं उपासिकाओं सहित बड़ी संख्या में बौद्ध धर्मावलंबी उपस्थित थे।

चुट्टूपालू घाटी में भीषण सड़क हादसा, दो ट्रेलर की टक्कर में चालक और खलासी की मौत

देश प्राण संवाददाता



रामगढ़, 22 नवंबर : रांची-रामगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर चुट्टूपालू घाटी में रविवार को दो ट्रेलर के बीच हुई भीषण टक्कर में चालक और खलासी की मौत हो गई। यह हादसा इतना भयावह था कि पीछे से आ रहे इंगोट लदे ट्रेलर का केबिन आगे चल रहे ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह घुस गया। दोनों वाहनों के बीच केबिन इस कदर फंस गया कि चालक और खलासी अंदर ही बुरी तरह दब गए।

तीन घंटे से अधिक समय तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गैस कटर से ट्रेलर का केबिन काटकर दोनों को बाहर निकाला गया और उन्हें तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। रामगढ़ थाना प्रभारी गजेंद्र पांडेय ने दोनों की मौत की पुष्टि की है। जानकारी के अनुसार रांची से रामगढ़ की ओर जा रहा एक ट्रेलर गड़के मोड़ से पहले वन विभाग के वॉच टावर के समीप स्पीड ब्रेकर के कारण धीमा हो रहा था।

इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा इंगोट लदा ट्रेलर अनियंत्रित हो गया और उसने आगे चल रहे ट्रेलर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे वाले ट्रेलर का केबिन आगे चल रहे वाहन के डाला और चेसिस के बीच बुरी तरह घुस गया। दोनों वाहनों के पहिए और चेसिस भी आपस में फंस गए, जिससे उन्हें अलग करना बेहद मुश्किल हो गया। इस हादसे की सूचना मिलते ही रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

शुरूआती दौर में तीन क्रेन की मदद से दोनों वाहनों को अलग करने और केबिन में फंसे चालक तथा खलासी को बाहर निकालने की कोशिश की गई। हालांकि इंगोट के भारी वजन और दोनों ट्रेलरों के बुरी तरह फंस जाने के कारण रेस्क्यू टीम को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। करीब तीन घंटे से अधिक की मशक्कत के बावजूद जब दोनों शव को निकालना चुनौती बना रहा, तब गैस कटर की मदद से क्षतिग्रस्त केबिन को काटा गया।

इसके बाद चालक अजय पाल और खलासी को बाहर निकालकर सदर अस्पताल भेजा गया, लेकिन चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे के बाद चुट्टूपालू घाटी की एक लेन पूरी तरह ठप हो गई। घाटी में पहले से वन-वे यातायात व्यवस्था लागू होने के कारण दूसरी लेन से वाहनों का परिचालन कराया गया, लेकिन वाहनों का दबाव अधिक होने के कारण वहां भी जाम की स्थिति बन गई। रांची-रामगढ़ दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई।

समृद्धि फेस्टिव ऑफर में रंजीत ने जीती टाटा पंच, दो अन्य विजेताओं को भी मिली कार

देश प्राण संवाददाता



हजारीबाग : समृद्धि इंफ्रावर्क्स की ओर से आयोजित समृद्धि फेस्टिव ऑफर सेलिब्रेट मोर, विन बिग का भाग्यशाली विजेता चयन कार्यक्रम रविवार को स्थानीय रिबन्स एंड बेल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आकर्षक पुरस्कारों के विजेताओं के नाम घोषित किए गए। इस दौरान रंजीत कुमार वर्मा ने टाटा पंच, एकता कुमारी ने टाटा टियागो और सिद्धार्थ कुमार ने टाटा एरिस कार अपने नाम की।

वहीं, 10 ग्राहकों को चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटी जीतने का अवसर मिला। इसके अलावा एक भाग्यशाली विजेता को 50 हजार रुपये का कैरेटलेन उपहार वाउचर दिया जाना था। भाग्यशाली विजेताओं के नाम घोषित होते ही ग्राहकों में उत्साह देखने को मिला और फेस्टिव ऑफर के साथ जुड़ी खुशियां दोगुनी हो गईं। कार विजेताओं में रंजीत कुमार वर्मा ने टाटा पंच, एकता कुमारी ने टाटा टियागो और सिद्धार्थ कुमार ने टाटा एरिस कार जीती।

वहीं, चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटी के विजेताओं में कोमल जैन, आरती देवी, बॉबी सिंह, संजीत राणा, मनोज कुमार जैन, डॉ. शिम्पी कुमारी, अनीश सिंह, सूरज दीक्षित, संजीव कुमार, कांता देवी और मंजू देवी के नाम शामिल रहे। समृद्धि इंफ्रावर्क्स की ओर से 11 अक्टूबर से 11 नवंबर तक आयोजित इस उत्सवी ऑफर के तहत संपत्ति बुक कराने वाले ग्राहकों को भाग्यशाली विजेता चयन कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर दिया गया था। कंपनी की ओर से ग्राहकों के लिए आकर्षक उपहारों की घोषणा की गई थी, जिसे लेकर ग्राहकों में काफी उत्साह बना हुआ था।

राज प्रकाश अधिवक्ता ने बताया छठ तालाब स्थित चित्रगुप्त मंदिर का गौरवशाली इतिहास

देश प्राण संवाददाता



हजारीबाग : छठ तालाब स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि कायस्थ समाज की आस्था, एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। वर्ष 1987 में स्थापित इस मंदिर ने समय के साथ धार्मिक और सामाजिक पहचान बनाई है। इसके इतिहास में समाज के लोगों का समर्पण, सहयोग और भगवान श्री चित्रगुप्त के प्रति अटूट श्रद्धा जुड़ी हुई है।

मंदिर के गौरवशाली अतीत को जानने के लिए राज प्रकाश, अधिवक्ता के द्वारा बताई बातें विशेष महत्व रखती हैं। उनके अनुभव और स्मृतियां मंदिर की स्थापना से लेकर इसके विकास तक की यात्रा को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

वर्ष 1987 में जिस उद्देश्य और श्रद्धा के साथ मंदिर की स्थापना की गई थी, वह आज भी समाज के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यहां भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना के साथ चित्रगुप्त प्रकटोत्सव, वार्षिक पूजा और विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

मंदिर की पहचान केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है। यह समाज के लोगों को एक मंच पर जोड़ने, आपसी सहयोग बढ़ाने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से परिचित कराने का भी कार्य करता है। आज जरूरत है कि मंदिर के इतिहास, स्थापना से जुड़े लोगों के योगदान, पुरानी तस्वीरों और महत्वपूर्ण घटनाओं को व्यवस्थित रूप से संकलित किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी इस गौरवशाली विरासत से परिचित हो सकें।

चार सौ वर्ष पुराना नरसिंह स्थान मंदिर कल बनेगा श्रद्धालुओं का महासंगम

रितेश खण्डेलवाल, देश प्राण



हजारीबाग : भारतवर्ष अपनी प्राचीन धार्मिक परंपराओं, ऐतिहासिक मंदिरों और अटूट आस्था के लिए विश्वभर में जाना जाता है। झारखंड की धरती भी ऐसे अनेक धार्मिक स्थलों को समेटे हुए है, जहां सदियों से श्रद्धा, विश्वास और परंपरा का निर्वहन होता आ रहा है। इसी कड़ी में हजारीबाग शहर से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित ऐतिहासिक नरसिंह स्थान मंदिर विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

करीब चार सौ वर्ष पुराना यह मंदिर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस्था के विशाल केंद्र के रूप में उभरता है। कल कार्तिक पूर्णिमा पर यहां भव्य पारंपरिक मेले का आयोजन होगा, जिसमें हजारीबाग शहर, ग्रामीण क्षेत्रों सहित झारखंड और पड़ोसी राज्यों से पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। भगवान नरसिंह के दर्शन, पूजा-अर्चना, मनोकामना और धार्मिक अनुष्ठानों के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ेगा।

मंदिर की ऐतिहासिक मान्यता के अनुसार, लगभग चार सौ वर्ष पूर्व स्वर्गीय दामोदर मिश्र ने नेपाल से भगवान नरसिंह की प्रतिमा लाकर यहां स्थापित की थी। समय के साथ यह मंदिर क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल हो गया। वर्ष 1994 में वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय लंबोदर पाठक के प्रयास से मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया और पुनः प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। उनके सुपुत्र एवं परिवार के सदस्य आज भी कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर महाभोग वितरण की परंपरा को पूरी श्रद्धा के साथ निभा रहे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने अपने भक्त प्रह्लाद को हिरण्यकश्यप के अत्याचार से बचाने के लिए नरसिंह अवतार धारण किया था। इसी धार्मिक विश्वास और आस्था के साथ श्रद्धालु नरसिंह स्थान पहुंचकर भगवान की पूजा-अर्चना करते हैं तथा परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए प्रार्थना करते हैं।

मंदिर परिसर में सालभर शादी-विवाह, मुंडन, जनेऊ सहित अनेक मांगलिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, लेकिन कार्तिक पूर्णिमा का दिन इस स्थल के लिए विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर मंदिर परिसर को गेंदे के फूलों से सजाया जाता है और भगवान नरसिंह का विशेष श्रृंगार किया जाता है। मेले में ईख (कतारी) की खरीद-बिक्री प्रमुख आकर्षण रहती है। इसके अलावा सैकड़ों दुकानें सजती हैं, जहां खिलौने, मिठाइयां, झूले, घरेलू सामान, ग्रामीण हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की रौनक देखने को मिलती है।

छठ महापर्व पर सेवा और समर्पण की मिसाल, व्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण

हजारीबाग : लोकआस्था के महापर्व छठ के पावन अवसर पर हुरहुरू स्थित जोड़ुआ तालाब, वार्ड संख्या 35 में श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव का सुंदर संगम देखने को मिला। छठ व्रतियों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं आरोग्य की कामना की। इस अवसर पर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज पासवान की ओर से छठ व्रतियों के बीच दूध, अगरबत्ती, फल एवं पूजा की आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। उन्होंने व्रतियों के बीच पूजन सामग्री बांटकर महापर्व के दौरान सेवा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाया। इस पहल के माध्यम से श्रद्धालुओं की सेवा के साथ सामाजिक सहभागिता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया गया।

जेएससीए अंडर-14 जिला क्रिकेट टीम के लिए 29 नवंबर को होगा दस्तावेज सत्यापन

हजारीबाग : हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ की ओर से जेएससीए अंडर-14 जिला क्रिकेट टीम की चयन प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों का दस्तावेज सत्यापन 29 नवंबर, रविवार को सुबह 10 बजे संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम, हजारीबाग में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में संघ के सचिव बंटी तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि सत्यापन के लिए खिलाड़ियों की जन्म तिथि 1 सितंबर 2013 से 31 अगस्त 2015 के बीच निर्धारित की गई है। सत्यापन के दौरान खिलाड़ियों को डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र, पिछले तीन वर्षों की अंकपत्र, वर्तमान विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, माता-पिता का मतदाता पहचान पत्र, पीवीसी आधार कार्ड तथा आधार अद्यतन इतिहास प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि जन्म प्रमाण पत्र की पंजीकरण तिथि 31 अगस्त 2025 से पहले की होनी आवश्यक है। सभी खिलाड़ियों को निर्धारित समय पर अपने दस्तावेजों की मूल प्रति के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के ब्लड बैंक की एलिजा मशीन फिर खराब, जांच प्रभावित होने से मरीजों की बढ़ी परेशानी

✦ सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने ली सुध, अस्पताल प्रबंधन से जीवनरक्षा से जुड़े इस मामले के निस्तारण का किया आग्रह

देश प्राण संवाददाता



हजारीबाग : शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ब्लड बैंक में स्थापित नई एलिजा मशीन एक बार फिर खराब हो गई है। मशीन में आई तकनीकी खराबी के कारण रक्त की आवश्यक जांच प्रभावित होने की खबर से मरीजों और उनके परिजनों की चिंता बढ़ गई है। इसका असर केवल हजारीबाग ही नहीं, बल्कि चतरा, कोडरमा और गिरिडीह समेत आसपास के जिलों से आने वाले मरीजों पर भी पड़ रहा है।

खासकर नियमित रक्त चढ़ाने पर निर्भर थैलेसीमिया के मरीजों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका है। गौरतलब है कि बीते सितंबर महीने में मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ब्लड बैंक में संचालित एक एलिजा मशीन को जानबूझकर खराब किए जाने का मामला सामने आया था।

इसके बाद काफी प्रयास और मशक्कत के बाद नई एलिजा मशीन स्थापित कराई गई थी, ताकि रक्त की आवश्यक जांच निर्बाध रूप से संचालित हो सके। लेकिन अब नई मशीन के भी खराब हो जाने से अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

मशीन खराब होने की सूचना मिलने पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ब्लड बैंक पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। उन्होंने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. राजकिशोर एवं हॉस्पिटल मैनेजर आशुतोष झा से मुलाकात कर मरीजों की जीवनरक्षा से जुड़ी इस महत्वपूर्ण मशीन की तत्काल मरम्मत कराने का आग्रह किया।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से जल्द ही मशीन दुरुस्त कराने की दिशा में सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया गया। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने बताया कि इस गंभीर मामले से हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल को भी अवगत करा दिया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सांसद के संज्ञान में मामला आने के बाद अस्पताल प्रबंधन शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेगा और एलिजा मशीन को फिर से सुचारू रूप से चालू कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ब्लड बैंक की जांच व्यवस्था में किसी भी तरह की बाधा सीधे तौर पर जरूरतमंद मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी होती है। ऐसे में मशीन की खराबी को सामान्य तकनीकी समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मरीजों को परेशानी से बचाने के लिए मशीन की अविलंब मरम्मत और भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस व्यवस्था जरूरी है। जरूरतमंद मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उनका प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

कार्तिक पूर्णिमा मेले से पहले नरसिंह स्थान मंदिर में कमांडो बल ने चलाया स्वच्छता अभियान

✦मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सदस्यों ने किया श्रमदान, संचालक टुनटुन सिंह ने स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी बताया

देश प्राण संवाददाता

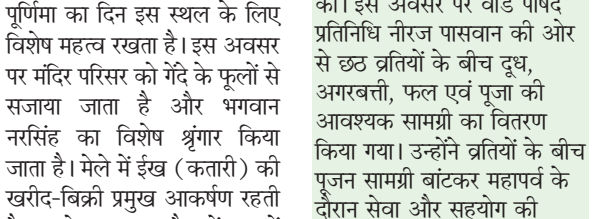

हजारीबाग : हजारीबाग टाउन से करीब पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित प्रसिद्ध नरसिंह स्थान मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाले भव्य मेले को लेकर कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स परिवार की ओर से रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। मेले में हजारीबाग जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान नृसिंह के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा और मंदिर परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से संगठन के सदस्यों ने श्रमदान कर साफ-सफाई की। अभियान के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में फैले कचरे को हटाया गया तथा मेले से पूर्व परिसर को स्वच्छ बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई गई। इस पहल के माध्यम से श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ वातावरण तैयार करने के साथ आम लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

कमांडो इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के संचालक टुनटुन सिंह ने कहा कि धार्मिक स्थल केवल आस्था के केंद्र ही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के महत्वपूर्ण स्थान भी हैं। इनकी स्वच्छता बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर नरसिंह स्थान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में मेले से पहले साफ-सफाई करना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि संगठन सेवा, सुरक्षा और स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए निरंतर सामाजिक कार्यों में भागीदारी निभाता रहा है और आगे भी समाजहित में इस तरह के अभियान जारी रखेगा। नरसिंह स्थान मंदिर में आयोजित होने वाला कार्तिक पूर्णिमा मेला क्षेत्र की धार्मिक आस्था और वर्षों पुरानी परंपरा का प्रतीक है। ऐसे आयोजन से पहले मंदिर परिसर की स्वच्छता श्रद्धालुओं, स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

क्वाड से शक्ति संतुलन

भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया, चार देशों का संगठन क्वाड, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सामरिक संतुलन, समुद्री सुरक्षा और तकनीकी सहयोग की एक प्रमुख धुरी हैं। यह मंच एकतरफा दावों के विरुद्ध नियम-आधारित व्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने का माध्यम माना जाता है। दक्षिण चीन सागर और हिंद-प्रशांत के समुद्री मार्गों पर बढ़ते तनाव के बीच क्वाड देशों का साझा जोर अंतरराष्ट्रीय नियमों के सम्मान, नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री डोमेन जागरूकता पर है। यह समूह छोटे देशों की सुरक्षा चिंताओं को सामूहिक स्वर देता है। इसके अलावा क्वाड का दायरा केवल पारंपरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्रिटिकल मिनरल्स, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा की सुरक्षित आपूर्ति श्रृंखला पर भी केंद्रित है। 2004 की सुनामी राहत से जुड़ी शुरुआत से आगे बढ़ते हुए क्वाड स्वास्थ्य, मानवीय सहायता और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में भी काम करता है।

वैश्विक विश्लेषकों के बीच यह चर्चा बनी रहती है कि क्वाड को केवल व्यापक क्षेत्रीय सहयोग के मंच के रूप में देखा जाए या शक्ति संतुलन के नए अक्ष के रूप में। हिंद-प्रशांत की बदलती सामरिक प्रतिस्पर्धा और व्यापारिक हितों के संदर्भ में इस संतुलन को अहम बताया जा रहा है। भारत के संदर्भ में क्वाड को बहुध्रुवीय विश्व और रणनीतिक स्वायत्तता के अनुरूप देखा जाता है, जहां द्विपक्षीय और क्षेत्रीय साझेदारियों को समानांतर रूप से मजबूत किया जा रहा है–जैसे हाल की भारत-जापान 2+2 वार्ता, जिसका उल्लेख प्रभास-क्षी में किया गया है।

हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है।

आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है। औषधियों, अर्धचालकों, दुर्लभ खनिजों, ऊर्जा और तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में विविधता लाना अब आर्थिक विवशता नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता बन गया है। क्वाड के सहयोग से भारत को निवेश, विनिर्माण, नई तकनीकों और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। इससे भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं बल्कि उत्पादन और नवाचार के विश्वसनीय केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायता मिलेगी।

फिर भी क्वाड की राह आसान नहीं है। चारों देशों के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक प्राथमिकताएं हमेशा एक जैसी नहीं होतीं। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्त्व देता है। वह किसी एक शक्ति के प्रभाव में अपनी निर्णय क्षमता सीमित नहीं करना चाहता। दूसरी ओर, चीन के प्रति सदस्य देशों के दृष्टिकोण में भी अंतर है। चीन के साथ आर्थिक संबंध, क्षेत्रीय व्यापार और कूटनीतिक आवश्यकताएं कई देशों को संतुलित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। यही कारण है कि क्वाड के भीतर साझा सहमति बनाना और उसे प्रभावी कार्रवाई में बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

दुनिया में युद्ध नहीं, संवाद से बनेगी शांति

सौरभ वार्ष्णेय



आज पूरी दुनिया युद्ध, आतंकवाद, क्षेत्रीय संघर्ष, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक तनाव के दौर से गुजर रही है। कहीं सीमाओं को लेकर विवाद है तो कहीं धार्मिक और वैचारिक मतभेद हिंसा का रूप ले रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के तनाव तक, दुनिया के सामने शांति और स्थिरता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे समय में भारत की राजधानी नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन एससीओ के पहले सभ्यतागत संवाद मंच का आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति को एक नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक पुराना किला में इस मंच का उद्घाटन करना भारत की उस सभ्यतागत सोच को रेखांकित करता है, जिसमें युद्ध के बजाय संवाद, टकराव के बजाय सहयोग और वर्चस्व के बजाय सह-अस्तित्व को प्राथमिकता दी गई है।

आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व और ऐसे मंचों की जरूरत है जो मतभेदों को दुश्मनी में बदलने के बजाय समाधान का रास्ता खोजें। भारत को अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक कूटनीतिक क्षमता के आधार पर इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि जब दुनिया में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, तब सभ्यताओं के बीच संवाद की पहल बेहद महत्वपूर्ण है। वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सांस्कृतिक जुड़ाव है। यह विचार आज के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में विशेष महत्व रखता है। दुनिया ने बार-बार देखा है कि केवल सैन्य शक्ति, हथियारों का विस्तार और आर्थिक प्रतिबंध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते। युद्ध किसी एक देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और मानवीय जीवन पर पड़ता है। ऐसे में शांति की तलाश केवल राजनीतिक समझौतों से नहीं, बल्कि समाजों और सभ्यताओं के बीच विश्वास पैदा करने से भी संभव है।

भारत की सभ्यतागत विरासत इस दिशा में उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हजारों वर्षों से भारत ने विविधता को संघर्ष का नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व का आधार बनाया है। यहां अलग-अलग भाषाएं, धर्म, संस्कृतियां, परंपराएं और जीवन पद्धतियां एक साथ विकसित हुई हैं। भारतीय दर्शन का मूल संदेश ही वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है। यह विचार केवल आदर्शवादी नारा नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की एक व्यापक अवधारणा है। भारत की यही सोच उसे वैश्विक मंचों पर संवाद और सहयोग का समर्थक बनाती है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में लगभग पांच हजार वर्ष पुराने सिंधु घाटी और मेसोपोटामिया के व्यापारिक संबंधों का उल्लेख कर यह याद दिलाया कि सभ्यताओं का विकास कभी अलग-थलग रहकर नहीं हुआ। प्राचीन व्यापार मार्गों ने भारत, चीन, मध्य एशिया और यूरेशिया के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ा था। इन मार्गों से केवल वस्तुओं का व्यापार नहीं होता था, बल्कि विचारों, भाषाओं, कलाओं, ज्ञान और परंपराओं का भी आदान-प्रदान होता था। यही सांस्कृतिक संपर्क मानव सभ्यता को समृद्ध बनाता रहा। इतिहास का यह उदाहरण आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक दुनिया में तकनीक और परिवहन ने भौगोलिक दूरियां कम कर दी हैं, लेकिन मानसिक और वैचारिक दूरियां अब भी बनी हुई हैं। इन्हें समाप्त करने के लिए ऐसे मंचों की आवश्यकता है जहां देश एक-दूसरे की संस्कृति और संवेदनाओं को समझ सकें।

एससीओ लंबे समय से सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय संपर्क जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। लेकिन बदलते वैश्विक हालात में इस संगठन की भूमिका केवल सामरिक और आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसके सदस्य देशों के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों की लंबी परंपरा रही है। भारत, चीन, रूस, मध्य एशियाई देशों और अन्य सदस्य राष्ट्रों के बीच प्राचीन काल से संपर्क और आदान-प्रदान के अनेक उदाहरण मौजूद हैं। यदि इन साझा विरासतों को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया जाए तो क्षेत्रीय विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सभ्यतागत संवाद मंच इसी दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

इस आयोजन में पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मलिक की भागीदारी भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत और पाकिस्तान के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। आतंकवाद, सीमा विवाद और राजनीतिक अविश्वास ने दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों की संभावनाओं को प्रभावित किया है। ऐसे माहौल में किसी बहुपक्षीय मंच पर दोनों देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी यह संदेश देती है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां संवाद और सहभागिता के रास्ते खुले रखे जाने चाहिए। हालांकि यह स्पष्ट रहना चाहिए कि सांस्कृतिक संवाद का अर्थ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों की अनदेखी करना नहीं है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख और शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जिम्मेदार विदेश नीति के दो आवश्यक पक्ष हैं।

20 से 22 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय मंच में एससीओ के सदस्य देशों के साथ पर्यवेक्षक और संवाद सहयोगी देशों की भागीदारी भी इसकी व्यापकता को दर्शाती है। भारतीय पुरातात्विक, कलात्मक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी तथा 18वीं सदी की महाभारत चित्रित पांडुलिपि भारतीय संस्कृति की गहराई और रचनात्मक समृद्धि को सामने लाती है। कला, संगीत, भाषा, साहित्य, वास्तुकला और दर्शन पर होने वाले विशेष सत्र इस बात का प्रमाण हैं कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृतियों का संग्रह नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाली जीवंत शक्ति है।

हालांकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच की सफलता केवल उद्घाटन समारोह, भाषणों और सांस्कृतिक प्रदर्शनियों से तय नहीं होती। उसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उससे निकलने वाले विचार व्यवहार में कितने उतरते हैं। क्या सदस्य देश सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्थायी कार्यक्रम शुरू करेंगे? क्या विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, कलाकारों और युवाओं को एक-दूसरे के देशों में जाने के अधिक अवसर मिलेंगे? क्या ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, पर्यटन, शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाएं विकसित होंगी? इन सवालों के जवाब ही इस पहल की दीर्घकालिक उपयोगिता तय करेंगे।

आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व और ऐसे मंचों की जरूरत है जो मतभेदों को दुश्मनी में बदलने के बजाय समाधान का रास्ता खोजें। भारत को अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक कूटनीतिक क्षमता के आधार पर इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि सभ्यताओं के संवाद को किसी एक देश की श्रेष्ठता स्थापित करने का माध्यम न बनाया जाए, बल्कि सभी संस्कृतियों के सम्मान और समान भागीदारी का आधार बनाया जाए।

निस्संदेह, हथियारों की होड़ से दुनिया सुरक्षित नहीं हो सकती और न ही युद्ध किसी सभ्यता को स्थायी विजय दिला सकता है। स्थायी शांति तभी संभव है जब देशों के बीच विश्वास हो, समाजों के बीच सम्मान हो और विचारों के आदान प्रदान के रास्ते खुले हों। नई दिल्ली में आयोजित एससीओ का पहला सभ्यतागत संवाद मंच इसी उम्मीद का प्रतीक है। भारत की पहल यदि ठोस सहयोग, सांस्कृतिक साझेदारी और आपसी विश्वास में परिवर्तित होती है तो यह केवल एससीओ ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए शांति का नया रास्ता खोल सकती है। दुनिया को युद्ध की भाषा नहीं, संवाद की संस्कृति चाहिए, क्योंकि मानवता का भविष्य हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि आपसी समझ और सहयोग से सुरक्षित होगा।

अमेरिकी महाशक्ति का अहंकार और व्यवस्था की दरारें!

गौतम चौधरी



भारतीय धार्मिक परंपरा में राजा बलि और वामन की एक प्रसिद्ध कथा है। राजा बलि शक्तिशाली, उदार, प्रजावत्सल और प्रतिष्ठित शासक थे। उनकी लोकप्रियता और सामर्थ्य का विस्तार इतना अधिक था कि देवताओं को भी अपना स्थान असुरक्षित लगने लगा। पुराणों में इस कथा का धार्मिक और दार्शनिक अर्थ अलग-अलग रूपों में मिलता है। इसकी एक व्याख्या यह भी है कि सत्ता और विस्तार की आकांक्षा जब मर्यादा तथा प्रकृति के संतुलन से ऊपर हो जाती है तो अपार सामर्थ्य भी व्यक्ति की सीमा बन जाता है। अंततः राजा बलि को वामन के तीन पगों के सामने अपना सर्वस्व समर्पित करना पड़ा।

आज अमेरिका की वैश्विक भूमिका पर विचार करते हुए यह कथा एक रूपक के रूप में प्रासंगिक दिखाई देती है। अमेरिका आधुनिक पूंजीवादी व्यवस्था का सबसे प्रभावशाली केंद्र है। आर्थिक शक्ति, सैन्य सामर्थ्य, तकनीकी नवाचार और वैश्विक वित्तीय संस्थानों पर उसका प्रभाव उसे विशिष्ट स्थान प्रदान करता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उसने स्वयं को केवल एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र, स्वतंत्रता, मानवाधिकार और उदारवादी विश्व व्यवस्था के संरक्षक के रूप में भी स्थापित किया। अब्राहम लिंकन से लेकर थियोडोर रूजवेल्ट तक अमेरिकी राजनीतिक इतिहास के अनेक नेताओं ने लोकतांत्रिक आदर्शों और राष्ट्रीय संस्थाओं की प्रतिष्ठा को वैश्विक विमर्श का हिस्सा बनाया। हालांकि अमेरिकी इतिहास में इन आदर्शों और व्यवहार के बीच विरोधाभास भी हमेशा मौजूद रहे हैं।

शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद अमेरिका का प्रभाव और व्यापक हुआ। उदारवादी लोकतंत्र, मुक्त बाजार, वैश्वीकरण और तकनीकी आधुनिकता को दुनिया के सामने विकास के प्रमुख प्रतिमान के रूप में प्रस्तुत किया गया। अमेरिका इस व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभार्थी भी बना और उसका सबसे प्रभावशाली प्रवक्ता भी। समस्या तब शुरू होती है जब कोई महाशक्ति अपनी सामर्थ्य को अंतरराष्ट्रीय नियमों से ऊपर समझने लगती है। शक्ति का उद्देश्य व्यवस्था को सुरक्षित करना होना चाहिए, न कि अपनी इच्छा के अनुरूप व्यवस्था को बदल देना।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को 3 जनवरी, 2026 को अमेरिकी सैन्य अभियान के माध्यम से गिरफ्तार करके न्यूयॉर्क ले जाना इसी अंतर्विरोध का एक बड़ा उदाहरण है। अमेरिका ने उनके विरुद्ध मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गंभीर आपराधिक आरोपों को आधार बनाया है। इन आरोपों की न्यायिक जांच अपनी जगह है, लेकिन किसी संप्रभु देश के राष्ट्राध्यक्ष को सैन्य अभियान के माध्यम से उठाकर दूसरे देश की अदालत में पेश करना अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और राष्ट्राध्यक्षों की प्रतिरक्षा से जुड़े गंभीर प्रश्न खड़े करता है। इसी प्रकार ईरान के विरुद्ध फरवरी 2026 से शुरू हुए अमेरिकी और इजरायली सैन्य हमलों तथा उसके बाद जारी सैन्य कार्रवाइयों ने पश्चिम एशिया को अस्थिर किया है। अमेरिका इन्हें अपनी सुरक्षा और आत्मरक्षा के आधार पर उचित ठहराता रहा है, लेकिन इनकी वैधता और औचित्य पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर मतभेद हैं। 17 नवंबर को ईरान के केश्म द्वीप पर अमेरिकी हमले की खबर ने इस तनाव को फिर सामने ला दिया है।

इन घटनाओं का एक पक्ष अमेरिकी विदेश नीति की आक्रामकता है तो दूसरा पक्ष उसकी अपनी व्यवस्था के भीतर दिखाई देने वाली कमजोरियां हैं। 13 नवंबर, 2026 को अमेरिका की विमानन व्यवस्था में आई तकनीकी गड़बड़ी इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) को देशव्यापी उड़ान रोकने का निर्णय लेना पड़ा। संचार और रडार नेटवर्क में अस्थिरता के कारण 22 में से 17 एयर रूट ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर प्रभावित हुए। पुराने संचार उपकरणों को आधुनिक फाइबर नेटवर्क से जोड़ने के दौरान पैदा हुई तकनीकी समस्या ने देशभर के विमान परिचालन को प्रभावित किया। शुक्रवार को लगभग 12,462 उड़ानें रद्द हुईं। यह राहत की बात रही कि सभी विमान सुरक्षित उतारे गए और किसी यात्री की जान नहीं गई। फिर भी दुनिया की सबसे विकसित विमानन व्यवस्था में पुरानी तकनीक और आधुनिकीकरण की कमजोरियां उजागर होना सामान्य घटना नहीं है।

राजा बलि की कथा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि शक्ति की भी एक मर्यादा होती है। जो सत्ता स्वयं को प्रकृति, समाज और नैतिक नियमों से ऊपर समझने लगती है, उसके सामने अंततः उसकी अपनी सीमाएं खड़ी हो जाती हैं। अमेरिका के सामने भी आज यही चुनौती है।

इसके तीन दिन बाद, 16 नवंबर को अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन चेस के आंतरिक हार्डवेयर सिस्टम में सॉफ्टवेयर संबंधी गड़बड़ी सामने आई। इससे कुछ ग्राहकों के लेनदेन में देरी हुई और चेस के माध्यम से होने वाले कुछ भुगतान दूसरे वित्तीय संस्थानों को भी प्रभावित करने लगे। बैंक ने साइबर हमले की आशंका से इनकार किया और इसे प्रणालीगत संकट नहीं माना। इसलिए इसे अमेरिकी बैंकिंग व्यवस्था का पतन कहना उचित नहीं होगा। फिर भी यह घटना बताती है कि आधुनिक वित्तीय व्यवस्था की परस्पर निर्भरता कितनी संवेदनशील हो सकती है।

इन दोनों घटनाओं को अलग-अलग तकनीकी दुर्घटनाओं के रूप में देखा जा सकता है, लेकिन एक ही सप्ताह में विमानन और बैंकिंग जैसी दो महत्त्वपूर्ण व्यवस्थाओं में व्यवधान अमेरिकी आधारभूत ढांचे की विश्वसनीयता पर प्रश्न अवश्य खड़े करता है। विशेषकर तब, जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था अपनी तकनीकी श्रेष्ठता और संस्थागत दक्षता के आधार पर दुनिया को विकास का रास्ता दिखाने का दावा करती है।

यहां सवाल केवल अमेरिका की तकनीकी क्षमता का नहीं है। असली सवाल उसके राजनीतिक दर्शन और वैश्विक आचरण का है। लोकतंत्र का संरक्षक होने का दावा करने वाला देश यदि दूसरे देशों की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय नियमों के प्रति सुविधानुसार दृष्टिकोण अपनाता है तो उसकी नैतिक विश्वसनीयता प्रभावित होती है। आर्थिक शक्ति और सैन्य वर्चस्व किसी देश को प्रभावशाली तो बना सकते हैं, लेकिन सम्मान अर्जित करने के लिए उससे अधिक की आवश्यकता होती है। सम्मान का आधार न्याय, संयम, विश्वसनीयता और अपने घोषित मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता है।

अमेरिका का पतन शुरू हो चुका है, ऐसा निष्कर्ष निकालना अभी जल्दबाजी होगी। उसकी अर्थव्यवस्था, डॉलर की अंतरराष्ट्रीय भूमिका, तकनीकी क्षमता और संस्थागत शक्ति अब भी अत्यंत प्रभावशाली हैं। मगर यह भी सच है कि किसी महाशक्ति का संकट हमेशा उसके आर्थिक आंकड़ों में दिखाई नहीं देता। कभी-कभी संकट उसकी नीतियों, संस्थाओं और नैतिक नेतृत्व के प्रति दुनिया के बदलते दृष्टिकोण में पहले दिखाई देने लगता है।

राजा बलि की कथा का सबसे बड़ा संदेश यही है कि शक्ति की भी एक मर्यादा होती है। जो सत्ता स्वयं को प्रकृति, समाज और नैतिक नियमों से ऊपर समझने लगती है, उसके सामने अंततः उसकी अपनी सीमाएं खड़ी हो जाती हैं। अमेरिका के सामने भी आज यही चुनौती है। उसे तय करना होगा कि वह दुनिया का नेतृत्व अपनी शक्ति के बल पर करना चाहता है या अपने आदर्शों और विश्वसनीयता के आधार पर। महाशक्ति होना और विश्वसनीय महाशक्ति होना दो अलग-अलग बातें हैं। अमेरिका की असली परीक्षा अब इसी अंतर में छिपी है।

आत्मबोध

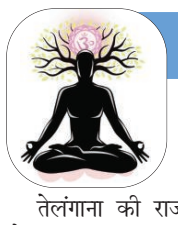

येल्लम्मा पोचम्मा मंदिर

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के बालकम्पेट इलाके में स्थित श्रीयेल्लम्मा पोचम्मा मंदिर आस्था और रहस्य का अनूठा संगम है। 15वीं शताब्दी से जुड़े इस प्राचीन मंदिर में देवी येल्लम्मा को जल दुर्गा के रूप में पूजा जाता है, मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां माता की प्रतिमा के नीचे से एक प्राकृतिक जलधारा लगातार बहती रहती है, जो भीषण गर्मी में भी कभी नहीं सूखती। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, सदियों पहले एक किसान अपने खेत में कुआं खोद रहा था। खुदाई के दौरान जमीन से लगभग 10 फीट नीचे उसका फावड़ा एक कठोर शिला से टकराया। जब ग्रामीणों ने मिट्टी हटाकर देखा, तो वहां शिला पर देवी येल्लम्मा की आकृति उभरी हुई थी। लोगों ने प्रतिमा को बाहर निकालने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह अपनी जगह से टस से मस नहीं हुई।

उसी समय शिला के नीचे से जल की एक धारा फूट पड़ी, इसे दैवीय चमत्कार मानते हुए भक्तों ने उसी स्थान पर मंदिर का निर्माण कराया। बाद में वर्ष 1919 में इस मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार किया। दक्षिण भारतीय द्रविड़ वास्तुकला शैली में बने इस मंदिर का मुख्य द्वार बेहद आकर्षक है। स्थानीय जानकार बताते हैं कि भक्तों को माता के दर्शन के लिए सीढ़ियां उतरकर जमीन से 10 फीट नीचे गर्भगृह में जाना पड़ता है. यहां देवी शयन मुद्रा में विराजमान हैं और प्रतिमा का निचला हिस्सा हमेशा पानी में डूबा रहता है। गर्भगृह से निकलने वाले इस जल को तीर्थम के रूप में भक्तों को दिया जाता है। श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है कि इस जल में औषधीय गुण हैं और इसके सेवन व स्नान से त्वचा संबंधी रोग तथा अन्य शारीरिक कष्ट दूर हो जाते हैं। मंदिर परिसर में एक अखंड ज्योति 24 घंटे प्रज्वलित रहती है, मुख्य मंदिर के दक्षिण में क्षेत्रपाल के रूप में देवी पोचम्मा का स्थान है जिसके कारण इसे श्री येल्लम्मा पोचम्मा देवस्थानम कहा जाता है। आषाढ़ मास में होने वाला येल्लम्मा कल्याणोत्सवम और तेलंगाना का राजकीय पर्व बोनालू यहां के सबसे बड़े उत्सव हैं। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सिर पर बोनम रखकर माता को अर्पित करते हैं. मंगलवार, शुक्रवार और रविवार को यहां विशेष पूजा होती है।



लो सुनो ...



मैंने देशवासियों से आग्रह किया था कि अगर बहुत जरूरी न हो, तो एक साल तक सोना न खरीदें। जैसे लाल बहादुर शास्त्री जी ने देशवासियों से एक समय का भोजन छोड़ने के लिए कहा था और पूरे देश ने उनकी बात मानी थी, वैसे ही मेरे देश के लोगों में आज भी वही चरित्र है।

नरेन्द्र मोदी (प्रधानमंत्री)

कुछ खास ...

संसद में शादी प्रोपोजल

ऑस्ट्रेलिया में एक सांसद ने संसद के सदन के भीतर अपनी गर्लफ्रेंड को शादी के लिए प्रपोज कर सबको हैरान कर दिया। न्यू साउथ वेल्स की संसद में विदाई भाषण दे रहे लिबरल पार्टी के सांसद जॉर्डन लेन ने अपने संबोधन के दौरान अचानक सगाई की अंगूठी निकाली और दर्शक दीर्घा में बैठी अपनी प्रेमिका नताली से शादी के लिए पूछा। उन्होंने सदन में मौजूद सभी लोगों के सामने कहा, क्या तुम मुझसे शादी करोगी? इस अनोखे अंदाज में किए गए प्रपोजल को देखकर सदन में मौजूद सांसदों और अन्य लोगों ने तालियां बजाकर खुशी जताई। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। खास बात यह है कि जॉर्डन और नताली पिछले 10 साल से अधिक समय से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में हैं। 32 वर्षीय जॉर्डन लेन पहली बार लिबरल पार्टी के टिकट पर सांसद बने थे। उन्होंने 6 नवंबर को राज्य की राजनीति छोड़ने के अपने फैसले का ऐलान किया था। उन्होंने बताया कि राइड क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए राजनीति में बिताए गए समय का उनके निजी जीवन पर काफी असर पड़ा है। मार्च में होने वाले चुनाव के साथ ही वह राज्य की राजनीति से विदाई लेने वाले हैं।

डिजिटल दुनिया



एआई के जरिए सरकारी संस्थानों में पैसों की चोरी

भारत की साइबर सुरक्षा एजेंसी सर्ट-इन ने चेतावनी दी है कि हैकर्स अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सरकारी संस्थानों और वित्तीय कंपनियों से पैसे चुरा रहे हैं। 20 नवंबर को जारी एडवाइजरी के मुताबिक, ऐसे हमलों में सरकारी भुगतान व्यवस्था और दूसरी कंपनियों के वेंडर या पार्टनर को भुगतान करने वाले प्लेटफॉर्म भी निशाने पर हैं। एजेंसी ने कहा कि यह खतरा अब बैंकिंग क्षेत्र तक सीमित नहीं रह गया है।

एजेंसी के मुताबिक, साइबर अपराधी अब केवल भुगतान से जुड़े एपीआई पर हमला नहीं कर रहे, बल्कि उन रिकॉर्ड और मंजूरी की प्रक्रियाओं में बदलाव कर रहे हैं, जिनके आधार पर पैसा भेजा जाता है। इससे भुगतान सामान्य प्रक्रिया के तहत पूरा होता दिखाई देता है और कंपनियों को तुरंत गड़बड़ी का पता नहीं चलता। एजेंसी ने बताया कि ऐसे हमलों में भरोसेमंद सिस्टम का इस्तेमाल करके अनधिकृत तरीके से रकम निकाली जा रही है।

एजेंसी ने सरकारी विभागों, कंपनियों, सेवा प्रदाताओं और शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाने वाले एआई आधारित हमलों की भी जानकारी दी है। इनमें ऑटोमेटेड एआई एजेंट पहले इंटरनेट से जुड़े कमजोर सिस्टम खोजते हैं और फिर उनमें सेंध लगाने की कोशिश करते हैं। ऐसे कई एजेंट एक साथ काम कर सकते हैं, जिससे हमले तेजी से होते हैं। एजेंसी के मुताबिक, इससे साइबर अपराधियों का मैनुअल काम कम होता है और हमले की रफ्तार बढ़ जाती है।

एजेंसी ने सरकारी विभागों और कंपनियों को भुगतान से जुड़े खातों और संवेदनशील जानकारियों तक पहुंच रखने वाले लोगों की जांच करने को कहा है। एजेंसी ने भुगतान के निर्देशों और कारोबारी रिकॉर्ड का स्वतंत्र स्रोतों से मिलान करने की सलाह दी है।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या : 52413/1991 (टाइटल कोड : JHAHIN00860),पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या : RN/260/2020-22. अध्यक्ष व प्रधान संपादक: बलबीर दत्त. दत आउटरीच प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक रोहित दत्त* द्वारा 4/A, तारा टावर, होटल महाराजा के सामने, रेडियम रोड, कचहरी चौक, रांची – 834001 से प्रकाशित तथा एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, टेंडर बगीचा के समीप, काठीटांड़, रातू, रांची – 835222 से मुद्रित. फोन नंबर: 0651 2361181, 0651 2361182. ईमेल: contact@deshpran.in (*पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार).

सोशल मीडिया के दौर में साहित्य का बदलता स्वरूप

अभिव्यक्ति

विवेत रंजन श्रीवास्तव

हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहाँ रफ्तार जीवन का स्वभाव बन गई है और धैर्य धीरे-धीरे दुर्लभ होता जा रहा है। सूचना से प्रतिक्रिया तक, सम्वाद से निर्णय तक और अभिव्यक्ति से प्रसिद्धि तक, हर चीज तत्काल चाहिए। डिजिटल तकनीक ने हमारी जीवनशैली ही नहीं बदली, हमारी सोचने, पढ़ने और लिखने की आदतों को भी प्रभावित किया है। साहित्य भी इस परिवर्तन से अछूता कैसे रह सकता है? आखिर साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब है और समाज साहित्य का उपजीव्य। दोनों परस्पर सापेक्ष हैं। जब समाज की रुचियाँ, आवश्यकताएँ और संप्रेषण के माध्यम बदलते हैं तो साहित्य के स्वरूप, विषय और अभिव्यक्ति की विधाएँ भी बदलती हैं।

आज सोशल मीडिया साहित्य के इस बदलते परिदृश्य का सबसे प्रभावशाली मंच बनकर उभरा है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और दूसरे डिजिटल माध्यमों ने लेखन और पाठन की दुनिया में एक नई हलचल पैदा की है। अब साहित्य के लिए पत्रिकाओं के सम्पादकीय चयन, प्रकाशकों की स्वीकृति और पुस्तकों के प्रकाशन की प्रतीक्षा अनिवार्य नहीं रही। लेखक अपनी रचना स्वयं प्रकाशित कर सकता है और कुछ ही क्षणों में उसे देश विदेश के पाठकों तक पहुँचा सकता है। अभिव्यक्ति का यह लोकतन्त्रीकरण साहित्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अनेक नए रचनाकारों को मंच मिला है, क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों को नई पहचान मिली है और पाठकों का एक ऐसा वर्ग तैयार हुआ है, जो शायद पारम्परिक साहित्यिक माध्यमों तक कभी नहीं पहुँच पाता।

इस परिवर्तन का एक दिलचस्प पक्ष साहित्यिक विधाओं की लोकप्रियता में दिखाई देता है। आज लघुकथा खूब पढ़ी जा रही है। छोटी कविताएँ, मुक्तक, दोहे, हाइकु, क्षणिकाएँ और कुछ पंक्तियों में भाव व्यक्त करने वाली रचनाएँ सोशल मीडिया पर विशेष स्थान बना रही हैं। फिलर मैटर यानी सीमित स्थान में प्रकाशित की जा सकने वाली छोटी साहित्यिक-सामग्री की माँग भी बढ़ी है। समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं और डिजिटल मंचों को भी ऐसी सामग्री चाहिए, जो कम जगह में पाठक का ध्यान आकर्षित कर सके। यह केवल पाठक की पसन्द का परिणाम नहीं, बल्कि बदलते मीडिया प्रारूप और उपलब्ध समय का भी प्रभाव है।



लघुकथा की लोकप्रियता का अपना तार्किक आधार है। जीवन की व्यस्तता में पाठक ऐसी रचना चाहता है, जिसे कम समय में पढ़ा जा सके, लेकिन जो पढ़ने के बाद देर तक उसके मन में बनी रहे। एक अच्छी लघुकथा अपने सीमित कलेवर में जीवन की बड़ी विसंगति, मानवीय सम्वेदना या सामाजिक विडम्बना को उजागर कर सकती है। इसी तरह छोटी कविता भी कुछ शब्दों में किसी गहरे अनुभव को अभिव्यक्त करने की क्षमता रखती है। कबीर के दोहे इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। उनकी संक्षिप्तता कभी उनकी सीमा नहीं बनी, बल्कि वही उनकी शक्ति है।

इसलिए साहित्य में लघुता को साहित्यिक संकुचन मान लेना उचित नहीं होगा। समस्या तब पैदा होती है, जब संक्षिप्तता रचना की कलात्मक आवश्यकता न होकर पाठक की घटती एकाग्रता के दबाव का परिणाम बन जाती है। कम शब्दों में अधिक अर्थ कहना रचनात्मक कौशल है, लेकिन विचार को विकसित होने से पहले ही रोक देना दूसरी बात। कुछ रचनाएँ स्वभावतः छोटी होती हैं, जबकि कुछ विषय विस्तार, विश्लेषण और सन्दर्भ की माँग करते हैं। हर विषय को कुछ पंक्तियों में समेट देने की प्रवृत्ति साहित्य के लिए स्वस्थ संकेत नहीं है।

ख्यात कथाकार आलोक यात्री का यह सूक्त इसी सन्दर्भ में विचारणीय है कि सोशल मीडिया साहित्य को बोन्साई बना रहा है। बोन्साई में विशाल वृक्ष को एक छोटे पात्र में कलात्मक ढंग से विकसित किया जाता है। वह सुन्दर तो होता है, लेकिन अपने स्वाभाविक विस्तार से वंचित रहता है। साहित्य के सन्दर्भ में यह रूपक तब सार्थक हो उठता है, जब हम किसी बड़े विचार को केवल इस कारण छोटा करने लगें कि पाठक लम्बा पढ़ना नहीं चाहता। हालाँकि हर छोटी रचना बोन्साई नहीं है। साहित्य की वास्तविक चुनौती अपने कथ्य के अनुरूप आकार और अभिव्यक्ति चुनने में है।

सोशल मीडिया ने साहित्य को एक नया पाठक वर्ग दिया है, लेकिन साथ ही पाठकीय व्यवहार भी बदला है। पाठक अब एक ही मंच पर कविता, समाचार, वीडियो, विज्ञापन, मनोरंजन और विचार सब कुछ देखता है। उसका ध्यान अनेक दिशाओं में बँटा हुआ है। वह किसी पोस्ट पर कुछ क्षण रुकता है और फिर अगली सामग्री की ओर बढ़ जाता है। इस परिस्थिति में लेखक के सामने पाठक को आकर्षित करने की चुनौती है। रचना का आरम्भ प्रभावशाली हो, भाषा सरल हो, कथ्य में नवीनता हो और आकार ऐसा हो कि पाठक उसे पूरा पढ़ सके। यह अपेक्षा अनुचित नहीं है, लेकिन जब लेखक अपनी अभिव्यक्ति को केवल लाइक, कमेंट और शेयर की सम्भावनाओं के आधार पर गढ़ने लगता है, तब साहित्य की स्वायत्तता प्रभावित होती है।

एक और परिवर्तन रचनाकार और पाठक के सम्बन्धों में आया है। पहले रचना के प्रकाशन और उस पर प्रतिक्रिया के बीच पर्याप्त समय होता था। सम्पादक की टिप्पणी, समीक्षकों का मूल्यांकन और पाठकों के पत्र लेखक को आत्ममन्थन का अवसर देते थे। अब रचना प्रकाशित होते ही प्रतिक्रियाएँ आने लगती हैं। लेखक तत्काल जान सकता है कि उसकी रचना कितने लोगों तक पहुँची, कितने लोगों ने पसन्द किया और कितनों ने टिप्पणी की। यह सम्वाद की दृष्टि से उपयोगी है, लेकिन लोकप्रियता और साहित्यिक गुणवत्ता के बीच भ्रम पैदा करने की आशंका भी है। लाइक की संख्या रचना की श्रेष्ठता का प्रमाण नहीं होती। कभी गम्भीर रचना कम पढ़ी जाती है और सामान्य मनोरंजक सामग्री हजारों लोगों तक पहुँच जाती है।

सोशल मीडिया पर तात्कालिक विषयों का आकर्षण भी बढ़ा है। कोई घटना घटती है और उस पर तुरन्त कविताएँ, व्यंग्य, टिप्पणियाँ और लघुकथाएँ सामने आने लगती हैं। यह समकालीनता का सकारात्मक पक्ष है। साहित्य अपने समय से सम्वाद करे, यह आवश्यक है लेकिन घटना की तात्कालिक प्रतिक्रिया और साहित्यिक सृजन में अन्तर होता है। प्रतिक्रिया में आवेग प्रधान हो सकता है, जबकि रचना के लिए अनुभव, विचार, सम्वेदना और परिपक्वता चाहिए। समाचार घटना का विवरण देता है, साहित्य उस घटना के पीछे छिपे मनुष्य और उसके अन्तर्विरोधों को तलाशता है। यह तलाश समय मांगती है।

इसका अर्थ यह नहीं कि सोशल मीडिया साहित्य के लिए कोई संकट मात्र है। इसी मंच ने साहित्यिक समूहों, ऑनलाइन काव्य गोष्ठियों, पुस्तक चर्चाओं और नए लेखकों के सम्वाद को विस्तार दिया है। दूरदराज के रचनाकार एक दूसरे से जुड़ रहे हैं। पुस्तकों की जानकारी, साहित्यिक आयोजनों की खबरें और नई रचनाओं की चर्चा व्यापक स्तर पर सम्भव हुई है। डिजिटल मंचों ने साहित्य के प्रचार-प्रसार की संभावनाएँ बढ़ाई हैं। कई बार सोशल मीडिया पर किसी छोटी कविता या लघुकथा से प्रभावित होकर पाठक पूरी पुस्तक खरीदने और पढ़ने की ओर प्रेरित होता है। इस दृष्टि से सोशल मीडिया साहित्य का विकल्प नहीं, उसका एक नया प्रवेश द्वार भी है।

प्रश्न अन्ततः माध्यम का नहीं, उसके उपयोग का है। लेखक को यह तय करना होगा कि वह सोशल मीडिया का उपयोग अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के विस्तार के लिए कर रहा है या उसकी लोकप्रियता की शर्तों के अनुसार स्वयं को ढाल रहा है। उसे पाठक की रुचि का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन अपनी दृष्टि और विचार की स्वतंत्रता भी बचाए रखनी चाहिए। पाठक को भी छोटी और बड़ी, दोनों तरह की रचनाओं के लिए अपने भीतर स्थान बनाना होगा।

साहित्य समय के साथ बदलता रहा है और आगे भी बदलेगा। नई विधाएँ आएँगी, पुरानी विधाओं के स्वरूप बदलेंगे और अभिव्यक्ति के नए माध्यम विकसित होंगे। यह परिवर्तन स्वाभाविक है। लेकिन साहित्य की मूल शक्ति उसकी सम्वेदना, विचार की गहराई और जीवन को देखने की दृष्टि में निहित है। तकनीक इन गुणों को अभिव्यक्त करने में सहायक हो सकती है, उनका स्थान नहीं ले सकती।

सोशल मीडिया की रफ्तार के बीच साहित्य को अपनी गति और अपना धैर्य स्वयं निर्धारित करना होगा। उसे कुछ पंक्तियों में भी चमत्कार रचने की स्वतंत्रता हो और हजार पृष्ठों में जीवन का महाकाव्य रचने का अवकाश भी। आखिर साहित्य का उद्देश्य केवल पाठक का ध्यान खींचना नहीं, उसका ध्यान किसी सार्थक विचार पर ठहराना भी है। लोकप्रियता उसे पाठकों तक पहुँचा सकती है, लेकिन कालजयी होने के लिए उसे समय की कसौटी पर खरा उतरना होगा।

बाल कथा

ए.पी. भारती

सामान्य ज्ञान का महत्त्व



बहुत पुरानी बात है। सैकड़ों साल पहले कौशाम्बी नाम का एक राज्य था। उसकी राजधानी कौशाम्बी नामक नगर में थी। उसी नगर में देवधर नाम का एक विद्वान ज्योतिषी रहता था। उसके ज्योतिष ज्ञान के चर्चे न केवल कौशाम्बी राज्य में, अपितु राज्य से बाहर भी थे।

देवधर का एक लड़का था, शान्तिधर। देवधर जितना ज्योतिष का ज्ञानी था, शान्तिधर उतना ही अज्ञानी, बल्कि उसे मन्दबुद्धि-मूढ़मति समझा जाता था। देवधर अपने पुत्र को लेकर सदा परेशान रहता। कभी-कभी तो वह शान्तिधर को उलाहने देता कि देखो, दूर-दूर तक के लोग मेरे ज्ञान का लोहा मानते हैं और तुम हो कि तुम्हें कुछ भी नहीं आता जाता।

उसे सदा शान्तिधर की चिन्ता रहती पर वह लाचार था। पुत्र को पढ़ाता-लिखाता और बहुत समझाता, लेकिन शान्तिधर के कुछ भी पल्ले न पड़ता।

वास्तव में अभी शान्तिधर की आयु भी कम थी, मगर उधर देवधर को अपने ज्ञान का बड़ा अभिमान था। उसे सम्भवतः यह सनक सवार हो गयी थी कि ज्ञानी लोग बाल्यावस्था से ही तीक्ष्ण बुद्धि के होते हैं और इसलिए शान्तिधर को बचपन में ही बहुत कुछ सीख लेना चाहिए।

धीरे-धीरे शान्तिधर बड़ा होने लगा। लगभग दस वर्ष की आयु में पहुँचकर वह बहुत कुछ समझने लगा। बड़े यत्न से देवधर ने उसे विद्याध्ययन कराना प्रारम्भ किया। बहुत से बच्चों को इस बीच उसने पढ़ाया था। वह अनुभव उसके काम आए और उसने अपने पुत्र पर प्रयोग किये। अपने मित्रों और सन्तों-आचार्यों से भी शिक्षा प्रदान करने के सूत्र लेकर शान्तिधर पर आजमाए। लगभग 5 वर्ष के कड़े परिश्रम के बाद शांतिधर ज्योतिष विद्या अच्छी तरह सीख गया।

देवधर को प्रायः इस बात पर लोगों के कटाक्ष सुनने को मिलते थे कि उसका पुत्र मन्दबुद्धि है। देवधर जल्दी से जल्दी अपने बच्चे को जनता के समक्ष प्रस्तुत कर यह जताना चाहता था कि उसका बच्चा अब ज्ञानी है। उसे पिता द्वारा प्रदत्त ज्योतिष विद्या का तो अच्छा ज्ञान हो गया था, लेकिन वह व्यावहारिक और सामान्य ज्ञान में कच्चा था। इस बात पर देवधर का ध्यान नहीं था।

एक दिन पुत्र के ज्योतिष ज्ञान से उत्साहित देवधर ने राजदरबार में बातों-बातों में कह दिया कि अब उसका पुत्र ज्योतिष विद्या में प्रवीण हो गया है। राजा ने तपाक से कहा, 'तो फिर देवधर जी, किसी दिन अपने पुत्र को यहाँ दरबार में लाइये। हम सब लोग भी उसके ज्ञान को परखें और लाभान्वित हों।'

सब दरबारियों ने भी हाँ में हाँ मिलाई तो देवधर अगले ही दिन पुत्र को दरबार में लाने के लिए तैयार हो गया। उसे स्वयं भी पुत्र को दरबार में प्रस्तुत करने के लिए मौके की तलाश थी और अब वह अवसर मिल गया था। अगले दिन उसने शान्तिधर को ठीक से तैयार किया और दरबार में ले गया। राजा ने देवधर से पूछा, 'हमें इस बात का पता कैसे चलेगा कि आपके पुत्र को ज्योतिष विद्या का क्या ज्ञान है?'

देवधर ने कहा- 'राजन, आप शान्तिधर से कोई प्रश्न पूछिए। यदि उसे ज्ञान होगा तो वह उत्तर देगा।'

राजा बोला, 'यह बात सही है।' अब तक राजा अपनी अँगुली की अँगूठी को अपनी मुट्ठी में बन्द कर चुका था। उसने शान्तिधर से पूछा, 'बताओ, मेरी मुट्ठी में क्या है'! शांतिधर ने कहा, 'आपके हाथ में लकड़ी, पत्थर या जीव नहीं, बल्कि धातु की ठोस वस्तु है। वह गोल है और उसके मध्य छेद है।'

राजा बेसाख्ता कह उठा, 'बहुत-बहुत खूब! ज्ञान अच्छा है। अब वस्तु का नाम भी बता दो।'

शांतिधर ने फिर अपना ज्योतिषीय गणित लगाया। बहुत देर सोचा और फिर बोला, 'आपकी मुट्ठी में चक्की है।' इतना सुनते ही राजा के मुँह से हँसी निकल गई। उसने हँसते हुए कहा, 'शांतिधर तुम रहे कोरे के कोरे। तुमने शास्त्रों का ज्ञान तो पा लिया, लेकिन व्यावहारिक ज्ञान में अधूरे रहे। तुम्हारे दिमाग में यह बात नहीं आयी कि जरा-सी मुट्ठी में बड़ी-सी चक्की कैसे आएगी जबकि पहले तुमने यह भी कहा था कि मुट्ठी में पत्थर भी नहीं है।'

देवधर के उत्साह पर पानी फिर गया था। उसे भी पछतावा हुआ कि बच्चे को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी हैं। देवधर फिर से मुट्ठी को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान देने में जुट गया। उसने तय किया कि अब वह मुट्ठी के मामले में जल्दबाजी नहीं करेगा और समय बीतने के साथ मुट्ठी स्वयं भी बहुत कुछ सीख जाएगा। (उर्वशी)

आईना

दुर्गेश राय

झूठ का पाठ और सच की आस

शाम के समय चाय के साथ पूरा परिवार दिनभर की थकान उतार रहा है, कोई ऑफिस का, कोई स्कूल का तो कोई घर के कामों का। तभी मेज पर रखा मोबाइल बज उठता है। स्क्रीन पर किसी परिचित या रिश्तेदार का नाम दिख रहा है, जिनसे बात करने का अभी आपका तनिक भी मन नहीं है। आप फोन उठाते नहीं हैं, बस पास बैठे आठ साल के बच्चे की ओर फोन बढ़ाते हुए फुसफुसाकर कहते हैं, 'बेटा, रिसीव करके बोल दो कि पापा बाथरूम में हैं' या 'कह दो कि मम्मी अभी छत पर कपड़े लेने गई हैं।' बच्चा पूरी मासूमियत और आत्मविश्वास के साथ फोन कान से लगाकर वही दोहरा देता है। आप राहत की साँस लेते हैं और बच्चे की पीठ थपथपाकर मुस्कुरा देते हैं, मानो उसने किसी बड़े संकट से आपको बचा लिया हो। ठीक तीन दिन बाद। स्कूल की कॉपी में अध्यापिका ने लाल पेन से लिखा है, 'गृहकार्य अधूरा है।' आप पूछते हैं, 'तुमने काम क्यों नहीं किया?' बच्चा डरते हुए या बचने के लिए कह देता है, 'मैडम ने आज बोर्ड पर लिखा ही नहीं था' या 'मेरे पेट में दर्द हो रहा था।'

तुरन्त घर में गर्मी बढ़ जाती है। वही माता-पिता, जिन्होंने तीन दिन पहले फोन पर झूठ बोलने के लिए उसकी पीठ थपथपाई थी, आज रौद्र रूप धारण कर लेते हैं, 'झूठ बोलते हो? तुम्हारी इतनी हिम्मत हो गई कि अब तुम हमसे झूठ बोलोगे? क्या यही संस्कार दिए हैं हमने?' और शुरू हो जाता है सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र के आदर्शों का एक लम्बा प्रवचन।

प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री गिजुभाई बधेका ने अपनी पुस्तक 'माँ-बाप से' में जब इस विरोधाभास पर उँगली रखी थी, तो उन्होंने दरअसल हम बड़ों के नैतिक दोहरेपन को आईना दिखाया था। हम चाहते हैं कि हमारा बच्चा एक ऐसी पवित्र नदी बने जिसमें झूठ का एक कण भी न हो, जबकि उस नदी के उद्गम स्थल पर खड़े होकर हम खुद रोज उसमें 'अपनी सुविधा के झूठ' मिला रहे होते हैं।

जरा अपने आसपास और खुद के भीतर झाँककर देखिए कि क्या यह केवल फोन कॉल तक सीमित है? हमारे रोजमर्रा के जीवन में ऐसे अनगिनत दृश्य बिखरे पड़े हैं, जहाँ हमारा बच्चा हमारी 'झूठ की पाठशाला' का पहला विद्यार्थी बनता है। सफर का ही उदाहरण ले लीजिए। ट्रेन में टीटी के आते ही छह साल के बच्चे के सिर पर हाथ रखकर धीमे से कहा जाता है, 'अगर अंकल पूछें तो अपनी उम्र चार साल बताना, वरना पूरा टिकट लग जाएगा।' बच्चा हैरान आँखों से देखता है कि कल ही तो घर में मेरा छठा जन्मदिन मना था, फिर आज मैं अचानक चार साल का कैसे हो गया?

या फिर स्कूल की छुट्टी का आवेदन-पत्र ले लीजिए। परिवार को किसी शादी में जाना है या घूमने का कार्यक्रम बन गया है। बच्चा बिल्कुल स्वस्थ और तन्दुरुस्त उछल-कूद रहा है, लेकिन माता-पिता की कलम से स्कूल के प्रधानाचार्य के नाम एक आवेदन पत्र लिखा जा रहा है, 'सविनय निवेदन है कि मेरा पुत्र कल रात से तीव्र ज्वर से पीड़ित है, अतः वह विद्यालय आने में असमर्थ है।' बच्चा उस पत्र को पढ़ता है और मुस्कुराता है। उसे बिना बुखार के ही बीमारी का प्रमाण-पत्र मिल गया है!

किसी रिश्तेदार के घर से विदा होते समय जब वे मिठाई या फल का डिब्बा थमाते हैं, तो हम मुस्कुराकर कहते हैं, 'अरे नहीं-नहीं, इसकी बिल्कुल जरूरत नहीं थी, घर में सब रखा है।' और जैसे ही दरवाजा बन्द होता है या गाड़ी आगे बढ़ती है, हम बच्चे के सामने ही टिप्पणी करते हैं, 'इतने बड़े घर से हैं, बस यही सस्ता-सा डिब्बा पकड़ा दिया!' बच्चा चकरा जाता है कि अभी दो मिनट पहले जो चेहरे पर इतनी मिठास थी, वह असली थी या यह नकली? मनोवैज्ञानिक इसे 'मॉरल सेल्फ-लाइसेंसिंग' और 'मॉडलिंग इफेक्ट' के नजरिए से देखते हैं। वयस्कों का दिमाग अपने झूठ को कभी झूठ नहीं मानता; वह उसे 'व्यावहारिकता', 'शिष्टाचार', 'समय की बचत' या 'परिस्थितिजन्य मजबूरी' का नाम दे देता है। हम सोचते हैं कि हम परिपक्व हैं, इसलिए हमें पता है कि किस झूठ से किसी का नुकसान नहीं हो रहा। लेकिन बच्चे का मस्तिष्क इतना जटिल वर्गीकरण नहीं कर पाता। उसके लिए दुनिया केवल दो रंगों में बंटी होती है, सच और झूठ।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अल्बर्ट बंडूरा के 'सोशल लर्निंग थ्योरी' के अनुसार, बच्चे उपदेशों से नहीं, बल्कि अनुकरण से सीखते हैं। जब बच्चा देखता है कि पापा या मम्मी झूठ बोलकर किसी मुसीबत, पैसे के खर्च या अनचाहे काम से आसानी से बच निकलते हैं, तो उसके अवचेतन में यह बात दर्ज हो जाती है कि, 'जब भी कोई कठिन परिस्थिति आए या डाँट पड़ने का डर हो, तो झूठ बोलना सबसे सुरक्षित ढाल है।' यानी हम खुद उन्हें वह औजार थमाते हैं, और जब वे उसी औजार का इस्तेमाल हम पर करते हैं, तो हम तिलमिला उठते हैं। इस दोहरे रवैये का सबसे घातक परिणाम यह होता है कि बच्चे की नजरों में माता-पिता की 'विश्वसनीयता' गिरने लगती है। बच्चा भीतर ही भीतर यह मान लेता है कि बड़ों की दुनिया में नैतिकता केवल दूसरों को सुनाने की चीज है, खुद जीने की नहीं। परिणामस्वरूप, किशोरावस्था तक पहुँचते-पहुँचते वह अपने माता-पिता से अपनी हर छोटी-बड़ी बात, अपनी गलतियाँ और अपने संकट छिपाने लगता है।

अक्सर बच्चे झूठ इसलिए बोलते हैं, क्योंकि उन्हें सच बोलने पर मिलने वाली सजा और अपमान का डर होता है। यदि बच्चा गृहकार्य नहीं कर पाया या उससे कोई भूल हो गई, तो उस पर बरसने के बजाय शान्त स्वर में कहिए, 'कोई बात नहीं, तुमने सच बताकर बहुत अच्छा किया। अब चलो देखते हैं कि इस काम को कैसे पूरा किया जाए।' जब सच बोलने पर डर खत्म हो जाएगा, तो झूठ अपने आप बेकार हो जाएगा। बच्चे कोरे कागज नहीं होते, वे एक बेहद संवेदनशील कैमरे की तरह होते हैं जो हमारी हर हरकत को बिना किसी फिल्टर के रिकॉर्ड करते हैं। हम उन्हें लाख समझाएँ कि सच बोलना सबसे बड़ा धर्म है, लेकिन वे वही सीखेंगे जो वे हमें जीते हुए देखेंगे। इसलिए अगली बार जब इस तरह का कोई कार्य करने का ख्याल आए, तो बस उन दो मासूम आँखों की ओर देख लीजिएगा, आप गलती करने से बच जाएँगे।

मंथन

डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल

कैसे पढ़ें आत्मकथा?

दूसरों के जीवन में झाँकना मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है और आत्मकथा हमें यह मौका देती है। यदि आत्मकथा किसी ऐसे व्यक्ति की हो जिसका सार्वजनिक जीवन, राजनीति और सत्ता के गलियारों से जुड़ा रहा हो तो यह उत्सुकता कई गुना बढ़ जाती है। पाठक केवल उसके जीवन की कहानी नहीं जानना चाहते, वे उन घटनाओं के भीतर झाँकना चाहते हैं जिनके वे स्वयं भी किसी-न-किसी रूप में साक्षी रहे हैं। सोनिया गाँधी की सद्य-प्रकाशित आत्मकथा 'बिलॉगिंग : ए जर्नी ऑफ लॅव' को लेकर भी कुछ ऐसा ही माहौल है।

सार्वजनिक जीवन में सोनिया गाँधी की सुदीर्घ और प्रभावशाली उपस्थिति ने उनकी आत्मकथा में हमारी दिलचस्पी बहुत बढ़ा दी है और उसके बाजार में आते ही चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया है। लगता है जैसे पूरा भारतीय समाज दो खेमों में बँट गया है, लेकिन इस पूरे प्रसंग को केवल सोनिया गाँधी के राजनीतिक समर्थन या विरोध के चश्मे से देखना शायद उचित नहीं होगा। यह अवसर आत्मकथा नाम की एक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक विधा और उसे पढ़ने के हमारे तौर-तरीकों पर विचार करने का भी है।

आत्मकथा आखिर है क्या? क्या वह अपने जीवन का सिलसिलेवार ब्यौरा है? क्या वह घटनाओं, व्यक्तियों और तारीखों का ऐसा विवरण है जिसे इतिहास की किताब की तरह परखा जा सके? या वह अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखने, समझने और उसका अर्थ तलाशने की एक कोशिश है? वस्तुतः आत्मकथा इन सबका मिला-जुला रूप हो सकती है, लेकिन सबसे पहले वह लेखक का अपने जीवन के साथ सम्वाद है। इसमें घटनाएँ जितनी महत्त्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्वपूर्ण है उन घटनाओं को देखने वाला व्यक्ति, उसकी स्मृतियाँ, उसकी सम्वेदनाएँ और उसका दृष्टिकोण।

इस विधा की खूबी यह है कि इसमें व्यक्ति अपने समय, परिवेश, सम्बन्धों, सफलताओं और असफलताओं को अपने ढंग से देखता/देखती है। वह चाहे तो अपनी कमजोरियों को स्वीकार करे, अपनी भूलों पर पछताए, अपनी उपलब्धियों का बखान करे या कुछ अनुभवों को निजी रखे। आत्मकथा का कोई एक अनिवार्य ढाँचा नहीं है। न ही यह आवश्यक है कि हर आत्मकथाकार अपने जीवन के प्रत्येक प्रसंग पर समान विस्तार से बात करे।

दुनिया की अनेक प्रसिद्ध आत्मकथाएँ इस विविधता की साक्षी हैं। महात्मा गाँधी की 'सत्य के प्रयोग' में उनकी नैतिक और आध्यात्मिक-यात्रा के साथ कमजोरियों, भूलों और प्रयोगों का भी उल्लेख है। इसका महत्व इस बात में है कि गाँधी स्वयं को किस निर्ममता से परखने का प्रयास करते थे। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा 'मेरी कहानी' में एक व्यक्ति के बौद्धिक विकास के साथ अपने समय की राजनीति और राष्ट्रीय आंदोलन का व्यापक परिदृश्य उपस्थित होता है।

हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा-शृंखला - 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ', 'नीड़ का निर्माण फिर', 'बसेरे से दूर' और 'दशद्वार से सोपान तक' निजी जीवन, परिवार, प्रेम और साहित्य के अनेक रंग सामने लाती है। अमृता प्रीतम की 'रसीदी टिकट' एक स्त्री के निजी अनुभवों और संवेदनाओं की बेबाक अभिव्यक्ति है। इसी क्रम में प्रभा खेतान की 'अन्या से अनन्या' और मन्नू भंडारी की 'एक कहानी यह भी' को याद किया जा सकता है। इन्हीं के साथ याद की जा सकती हैं दलित आत्मकथाएं भी, जिनमें ओमप्रकाश वाल्मीकि की 'जूठन' प्रमुख है।

विदेशी आत्मकथाओं में रूसो की 'कन्फैशन्स' का उल्लेख जरूरी है, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तित्व के उन पक्षों को भी सामने रखा जिन्हें छिपाना अधिक सुविधाजनक हो सकता था। बेंजामिन फ्रैंकलिन की 'आत्मकथा' आत्म-निर्माण, श्रम और सार्वजनिक जीवन की कहानी है। नेल्सन मंडेला की 'लांग वाक टू फ्रीडम' में एक व्यक्ति का संघर्ष, दक्षिण अफ्रीका की मुक्ति और नस्लभेद के विरुद्ध आन्दोलन की कथा से जुड़ जाता है। माया एंजेलो की 'आई नो व्हाई द केज्ड बर्ड सिंग्स' निजी अनुभवों के माध्यम से नस्लीय भेदभाव, स्त्री होने की चुनौतियों और आत्मसम्मान की लड़ाई का चित्र उभारती है।

इस संदर्भ में अपने समाज की ओर देखें तो एक विचित्र स्थिति दिखाई देती है। हम दूसरों के जीवन में गहरी दिलचस्पी लेते हैं, लेकिन अपने बारे में कुछ कहने की बात आती है तो सहज नहीं रह जाते। अपनी कमजोरियों, असफलताओं, ईर्ष्याओं, महत्वाकांक्षाओं, गलत निर्णयों और निजी सम्बन्धों के अन्तर्विरोधों को सार्वजनिक करना हमें कठिन लगता है। इसके पीछे हमारे सामाजिक संस्कार भी हैं। हमारे यहाँ व्यक्ति की प्रतिष्ठा अक्सर परिवार और समुदाय की प्रतिष्ठा से जुड़ी होती है। अपने बारे में कुछ ऐसा कह देना जो परिवार की स्थापित छवि के अनुकूल न हो, पूरे परिवार को असहज कर सकता है। अपनी गलती स्वीकार करना भी सहज मानवीय व्यवहार के बजाय कमजोरी समझ लिया जाता है।

ऐसे में सम्भव है, लेखक कुछ प्रसंगों को जानबूझकर छोड़ दे या उन्हें इस तरह प्रस्तुत करे कि उसकी अपनी छवि पर आँच न आए, लेकिन क्या इससे उसकी आत्मकथा को पढ़ने और समझने की हमारी जिज्ञासा और जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है? क्या किसी आत्मकथा में आत्मरक्षा या आत्म-औचित्य की प्रवृत्ति दिखाई देने पर उसे एक झटके में खारिज कर देना चाहिए? सम्भव है, यह भी लेखक के व्यक्तित्व और उसकी आत्मदृष्टि को समझने का एक सूत्र हो।

यहां आत्मकथा और इतिहास के बीच का अन्तर समझना जरूरी है। आत्मकथा इतिहास की पुस्तक नहीं है, हालाँकि इतिहास के अध्ययन के लिए वह महत्त्वपूर्ण सामग्री उपलब्ध करा सकती है। इतिहासकार अनेक स्रोतों, दस्तावेजों और परस्पर विरोधी विवरणों की जाँच करता है। आत्मकथाकार अपने अनुभवों और स्मृतियों के सहारे अतीत को देखता है। स्मृति कोई कैमरा नहीं है जो हर घटना को उसी रूप में सुरक्षित रखे। कैमरे का भी कोई-न-कोई एंगल होता है। समय के साथ कुछ घटनाएँ धुँधली पड़ती हैं, कुछ अधिक स्पष्ट हो जाती हैं और कुछ का अर्थ बदल जाता है।



यहीं से आत्मकथा को पढ़ने का सलीका सामने आता है। हमें यह देखने की कोशिश करनी चाहिए कि लेखक ने क्या लिखा है, न कि इस बात पर नाराज होना चाहिए कि उसने क्या नहीं लिखा। उसने किसी घटना को किस तरह देखा, किन प्रसंगों को महत्व दिया, किन्हें छोड़ दिया और अपने जीवन के बारे में क्या निष्कर्ष निकाला, इन सब पर विचार किया जा सकता है। उसकी स्थापनाओं से असहमति भी हो सकती है, लेकिन यह सोचना कि वह अपनी आत्मकथा में वही सब लिखेगा जिसकी हम उम्मीद करते हैं, उसके साथ अन्याय होगा।

हर व्यक्ति को अपने जीवन की निजता और अपने अनुभवों के चयन का अधिकार है। कोई व्यक्ति अपने जीवन के सभी प्रसंग सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है। किसी आत्मकथा में किसी प्रसंग का उल्लेख न होना उस प्रसंग के बारे में किसी निष्कर्ष का आधार नहीं बन सकता। लेखक की चुप्पी को स्वीकारोक्ति मान लेना भी उतना ही अनुचित है जितना उसकी हर बात को अंतिम सच मान लेना।

इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आत्मकथाकार को तथ्यात्मक शुद्धता की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया जाए। सोनिया गाँधी की आत्मकथा के सन्दर्भ में भी यही कसौटी अपनाई जानी चाहिए। उनकी कही हुई बातों की जाँच हो, उनके निष्कर्षों से असहमति हो तो तर्क सामने आएँ। किसी घटना के उनके विवरण को दूसरे उपलब्ध प्रमाणों के साथ रखकर परखा जाए, लेकिन यह अपेक्षा कि वे अपनी आत्मकथा में उन सभी प्रश्नों के उत्तर दें जो उनके राजनीतिक विरोधियों के मन में हैं, या उन सभी प्रसंगों पर अपनी बात रखें जिन्हें पाठक महत्त्वपूर्ण मानते हैं, उचित नहीं होगा। यह उनका जीवन है, उनका अनुभव है और उसे प्रस्तुत करने का उनका अपना तरीका है।

इस बात को समझा जाना चाहिए कि आत्मकथा केवल किसी और की जिंदगी में झांकने का सुराख नहीं होती है। वह हमें भी आत्मावलोकन का अवसर सुलभ कराती है। आत्मकथा की सार्थकता इसी में है कि वह हमें किसी दूसरे व्यक्ति को उसके अपने सच के साथ समझने का अवसर देती है और पाठक की परिपक्वता इसमें है कि वह उस सच को परखते हुए भी लेखक के दृष्टिकोण का सम्मान करना सीखे। **(सप्रेस)**

लुगुबुरू महोत्सवः डीसी-एसपी ने टेंट सिटी व स्टॉलों का लिया जायजा

✦उप-शीर्षकः पश्चिम बंगाल के नदिया निवासी श्रद्धालु दुब्राज हांसदा से डीसी ने किया संवाद, स्वास्थ्य और खिचड़ी सेवा केंद्र का लिया जायजा

देश प्राण संवाददाता



ललपनिया (बोकारो) : लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ राजकीय महोत्सव-2026 में देश-विदेश से पहुंच रहे श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। रविवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीणा ने अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ टेंट सिटी परिसर सहित विभिन्न सेवा और प्रदर्शनी स्टॉलों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिला से आए श्रद्धालु दुब्राज हांसदा से आत्मीय संवाद किया। डीसी ने उनसे महोत्सव में आगमन, ठहरने (आवासन) और उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को लेकर फीडबैक लिया। उपायुक्त ने श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन उनकी सुरक्षा, सुविधा और सेवा के लिए पूरी तत्परता से काम कर रहा है।

पदाधिकारियों ने टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के ठहरने, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था की जांच की और निर्देश दिया कि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। इसके बाद अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा स्टॉलों का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि किसी भी श्रद्धालु को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल प्राथमिक उपचार व सहायता उपलब्ध कराई जाए।

निरीक्षण के दौरान डीसी और एसपी ने दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन एवं रूपी सोरेन की स्मृति में संचालित खिचड़ी सेवा स्टॉल का भी जायजा लिया। इसके साथ ही झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार की जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षित आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लुगुबुरू महोत्सवः आम श्रद्धालुओं के साथ डीसी-एसपी ने साल के पत्ते पर खाई खिचड़ी, दिखी सादगी

बोकारो (संवाददाता) : लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ राजकीय महोत्सव-2026 के दौरान रविवार को टेंट सिटी में सादगी और समरसता का एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। दिशोम गुरु शिबू सोरेन एवं रुपी सोरेन की स्मृति में संचालित 'सोना सोबरन खिचड़ी सेवा केंद्र' में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों ने आम श्रद्धालुओं के साथ बैठकर पारंपरिक भोजन किया। उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक (एसपी) नाथू सिंह मीणा, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी और उप निदेशक (जनसंपर्क) सहित अन्य अधिकारियों ने झारखंडी परंपरा के अनुरूप साल के पत्ते (दोना-पत्तल) पर परोसी गई खिचड़ी का स्वाद लिया।

खबरकोना

एसआईआर और एमएमडीआर कानून के खिलाफ विधानसभा का विशेष सत्र जनहित में, ऐतिहासिक निर्णय संभवः कैलाश यादव

रांची/बोकारो : प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने रविवार को झारखंड के 26वें विधानसभा दिवस के अवसर पर राज्यवासियों को पार्टी की ओर से बधाई दी। इस दौरान उन्होंने आगामी 25 और 26 नवंबर को हेमंत सोरेन सरकार द्वारा बुलाए गए झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र का स्वागत करते हुए कहा कि यह सत्र जनहित में है और इसमें राज्यहित से जुड़े ऐतिहासिक निर्णय लिए जाने की संभावना है। कैलाश यादव ने प्रेस बयान जारी कर आरोप लगाया कि झारखंड सहित देशभर में एसआईआर (रक्फ) प्रक्रिया जनहित के खिलाफ है और इसके तहत लगभग 13 करोड़ 37 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा व एनडीए गठबंधन को छोड़कर तमाम विपक्षी दल, सामाजिक संगठन, युवा वर्ग और बुद्धिजीवी पिछले कई महीनों से इसका विरोध कर रहे हैं। यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर भी एकपक्षीय कार्य करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर संसद से लेकर सड़क तक आंदोलन जारी है और सुप्रीम कोर्ट में भी याचिकाएं दायर की गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा लाए गए खनन रॉयल्टी से जुड़े एमएमडीआर कानून पर निशाना साधते हुए राजद प्रवक्ता ने कहा कि इससे सर्वाधिक खनिज संपदा वाले राज्य झारखंड को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि यह कानून राज्य के अधिकारों का हनन है और इससे झारखंड की रॉयल्टी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झामुमो, कांग्रेस और राजद की महागठबंधन सरकार जनहित में इन दोनों मुद्दों का विरोध कर रही है और विशेष सत्र में इनके खिलाफ प्रस्ताव पारित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रदेश भाजपा पर दोहरी नीति अपनाने और जनोपयोगी कार्यों के बजाय केवल सरकार का विरोध करने का आरोप भी लगाया।

जमशेदपुर में 24 को भारी वाहनों की नो-एंट्री, सुबह पांच से रात 11 बजे तक लागू रहेगा प्रतिबंध

पूर्वी सिंहभूम, 22 नवंबर (हि.स.) : गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व एवं गुरु पूर्णिमा के मद्देनजर 24 नवंबर को जमशेदपुर शहर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। श्रद्धालुओं और आम लोगों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए मंगलवार को सुबह पांच बजे से रात 11 बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश और परिचालन पर पूरी तरह रोक रहेगी। हालांकि बसों के परिचालन को इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है, जिससे यात्रियों को आवागमन में परेशानी न हो। पूर्वी सिंहभूम जिला यातायात पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय की ओर से 21 नवंबर को जारी आदेश में कहा गया है कि 24 नवंबर को निर्धारित अवधि के दौरान शहर के भीतर भारी वाहनों का परिचालन नहीं किया जाएगा। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जारी आदेश की प्रतिलिपि पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था, धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी और जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को भेजी गई है। इसके साथ ही जिले के संबंधित थाना प्रभारियों और यातायात प्रभारियों को भी आदेश से अवगत कराया गया है। पुलिस प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रतिबंधित अवधि के दौरान आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। प्रशासन की ओर से भारी वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे 24 नवंबर को सुबह पांच बजे से रात 11 बजे तक शहर में प्रवेश करने से बचें और अपने वाहनों के परिचालन की योजना उसी के अनुरूप बनाएं। बसों का परिचालन निर्धारित व्यवस्था के तहत सामान्य रूप से जारी रहेगा।

ससुराल की प्रताड़ना से पिंकी व चार वर्षीय बेटी की मौत, दो बेटियों का इलाज जारी

पूर्वी सिंहभूम, 22 नवंबर (हि.स.) : उलीडीह के केदार बगान में ससुराल पक्ष की कथित प्रताड़ना से परेशान होकर अपनी तीन बेटियों को कीटनाशक खिलाने और खुद भी जहर पीने वाली पिंकी कुमारी और उसकी चार वर्षीय बेटी ऋषिका मेहता की इलाज के दौरान मौत हो गई। एमजीएम अस्पताल में शनिवार देर रात ऋषिका ने दम तोड़ दिया, जबकि रविवार सुबह करीब 11:30 बजे पिंकी की भी मौत हो गई। घटना में जहर खाने वाली दो अन्य बेटियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मां-बेटी की मौत के बाद रविवार को मायके पक्ष के लोगों ने अस्पताल में हंगामा किया और शेष आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की।

यह घटना उलीडीह ओपी क्षेत्र के शंकोसाई रोड नंबर-5 स्थित केदार बगान की है। बीते 3 नवंबर को पिंकी ने मैगी और चाय में कीटनाशक मिलाकर अपनी तीनों बेटियों को पिला दिया था और खुद भी जहर खा लिया था। सभी की तबीयत बिगड़ने पर पड़ोसियों ने उन्हें एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा था।

इलाज के दौरान पिंकी ने अपने पति धर्मपाल मेहता, सास-ससुर, देवर और देवरानी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। उसका कहना था कि तीसरी बेटी के जन्म के बाद से ही ससुराल में उसे लगातार मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था। उसका पति ओडिशा के झारसुगुड़ा स्थित एक कंपनी में काम करता है। पिंकी की तीन बेटियों में 13 वर्षीय माही, पांच वर्षीय मासूम और चार वर्षीय ऋषिका शामिल थीं।

पिंकी ने यह भी बताया था कि 22 अक्टूबर को उसकी देवरानी गुड़िया ने उलीडीह ओपी में उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद ससुराल में उसकी परेशानियां और बढ़ गई थीं। उसने पुलिस से मदद लेने की भी कोशिश की थी। 28 अक्टूबर को वह उलीडीह थाना पहुंची थी और बाद में अपनी बेटियों के साथ सिटी एसपी कार्यालय भी गई थी। वहां उससे लिखित शिकायत मांगी गई, लेकिन लिखने में असमर्थता के कारण वह अपनी शिकायत दर्ज नहीं करा सकी। पिंकी का आरोप था कि पुलिस से सहायता नहीं मिलने और लगातार घरेलू प्रताड़ना के कारण वह मानसिक रूप से टूट गई थी।

घटना की सूचना मिलने पर बिहार के नवादा से जमशेदपुर पहुंचे पिंकी के भाई आर्यन कुमार ने आरोप लगाया कि उसकी बहन को पति, देवर और देवरानी के अलावा कुशवाहा समाज के नेता शिवकुमार भगत भी परेशान करते थे। उसने सभी आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होने के बाद ही दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

नौसेना में अधिकारी बनीं झारखंड की सपना शर्मा, परिवार में चौथी पीढ़ी का सैन्य गौरव

कोडरमा, 22 नवंबर (हि.स.) : झारखंड की बेटी सपना शर्मा ने भारतीय नौसेना में अधिकारी पद हासिल कर अपने परिवार और राज्य को गौरवान्वित किया है। शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत उनका चयन सब-लेफ्टिनेंट (नवल एयर ऑपरेशन ऑफिसर) के पद पर हुआ है।



वे जल्द ही केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी। उनकी इस उपलब्धि से रामगढ़ के आदर्शनगर (बिजुलिया) कॉलोनी में खुशी की लहर है। सपना ने सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) की चुनौतीपूर्ण चयन प्रक्रिया को पहले ही प्रयास में पार कर यह मुकाम हासिल किया है।

खास बात यह है कि भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने वाली वह अपने परिवार की चौथी पीढ़ी हैं। सपना के पिता विंग कमांडर संजीव शर्मा वर्तमान में सैनिक स्कूल तिलैया के उपप्राचार्य हैं, जबकि उनके दादा रवीन्द्र शर्मा वर्ष 1993 में भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए थे।

सपना ने अपनी सफलता में दादा रवीन्द्र शर्मा और दादी आशा देवी के आशीर्वाद एवं माता-पिता से मिले संस्कार, प्रेरणा और राष्ट्रसेवा के भाव को महत्वपूर्ण बताया। सपना की सफलता की खबर मिलते ही रामगढ़ स्थित उनके आवास पर बधाई देने वालों का सिलसिला शुरू हो गया। परिजनों और शुभचिंतकों ने मिठाइयां बांटकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। अपनी पोती की कामयाबी पर भावुक और गौरवान्वित दादा रवीन्द्र शर्मा ने कहा कि सपना ने पूरे परिवार का मान बढ़ाया है। उन्हें विश्वास है कि उनका परिवार और गांव आगे भी देश की सेना को युवा नेतृत्वकर्ता देता रहेगा।

सपना की यह उपलब्धि सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाने के साथ-साथ उन युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है, जो देश की सेवा को अपना लक्ष्य बनाना चाहते हैं।

देवघर में डीडीसी ने पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

देवघर, 22 नवंबर (हि.स.) : बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रविवार को देवघर में पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा ने रविवार सुबह नए सदर अस्पताल में नवजात बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए पोलियो की दो बूंद अत्यंत आवश्यक हैं। अभियान के तहत बूथ दिवस पर कम से कम 70 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले में कुल 1,415 बूथ बनाए गए हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे 22 नवंबर को अपने नजदीकी बूथ पर पहुंचकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं ,शेष बचे अन्य बच्चों को स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा अगले दो दिनों 23 व 24 दिसंबर को डोर-टू-डोर जाकर पल्स पोलियो की दवा पिलायी जायेगी।

संविधान दिवस पर रांची में 'वोट बचाओ-देश बचाओ' रैली निकालेगी कांग्रेस, बोकारो में तैयारियों पर हुआ मंथन

देश प्राण संवाददाता



बोकारो : बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में रविवार को बोकारो परिसदन में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड प्रदेश कांग्रेस महासचिव शकील अख्तर अंसारी और जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल महथा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता में आगामी संविधान दिवस के अवसर पर रांची में आयोजित होने वाली ह्वोट बचाओ-देश बचाओह्ल रैली की तैयारियों और रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस महासचिव शकील अख्तर अंसारी ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से देश के करीब १३ करोड़ मतदाताओं के नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसके विरोध में संविधान दिवस के अवसर पर रांची में विशाल रैली निकाली जाएगी। यह रैली हीनू से शुरू होकर भगवान बिरसा चौक तक पहुंचेगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि ह्वोट बचाओ-देश बचाओह्ल का नारा लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के उद्देश्य से दिया गया है। मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि करोड़ों मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, तो सरकार को इस मामले में जवाब देना चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस जनता के बीच जाएगी और रांची की रैली के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद करेगी।

शकील अख्तर अंसारी ने बताया कि रैली को सफल बनाने के लिए बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से भी व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। जिले के विभिन्न प्रखंडों और नगर क्षेत्रों से अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है।

वहीं, जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटकर तथा नफरत फैलाकर सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसी राजनीति का विरोध करती है और देशवासियों को एकजुट रखने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस जनता को एकजुट कर भाजपा की नीतियों का विरोध करेगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से संविधान, लोकतांत्रिक अधिकारों और मताधिकार की रक्षा के मुद्दे पर एकजुट होकर काम करने की अपील की। प्रेस वार्ता के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि रांची में प्रस्तावित रैली में बोकारो जिले की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता मनोज कुमार, अजित सिंह चौधरी, जमील अख्तर, निजाम अंसारी, इस्तियाक अहमद, अली अंसारी, नगर अध्यक्ष अमूल बावरी, चास प्रखंड अध्यक्ष तुलसी महतो, भाग-१ अध्यक्ष मुख्तार अंसारी, भाग-२ अध्यक्ष गुलाम हसन, इमरान अंसारी, तापस ओझा, आशा देवी, प्रशांत बावरी, धनंजय कुमार झा, शाहिद राजा, अजीम, हीरा लाल शर्मा, बदरे आलम, पवन शर्मा, सुबोध मिश्रा और सनथ मिश्रा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रक्तवीर नबी हुसैन के जन्मदिन पर लगा रक्तदान शिविर, थैलेसीमिया पीड़ितों की मदद के लिए युवाओं ने किया रक्तदान

✦उप-शीर्षकः एपीजे अब्दुल कलाम फाउंडेशन की ओर से इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी ब्लड सेंटर में हुआ आयोजन, वक्ताओं ने बताया महादान का महत्व

देश प्राण संवाददाता



बोकारो (संवाददाता) : एपीजे अब्दुल कलाम फाउंडेशन की ओर से रक्तवीर नबी हुसैन के जन्मदिन के अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि जमील अख्तर ने किया। इस दौरान युवाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की।

रक्त का कोई विकल्प नहीं, रक्तदान ही सबसे बड़ा दानः जमील अख्तर

उद्घाटन के मौके पर जमील अख्तर ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसकी कमी को केवल स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से ही पूरा किया जा सकता है। वहीं, बोकारो रक्तवीर परिवार के संजय शर्मा ने कहा कि जन्मदिन, वर्षगांठ या किसी भी खुशी के अवसर पर यदि आप रक्तदान करते हैं, तो आप अपनी खुशियां बांटने के साथ-साथ किसी अनजान व्यक्ति को नया जीवन देने का पुण्य कार्य भी करते हैं।

थैलेसीमिया पीड़ितों की परेशानी को देखते हुए लिया निर्णय

संस्था के अध्यक्ष हामिद खान ने बताया कि फाउंडेशन हमेशा जरूरतमंदों की मदद के लिए तत्पर रहता है। वर्तमान में ब्लड सेंटर में रक्त की कमी के कारण थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों और मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसी समस्या को कम करने के उद्देश्य से नबी हुसैन के जन्मदिन पर इस शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्य रियाज परिंदा ने कहा कि यदि अन्य सामाजिक संस्थाएं भी नियमित रूप से ऐसे शिविर लगाएं, तो जिले में कभी रक्त की कमी नहीं होगी।

शिविर को सफल बनाने में नबी हुसैन, आरती कुमारी, अनुज, अजय सहित इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी ब्लड सेंटर के सभी कर्मियों का सराहनीय योगदान रहा।

आईएसएम के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्र लीजेंडरी टीचर्स अवार्ड से सम्मानित

देश प्राण संवाददाता



धनबाद, 22 नवंबर : इंजीनियरिंग, रिसर्च, टेक्नोलॉजी और शिक्षा के क्षेत्र में साढ़े तीन दशक से अधिक समय तक उल्लेखनीय योगदान देने वाले आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा को पद्म विभूषण डॉ. मुरली मनोहर जोशी लीजेंडरी टीचर्स अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में रविवार को आयोजित फेडरेशन फॉर वर्ल्ड एकेडमिक्स (एफडब्ल्यूए) के नौवें वार्षिक कॉन्क्लेव में डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन फेडरेशन फॉर वर्ल्ड एकेडमिक्स ने किया था।

सम्मान समारोह में प्रो. मिश्रा के साथ उनकी पत्नी एवं दीप्ति लेडीज क्लब की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला मिश्रा भी मौजूद थीं। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व, शिक्षाविद और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रो. मिश्रा को यह सम्मान इंजीनियरिंग रिसर्च, अकादमिक नेतृत्व और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है। पावर सिस्टम, पावर क्वालिटी, स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजी और रिन्यूएबल एनर्जी उनके प्रमुख रिसर्च क्षेत्र रहे हैं।

उन्होंने अपने अकादमिक करियर की शुरूआत संबलपुर विश्वविद्यालय में लेक्चरर के रूप में की थी, जहां उन्होंने नौ वर्षों तक सेवाएं दीं। इसके बाद वे बीजू पटनायक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में रीडर बने। बाद में आईआईटी दिल्ली से जुड़े और वहां एसोसिएट डीन (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) तथा डीन (रिसर्च एंड एक्सटर्नल एंगेजमेंट), आईआईटी दिल्ली-अबू धाबी कैंपस जैसे महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। फिलहाल वे आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के निदेशक के रूप में संस्थान का नेतृत्व कर रहे हैं।

इस सम्मान के साथ प्रो. मिश्रा को हाल के वर्षों में मिले पुरस्कारों की सूची और लंबी हो गई है। उन्हें 15 सितंबर को कटक में ओडिशा इंजीनियर्स फोरम की ओर से इंजीनियरिंग, रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में योगदान के लिए विस्वेश्वरैया अवार्ड 2026 प्रदान किया गया था। इसके अलावा, उन्हें प्रो. शिवाजी चक्रवर्ती के साथ संयुक्त रूप से एनपीएससी अकादमिक एक्सीलेंस अवार्ड 2026 के लिए भी चुना गया है। यह पुरस्कार 12 दिसंबर को आईआईटी पटना में आयोजित नेशनल पावर सिस्टम्स कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदान किया जाएगा।

धनबाद में बिहार की करोड़ों की जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया

देश प्राण संवाददाता



धनबाद, 22 नवंबर : धनबाद - गोविन्दपुर मुख्य मार्ग ओर पर बिहार सरकार की करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन पर अवैध कब्जे से जिला प्रशासन को मुक्त कराने में सफलता मिलिंग। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेर्शानुसार गोविंदपुर अंचल अंतर्गत सुसनीलेवा मौजा में अनाबाद बिहार सरकार की करोड़ों रुपये मूल्य की 59 डिसमिल जमीन से प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया। अंचल अधिकारी श्री यशवंत कुमार सिन्हा एवं प्रभारी अंचल निरीक्षक नेहा सिंह के नेतृत्व में जेसीबी से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इसके बाद उक्त जमीन पर झारखंड सरकार का बोर्ड लगा दिया गया।

प्रशासन ने चेतावनी दी कि सरकारी जमीन पर दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुसनीलेवा मौजा के खाता संख्या 140, प्लॉट संख्या 1612, रकबा 59 डिसमिल जमीन अनाबाद बिहार सरकार के नाम से दर्ज है। उक्त जमीन पर कब्जा करने की नीयत से कुछ लोगों द्वारा बाउंड्री निर्माण किए जाने की सूचना 18 नवंबर को राजस्व उप निरीक्षक को मिली थी। सूचना के बाद राजस्व विभाग की ओर से मामले की जांच की गई। जांच में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आने पर अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया।

हालांकि, नोटिस के बावजूद संबंधित लोगों द्वारा जमीन के स्वामित्व से जुड़े कोई प्रामाणिक एवं वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। बताया गया कि अतिक्रमण करने वालों के पास दूसरे प्लॉट की जमीन का 87 तरमीम संबंधी कागजात था, जिसके आधार पर प्लॉट संख्या 1612 की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था। राजस्व विभाग की जांच में उक्त कागजात संबंधित जमीन के वैध स्वामित्व का प्रमाण नहीं पाया गया।

इसके बाद अंचल अधिकारी एवं प्रभारी अंचल निरीक्षक जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक कार्रवाई की भनक लगते ही अतिक्रमण करने वाले लोग मौके से भाग खड़े हुए। इसके बाद जेसीबी से जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया और सरकारी भूमि की पहचान सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड लगा दिया गया।

प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा, निर्माण या घेराबंदी दोबारा करने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

डीसी के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया गया

पाकुड़ : उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक पाकुड़ पाकुड़ के आदेशानुसार एवं जिला परिवहन पदाधिकारी श्री मिथिलेश कुमार चौधरी एवं यातायात प्रभारी राकेश कुमार राजन के नेतृत्व मे पुलिस लाइन मेन गेट पाकुड़ बरहरवा से आने एवं जाने वाले सभी दो पहिया/तीन पहिया वाहनों से मोटर वाहन अधिनियम के सभी धाराओं का अनुपालन कराने के उद्देश्य से वाहन जांच अभियान चलाया गया अभियान मे मुख्य रूप से दो एवं तीन पहिया वाहनों के वाहन एवं वाहन चालको का ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, नंबर प्लेट, ओवर स्पीडिंग, ट्रिपल राइडिंग, मोबाइल फोन का उपयोग, नाबालिक द्वारा वाहन परिचालन करना, वाहनों में छेड़छाड़,अतिरिक्त रूप से लगाए गए लाइट एवं अन्य की जांच किया गया जिसमें लगभग कुल-40-50 एवं अन्य वाहनों की जांच की गई तथा जांच के वाहनों के कागजातों के अभाव में एवं मोटर वाहन अधिनियम 1988 की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन करने को लेकर कुल 37 वाहनो से कुल-53,500 का जुमार्ना ऑनलाइन मशीन के द्वारा निर्गत करने के पश्चात जमा कराया गया।

➡ उपायुक्त ने किसानों से फसल क्षति की सूचना दर्ज कराने की अपील

फसल बीमा योजना के अंतर्गत दावा प्रक्रिया में होगी सुविधा

देशप्राण संवाददाता

गोड्डा, 22 नवंबर : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के द्वारा जिले के किसानों को प्रतिकूल मौसम एवं स्थानीय आपदा के कारण फसल को हुए नुकसान की स्थिति में निर्धारित समय-सीमा के भीतर फसल क्षति की सूचना दर्ज कराने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि फसल क्षति की सूचना टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 144 47 एव क्रॉप इंश्योरेंस ऐप के माध्यम से दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि फसल क्षति की तिथि से 72 घंटे के भीतर सूचना दर्ज कराना अनिवार्य है। निर्धारित समय-सीमा के भीतर सूचना दर्ज कराने से फसल बीमा योजना के अंतर्गत दावा प्रक्रिया में सुविधा होगी। उन्होंने जिले के सभी किसानों से अपील।

उपायुक्त ने आजीविकोत्सव सरस मेला 2026 की तैयारियों को लेकर किया स्थलीय निरीक्षण



गोड्डा, 22 नवंबर : आगामी पलाश आजीविकोत्सव सरस मेला 2026 के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्रा के द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पलाश आजीविकोत्सव सरस मेला 2026 की तैयारियों का व्यापक जायजा लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था, विधि-व्यवस्था संधारण, भीड़ नियंत्रण, प्रवेश एवं निकास द्वारों की समुचित व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी, कंट्रोल रूम का गठन, अग्निशमन व्यवस्था एवं आपातकालीन सेवाओं की तत्परता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि पलाश आजीविकोत्सव सरस मेला जिले के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन है, ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करें, ताकि आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के क्रम में साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, अस्थायी शौचालय, विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, मंच निर्माण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी, स्टॉल आवंटन एवं पार्किंग स्थल की व्यवस्था पर विचार विमर्श कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त विस्पुते श्री कांत यशवंत, नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद प्रसाद अग्रवाल, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल एवं डीपीएम जेएसएलपीएस की टीम मौजूद थी।

खबरकोना

ग्राम प्रधानों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित, अंग वस्त्र देकर किया गया सम्मानित



साहिबगंज, 22 नवंबर : जिले के बरहरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में रविवार को झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के लगभग दो दर्जन ग्राम प्रधानों की एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम प्रधानों को उनके दायित्वों के प्रति जागरूक करना और जमीनी स्तर पर प्रशासनिक समन्वय को मजबूत बनाना था। कार्यशाला में मौजूद अंचल अधिकारी अनोज कुमार, बरहरवा प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास और कार्यपालक पदाधिकारी दीपक कुमार ने ग्राम प्रधानों को उनके कार्यों एवं जिम्मेदारियों का बोध कराया। अधिकारियों ने उपस्थित ग्राम प्रधानों को स्थानीय लोगों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही ग्राम सभा के संचालन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई और सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से भी अवगत कराया गया। इस दौरान प्रशासनिक कार्यों में ग्राम प्रधानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आपसी सामंजस्य में ग्राम प्रधानों की भागीदारी बेहद अहम है।

शिशु मंदिर में बालक बालिका व्यक्तित्व कार्यशाला सह प्रतियोगिता का आयोजन



साहिबगंज, 22 नवंबर : बाबूलाल नंदलाल बोहरा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मे रविवार को मासिक बालक बालिका व्यक्तित्व कार्यशाला सह प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार आजाद के नेतृत्व में आयोजित किया गया । मौके पर मुख्य अतिथि बरहरवा थाना के सहायक अवर निरीक्षक ऐस्थर टुडू मौजूद रही। वही कार्यशाला सह प्रतियोगिता में साहिबगंज संकुल के बोरियों, साहिबगंज, लालमाटी, राजमहल एवं बरहरवा संकुल के बरहरवा, कोटाल पोखर, जामनगर, एवं उधवा के प्रधानाचार्य गण शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान कुल आठ शिशु मंदिर के 91 भैया बहनों ने प्रतियोगिता कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जिसमें मुख्य रूप से मेहंदी, रंगोली, मुर्तिकला, गीत, त्वरित भाषण सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भैया बहनों को सम्मानित किया गया, जबकि प्रतियोगिता में शामिल सभी भैया बहनों को मिल्टन का टिफिन बॉक्स देकर सम्मानित किया गया है।

साइक्लोन के असर से बेमौसम बारिश ने बढ़ाई किसानों की चिंता



साहिबगंज, 22 नवंबर : जिलेभर के किसान बीते तीन दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश के कारण खासे चिंतित और परेशान नजर आ रहे हैं। साइक्लोन के प्रभाव से लगातार हो रही इस बारिश ने अन्नदाताओं की कमर तोड़ने का काम किया है। इस वर्ष जिले में धान की फसल काफी अच्छी मानी जा रही थी, जिससे किसानों में बेहतर पैदावार और मुनाफे की उम्मीद जगी थी। कई किसानों ने धान की फसल काटकर खेतों में ही छोड़ रखी थी, लेकिन अचानक आए मौसम के बदलाव और साइक्लोन के असर से हुई बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।निचले खेतों में कटी पड़ी धान की फसल बारिश के पानी में डूब गई है, जिससे फसल के खराब होने और सड़ने का खतरा मंडराने लगा है। जमीनी तस्वीरों में भी साफ देखा जा सकता है कि कटी हुई धान की फसलें जलमग्न खेतों में पड़ी हुई हैं। पानी भरे खेतों और कीचड़ के कारण किसानों के लिए इस भीगी हुई फसल को सुरक्षित घर या खलिहान तक पहुंचाना बेहद मुश्किल प्रतीत हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में किसानों को श्रम और समय दोनों की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। लंबे समय तक फसल की देखभाल के बाद कटाई के समय हुई इस बारिश ने किसानों की आर्थिक स्थिति को लेकर नई चिंता खड़ी कर दी है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ और पानी नहीं सूखा, तो भीगी फसल से दाने झड़ने या अंकुरित होने की आशंका बढ़ जाएगी।

पल्स पोलियो अभियान का आगाज, तीन दिनों में 2,64,166 बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य

साहिबगंज, 22 नवंबर : साहिबगंज में तीन दिवसीय पल्स पोलियों अभियान का शुभारंभ रविवार को किया गया। अभियान के तहत जिले में 2,64,166 बच्चों को खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 1,411 पोलियो बूथ, 38 ट्रांजिट टीमें, 48 मोबाइल टीमें और 110 सब-डिपो बनाए गए हैं। वहीं बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को पल्स पोलियों अभियान का विधिवत शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी सनी कुमार दास, अंचल अधिकारी अनोज कुमार और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सरिता टुडू ने संयुक्त रूप से बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर शुरूआत की।

झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस समारोह पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

देश प्राण संवाददाता



गोड्डा, 22 नवंबर : स्थानीय शुभदा बैंक्वैट हॉल में भगवान बिरसा मुंडा जयंती एवं झारखंड राज्य स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत जिला खेल कार्यालय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।संस्कृति कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त लोकेश मिश्रा, उप विकास आयुक्त श्री विस्पुते कांत यशवंत, अनुमंडल पदाधिकारी वैद्यनाथ उरांव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आकाश भारद्वाज, जिला खेल पदाधिकारी प्राण महतो, के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मंत्री सह विधायक प्रतिनिधि, धनंजय यादव एवं राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य इकरारउल हसन आदि मौजूद थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोककला, लोकगीत एवं लोकनृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों द्वारा राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया गया। स्थानीय कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से झारखंड की गौरवशाली परंपराओं, जनजातीय जीवनशैली एवं प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला उपायुक्त ने कहा कि राज्य स्थापना पखवाड़ा समारोह-2026 के अंतर्गत जिले में प्रतिदिन विभिन्न कार्यालयों के द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम एवं अन्य गतिविधिया आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में आज खेल कार्यालय के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

यह कार्यक्रम झारखंड की संस्कृति सामूहिकता, सामाजिक समरसता, प्रकृति संरक्षण एवं पारंपरिक ज्ञान की समृद्ध परंपरा की प्रतीक को दशार्ता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष, स्वाभिमान एवं जल-जंगल-जमीन की रक्षा के आदर्शों को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी को राज्य के गौरवशाली इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

पुलिस ने चलाया डायल 112 जागरूकता अभियान

गोड्डा, 22 नवंबर : डायल 112 आपातकालीन सेवा के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस ने रविवार को हिरणपुर सुभाष चौक पर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व एएसआई अरुण कुमार ने किया। इस दौरान लोगों को 112 आपातकालीन नंबर की उपयोगिता व इसके माध्यम से मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस की मदद लेने के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को आपातकालीन सेवाओं का सही उपयोग करने का संदेश दिया गया। लोगो से अपील करते हुए कहा कि पुलिस आपके सेवा के लिए हर पल तैयार है। आप इस नम्बर पर डायल कर हमें सहयोग करे। जिससे कि हम निर्दिष्ट कार्य को ससमय कर सके। पुलिस पब्लिक की सहयोग से ही अपराधमुक्त समाज का निर्माण हो पायेगा। विशेष परिस्थितियों में भी हम आपके सहयोग के लिए तैयार है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की एसआईआर तैयारियों की समीक्षा

देश प्राण संवाददाता



साहिबगंज, 22 नवंबर : झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर निर्वाचन विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में रविवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने साहिबगंज जिले के राजमहल का दौरा किया।

इस दौरान जिले के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी दीपक कुमार दुबे भी उनके साथ मौजूद रहे। ?राजमहल पहुँचने पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने अनुमंडलीय कार्यालय का जायजा लिया और निर्वाचन कार्य में जुटे अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया की मौजूदा स्थिति और अब तक की गई तैयारियों का बारीकी से आकलन किया। ?समीक्षा के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची में दर्ज नामों व अन्य विवरणों के सत्यापन, जरूरी दस्तावेजों के संग्रह और पुनरीक्षण से जुड़ी तमाम प्रक्रियाओं की जानकारी ली। उन्होंने अब तक हुए काम की प्रगति और आगे की रणनीति पर भी अधिकारियों से चर्चा की।

के. रवि कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाचन से जुड़े सभी कार्य तय मानकों के अनुसार पूरी पारदर्शिता, व्यवस्थित ढंग और बिना किसी त्रुटि के पूरे किए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि पुनरीक्षण कार्य में पूरी सतर्कता बरती जाए और सभी नियमों का सख्ती से पालन हो। ?दूसरी ओर, उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को जिले में चल रही निर्वाचन तैयारियों और एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे।

संपूर्ण शिक्षा कवच कार्यक्रम में करियर काउंसलिंग का आयोजन

देश प्राण संवाददाता



गोड्डा, 22 नवंबर : उप विकास आयुक्त विस्पुते कांत यशवंत की अध्यक्षता में 'संपूर्ण शिक्षा कवच' कार्यक्रम के अंतर्गत करियर काउंसलिंग एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाना, मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2027 में विद्यार्थियों का उत्कृष्ट परिणाम सुनिश्चित करना, छात्र-छात्राओं को उचित शैक्षणिक एवं करियर मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना था।कार्यक्रम में बताया गया कि मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2027 के लिए आवेदन प्रपत्र भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में परीक्षा प्रारंभ होने की संभावना है।

ऐसे में विद्यार्थियों के पास उपलब्ध समय का सदुपयोग करते हुए निर्धारित शैक्षणिक पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करना एवं नियमित पुनरावृत्ति करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्धारित पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए नियमित पुनरावृत्ति एवं अभ्यास सत्र संचालित करने तथा। विशेष रूप से पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों को चिह्नित कर उनके लिए अतिरिक्त कक्षाओं, नियमित अनुश्रवण एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही ताकि मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2027 में जिले का परिणाम उत्कृष्ट हो सके।

कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को उनकी रुचि, क्षमता एवं शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप भविष्य में करियर का चयन करने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उच्च विद्यालयों, +2 विद्यालयों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों के प्रधानाचार्यों तथा छात्र-छात्राओं का अभिनंदन एवं सम्मान किया गया। उप विकास आयुक्त कहा कि हमारी शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ऐसे समाधानों की आवश्यकता है, जो गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध और कम लागत वाले हों।

संविधान केवल दस्तावेज नहीं, अधिकारों की गारंटी है : निताय सरकार

देश प्राण संवाददाता



साहिबगंज, 22 नवंबर : जिले के बंगालीटोला स्थित कांग्रेस कार्यालय में रविवार को एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता निताय सरकार ने कहा कि भारतीय संविधान की रक्षा, लोकतंत्र की मजबूती और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के संकल्प के साथ 26 नवंबर को रांची में संविधान रक्षा मार्च निकाला जा रहा है।

निताय सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान महज एक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक न्याय, समानता और प्रत्येक नागरिक के सम्मान व अधिकारों की गारंटी है। यह हर नागरिक को समान अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का हक देता है। उन्होंने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऐसे समय में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज उठाना बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रही है और आगे भी यह लड़ाई जारी रखेगी।

प्रेस वार्ता के माध्यम से सभी संघर्षशील संगठनों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से 26 नवंबर को रांची पहुंचकर संविधान रक्षा मार्च को सफल बनाने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि यह मार्च केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मौलिक अधिकारों की रक्षा के प्रति एक सामूहिक संकल्प का प्रतीक है, जिसके जरिए देश और प्रदेश की जनता को एकजुटता का संदेश दिया जाएगा।

स्थापना दिवस के अवसर पर ग्राम व्यवस्था के संरक्षकों को किया सम्मानित

देश प्राण संवाददाता

पाकुड़, 22 नवंबर : झारखण्ड स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को घाघरजानि स्थित प्रखण्ड कार्यालय सभागार में पारम्परिक ग्राम व्यवस्था के संरक्षकों का अभिनन्दन व सम्मान समारोह आयोजित हुई।

जहां अंचलाधिकारी मनोज कुमार व बीडीओ टुडू दिलीप ने सभी पारम्परिक ग्राम प्रधान , मांझी , परगनैत , नायके , गौड़ेत व अन्य संरक्षकों को शाल पहनाकर सम्मानित किया। वही प्रशस्तिपत्र भी दी गई। उपस्थित ग्राम संरक्षकों को सम्बोधित करते हुए सीओ ने कहा कि झारखंड की पहचान उसकी पारम्परिक ग्राम व्यवस्था , ग्राम सभा की परम्परा , सामूहिक निर्णय की संस्कृति व जल , जंगल , जमीन के संरक्षण की भावना से है। पारम्परिक ग्राम व्यवस्था के द्वारा पीढ़ियों से गांव में शांति , भाईचारा ,सामाजिक न्याय व सांस्कृतिक मूल्यों को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीडीओ ने कहा कि राज्य का गठन आदिवासी अस्मिता , भाषा , संस्कृति व स्वशासन की आंकाक्षा का परिणाम है।

पारम्परिक व्यवस्था को सशक्त करना ही सच्चे अर्थों में ग्राम स्वराज को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के दौरान ग्राम व्यवस्था के संरक्षकों द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में किये जा रहे कार्य , अनुभव व सुझाओ को साझा किया।

सीओ ने सभी को आश्वस्त किया कि समन्वय बनाकर विकास योजनाओं व जन कल्याणकारी कार्यक्रमो का क्रियान्वयन और अधिक प्रभावी ढंग से किया जाएगा। इस दौरान अंचल निरीक्षक सहित सभी राजस्व कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित

साहिबगंज, 22 नवंबर : झारखंड स्थापना दिवस पखवाड़ा के तहत उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति, साहिबगंज दीपक कुमार दूबे के निदेर्शानुसार मुफस्सिल थाना परिसर में वाहन चालकों के लिए विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देना रहा।इस दौरान वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, वाहन चलाते समय सतर्कता बरतने तथा यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक अनुपालन करने की जानकारी दी गई। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों एवं उनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराते हुए सभी चालकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

➡ डीसी ने विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर कार्यों का किया निरीक्षण

पदाधिकारियों से एसआईआर की प्रगति की जानकारी ली

देश प्राण संवाददाता



पाकुड़, 22 नवंबर : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड श्री के. रवि कुमार ने आज साहेबगंज एवं पाकुड़ जिले के राजमहल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र एवं पाकुड़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों से संबंधित सुनवाई के कागजातों एवं अभिलेखों का निरीक्षण किया तथा संबंधित। निरीक्षण के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी स्तर पर एसआईआर कार्यों की नियमित समीक्षा इस प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से विलोपित करने की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया करने के उपरांत ही की जाएगी।

इस हेतु निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा ड्राफ्ट मतदाता सूची के ऐसे मतदाताओं को दो बार नोटिस जारी कर सुनवाई, घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन तथा सभी तथ्यों की जांच के उपरांत कारणयुक्त अंतिम आदेश अनिवार्य रूप से पारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान यह भी देखा जा रहा है कि 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले नए युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं।

पाकुड़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में निरीक्षण के क्रम में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कई ऐसे ड्राफ्ट मतदाता सूची के मतदाताओं के मामलों में पाया कि उनके द्वारा संबंधित दस्तावेज नहीं समर्पित किए गए हैं, जबकि यह निर्देशित है कि सभी पात्र भारतीय नागरिकों का सक्षम पदाधिकारी स्तर से नियमानुसार निरीक्षण करते हुए दस्तावेज निर्गत किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि निकटवर्ती राज्य पश्चिम बंगाल से भी कई व्यक्ति इस क्षेत्र में प्रवास कर रहें हैं। ऐसे व्यक्ति जिन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी द्वारा नोटिस प्राप्त हुआ है, परंतु उनका दस्तावेज निर्माण हेतु पश्चिम बंगाल में लंबित है।

ऐसे व्यक्ति दस्तावेज निर्माण हेतु भरे गए आवेदनों के पावती अपने वर्तमान विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के समक्ष अवश्य उपलब्ध कराएं जिससे पश्चिम बंगाल राज्य के सम्बन्धित पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए ऐसे आवेदकों का दस्तावेज उपलब्ध कराने में सहयोग किया जा सके।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम ने 720 रन बनाकर बनाए कई रिकॉर्ड

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड), 22 नवंबर (हि.स.) : भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में कई रिकॉर्ड्स बनाए। चौथे दिन रविवार को शानदार बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की थी। यह टेस्ट इतिहास में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि विदेशी धरती पर यह भारतीय टीम का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है।



इसके अलावा भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के नाम था। वेस्टइंडीज ने 1995 में वेलिंगटन के इसी मैदान पर पांच विकेट के नुकसान पर 660 रन बनाकर पारी घोषित की थी। अब भारत ने 720 रन बनाकर इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

यही नहीं, न्यूजीलैंड की धरती पर किसी भी मेहमान टीम का यह टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ही नाम था। मेजबान टीम ने 2019 में हैमिल्टन में बांग्लादेश के खिलाफ छह विकेट पर 715 रन बनाए थे। भारतीय टीम ने इस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

विदेश में भारत का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोरवेलिंगटन टेस्ट में 720 रन बनाकर भारतीय टीम ने विदेशी धरती पर अपना सर्वोच्च टेस्ट स्कोर भी बना दिया है। इससे पहले भारत का विदेश में सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर 707 रन था, जो उसने साल 2010 में श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में बनाया था। टेस्ट में पांचवीं बार 700 रन के पार पहुंचा भारतभारतीय टीम ने एक और उपलब्धि हासिल की है। टेस्ट क्रिकेट की एक पारी में 700 या उससे अधिक रन बनाने के मामले में भारत अब दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वेलिंगटन टेस्ट में 720 रन का स्कोर भारत का पांचवां 700 प्लस स्कोर है। इस सूची में श्रीलंका पहले स्थान पर है। श्रीलंकाई टीम ने टेस्ट क्रिकेट में सात बार एक पारी में 700 से अधिक रन बनाए हैं। भारत के बाद इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज का नंबर आता है। इन तीनों टीमों ने चार-चार बार टेस्ट की एक पारी में 700 से अधिक रन बनाने का कारनामा किया है। वेलिंगटन टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, न्यूजीलैंड के सामने विकेट बचाने की चुनौती।

न्यूजीलैंड में शतक बनाना मेरा लक्ष्य था : ऋषभ पंत

वेलिंगटन, 22 नवंबर (हि.स.) : भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि न्यूजीलैंड में शतक बनाना उनका लक्ष्य था। चुनौतीपूर्ण पिच पर लंबे समय तक क्रीज पर टिककर टीम के लिए योगदान देना उनकी प्राथमिकता थी। पंत ने कहा कि उन्हें मैदान पर रहना बेहद पसंद है और वह बल्लेबाजी के साथ-साथ फील्डिंग और विकेटकीपिंग का भी पूरा आनंद लेते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट की पहली पारी में ऋषभ पंत ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने अपने चिरपरिचित आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। रविवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पंत ने अपनी बल्लेबाजी, शतक पूरा करने की रणनीति और मैदान पर खेल का आनंद लेने को लेकर खुलकर बात की।

पंत ने कहा कि मुझे लगता है कि यह वास्तव में बेहतरीन पारी थी। न्यूजीलैंड में शतक बनाना मेरी प्राथमिकता थी। ऐसी पिच पर, जहां रन बनाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है और बाकी बल्लेबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों ।

विल जैक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी बचे टी-20 मैचों से बाहर



मेलबर्न, 22 नवंबर (हि.स.) : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स बाकी वाइट-बॉल सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि, उनकी जगह किस खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इंग्लैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार रात खेले गए टी-20 मैच में हाथ में चोट लगने के कारण विल जैक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड पुरुष टीम के बाकी 'व्हाइट बॉल' दौरे से बाहर हो गए हैं। टीम में जैक्स की जगह किसे शामिल किया जाएगा, इस बारे में जानकारी जल्द ही दी जाएगी। इसी के साथ बोर्ड ने विल जैक्स के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की।

मेलबर्न में 21 नवंबर को खेले गए पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीन विकेट से हराया था। इसी मैच में वह ऑस्ट्रेलिया की पारी के दौरान 19वां ओवर करने आए थे। ओवर की चौथी गेंद पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बेन ड्वारशुइस के तेज शॉट को कैच करने की कोशिश के दौरान गेंद उनके हाथ की उंगलियों में लगी और उनके हाथ से खून निकलने लगा, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा था। वह अपना पूरा ओवर भी नहीं फेंक पाए थे। हेनरी क्रोकोम्ब्रे ने उनकी जगह ओवर की बची दो गेंद डालीं थी। उन्होंने इन गेंदों पर सिर्फ एक रन दिया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ओवर में जीत के लिए 11 रन चाहिए थे और जैक एडवर्ड्स ने टीम को जीत दिला दी। सीरीज का दूसरा मुकाबला मंगलवार को क्वींसलैंड में खेला जाएगा।

पांचवा श्री हनुमान कप 2026 राज्य स्तरीय इनामी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट 24 नवंबर से

- प्रदेश की आठ टीमें लेंगी हिस्सा

लखनऊ, 22 नवंबर (हि.स.) : वीर शिवाजी हॉकी अकादमी, लखनऊ के तत्वावधान में पाँचवें श्री हनुमान कप 2026 राज्य स्तरीय इनामी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन 24 से 28 नवंबर 2026 तक पद्मश्री मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम, गोमती नगर, लखनऊ में किया जाएगा।

वीर शिवाजी हॉकी अकादमी, लखनऊ के अध्यक्ष गौरव अवस्थी ने बताया कि इस पाँच दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश की 8 प्रमुख टीमें प्रतिभाग करेंगी। इनमें भारतीय खेल प्राधिकरण, लखनऊ हॉस्टल, झांसी हॉस्टल, बनारस हॉस्टल, रामपुर हॉस्टल, सैफई स्पोर्ट्स कॉलेज, गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज एम्पायर **स्पोर्टस एकेडमी, प्रयागराज शामिल हैं।**

प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर खेली जाएगी। टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को 30 हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच के रूप में एक हजार रुपये नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में हॉकी खेल को बढ़ावा देना, युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना तथा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए एक बेहतर खेल मंच उपलब्ध कराना है।

अस्मिता वुशु स्टेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

- सांदा में पदकों के लिए जोरदार मुकाबला

देश प्राण संवाददाता

रांची, 22 नवंबर : खेलो इंडिया अस्मिता वुशु स्टेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज सांदा स्पर्धा के मुकाबले जारी रहे। सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर तीनों आयु वर्गों की महिला खिलाड़ियों ने पदक जीतने के लिए पूरे दमखम के साथ अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। विभिन्न भार वर्गों में खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

प्रतियोगिता का संचालन मुख्य रेफरी दीपक गोप एवं रत्नेश कुमार के नेतृत्व में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के अंतर्गत कल सांदा के सेमीफाइनल मुकाबले आयोजित होंगे, जबकि परसों फाइनल मुकाबलों के साथ पदक विजेताओं का फैसला होगा।



सांदा प्रतियोगिता के साथ-साथ आज सब-जूनियर वर्ग की ताउलु स्पर्धा का भी आयोजन किया गया, जिसमें महिला खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी दक्षता, संतुलन एवं कौशल का प्रदर्शन किया इस अवसर पर झारखंड वुशु एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सह हेड और डिन डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, रांची यूनिवर्सिटी प्रोफेसर मुकुंद मेहता एवं झारखंड सेपक टकरा संघ के अध्यक्ष श्री उदय साहू, उपाध्यक्ष श्री विभूति भूषण ने प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर चंचल भट्टाचार्य, शैलेन्द्र दुबे सहित अन्य खेल पदाधिकारी एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का सीरीज पर कब्जा, आखिरी मैच 2-2 से ड्रॉ

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), 22 नवंबर (हि.स.) : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। दोनों टीमों के बीच रविवार को ऑकलैंड के लॉयड एल्स्मोर हॉकी स्टेडियम में खेला गया सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा।

भारतीय टीम ने सीरीज के पहले मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की थी, जबकि बाकी दोनों मैच ड्रॉ रहे। आखिरी मुकाबले में भारत के लिए कप्तान संजय (16वें मिनट) और सेल्वम कार्थि (18वें मिनट) ने गोल किए, जबकि न्यूजीलैंड के लिए डायलन थॉमस (9वें मिनट) और बेंजी कुलहेन (55वें मिनट) ने गोल किए।

तीसरे और आखिरी मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने आक्रामक शुरूआत की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय राणा ने 16वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके दो मिनट बाद ही सेल्वम कार्थि ने 18वें मिनट में फील्ड गोल करते हुए भारत को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी बढ़त बरकरार रखने के लिए मजबूत खेल दिखाया।

तीसरे और चौथे क्वार्टर में भारतीय टीम बढ़त बनाए हुए थी। हालांकि, मुकाबला समाप्त होने से पांच मिनट पहले यानी 55वें मिनट में बेंजी कुलहेन ने गोल करके न्यूजीलैंड को 2-2 की बराबरी पर ला दिया।

जमशेद आलम का टी-20 में पदार्पण रहा यादगार

इंदौर, 22 नवंबर (हि.स.) : रेलवे के 23 वर्षीय तेज गेंदबाज जमशेद आलम का टी-20 पदार्पण शानदार रहा। उन्होंने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी-2026 में सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते हुए लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह टी-20 क्रिकेट में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। क्रिकइंफो के अनुसार रेलवे ने रविवार को इंदौर के डेली कॉलेज ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 182 रन बनाए थे। इसके जवाब में सौराष्ट्र 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी और 29 रन से मुकाबला हार गई। सौराष्ट्र की पारी के दौरान चौथे ओवर में गेंदबाजी करने आए आलम ने अपनी पहली ही गेंद से कहर बरपाना शुरू कर दिया था।

मध्य रेल की अनुपमा रामचंद्रन ने जीती विश्व महिला स्नूकर चैंपियनशिप

- अनुपमा ने इंदौर में नौ देशों की 22 खिलाड़ियों को पछाड़कर जीता खिताब- रेलवे शूटिंग चैंपियनशिप में मध्य रेल ने 12 स्वर्ण सहित जीते 25 पदक

मुंबई, 22 नवंबर (हि.स.) : मध्य रेल के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मध्य रेल की खिलाड़ी अनुपमा रामचंद्रन ने इंदौर में आयोजित आईबीएसएफ विश्व महिला स्नूकर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है।

वहीं, मध्य रेल की निशानेबाजी टीम ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल में आयोजित 59वीं अखिल भारतीय रेलवे शूटिंग चैंपियनशिप में ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया।

मध्य रेल की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अनुपमा रामचंद्रन ने 17 से 21 नवंबर तक इंदौर में आयोजित विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग का खिताब जीता। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में नौ देशों की 22 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। अनुपमा ने विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन एवं मध्य रेल के वरिष्ठ खेल अधिकारी तथा अनुभवी कोच अशोक शांडिल्य के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल की।

इसी तरह, 16 से 20 नवंबर तक आसनसोल में आयोजित



59वीं अखिल भारतीय रेलवे शूटिंग चैंपियनशिप में मध्य रेल की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में भारतीय रेल की विभिन्न क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों की 15 टीमों के कुल 120 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। मध्य रेल ने 16 खिलाड़ियों की टीम के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए कुल 25 पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की।

मध्य रेल के निशानेबाजों ने प्रतियोगिता में 12 स्वर्ण, एक रजत और 12 कांस्य पदक हासिल किए। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में पंकज मुखेजा, फूलचंद बांगर, सुमेध कुमार देवलालीवाला, रिया थत्ते, शहू माने, पायल, राहुल पाटिल, जितेंद्र विभूते और राधिका हवालदार शामिल हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मार्करम करेंगे कप्तानी, बावुमा चोट के कारण बाहर



सेंचुरियन, 22 नवंबर (हि.स.) : दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ सोमवार यानी 23 नवंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए अपनी प्लेइंग-11 घोषित कर दी है। टीम ने पहले टेस्ट की तुलना में दो बदलाव किए हैं। नियमित कप्तान टेम्बा बावुमा की गैरमौजूदगी में एडेन मार्करम टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, टोनी डी जोरजी को बावुमा की जगह प्लेइंग-11 में शामिल किया गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे की भी टीम में वापसी हुई है।

आईसीसी के अनुसार बावुमा पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय दाहिनी पिंडली में खिंचाव आने के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह शामिल किए गए टोनी डी जोरजी ने अब तक 17 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने कुल 919 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 177 रन है, जो उन्होंने 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ ही बनाया था।

वहीं, गेंदबाजी विभाग में एनरिक नॉर्टजे की वापसी हुई है। उन्हें डेन पैटरसन की जगह टीम में शामिल किया गया है। नॉर्टजे की वापसी से दक्षिण अफ्रीका का तेज गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत होगा।

दक्षिण अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग में खेले गए पहले टेस्ट में पांचवें दिन जीत दर्ज करते हुए दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली थी। अब टीम की नजरें सेंचुरियन टेस्ट जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी। दूसरी ओर, बांग्लादेश की टीम दूसरा मुकाबला जीतकर सीरीज बराबर करना चाहेगी।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका फिलहाल शीर्ष स्थान पर है, जबकि बांग्लादेश पांचवें स्थान पर काबिज है। दूसरा टेस्ट 23 से 27 नवंबर तक सेंचुरियन में खेला जाएगा।

दूसरे टेस्ट के लिए दक्षिण अफ्रीका की प्लेइंग इलेवनः एडेन मार्करम (कप्तान), मार्केस एकरमैन, जुबैर हमजा, टोनी डी जोरजी, मैथ्यू ब्रीट्जके, रयान रिकेल्टन, वियान मुल्डर, मार्को जानसन, साइमन हार्मर, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे।

फिट युवा, नशामुक्त युवा से ही बनेगा विकसित भारत : मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

गांधीनगर, 22 नवंबर (हि.स.) : केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं का फिट, स्वस्थ और नशामुक्त होना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से साइकिल चलाने को अपना जुनून बनाने और इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने यह बातें रविवार को फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 99वें संस्करण के दौरान कहीं। उन्होंने गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के साथ गांधीनगर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। संविधान दिवस की थीम पर आधारित 99वां संस्करण रविवार को देशभर के 26,000 स्थानों पर आयोजित किया गया।

डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रही हैं। संडेज ऑन साइकिल के 99वें संस्करण में देशभर के 26,000 स्थानों पर लोगों की भागीदारी इस अवसर को विशेष बनाती है, खासकर तब जब हम 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिटनेस केवल कुछ घंटों या किसी विशेष दिन तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए।

केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि साइकिल चलाना केवल एक शारीरिक गतिविधि नहीं है बल्कि यह फिटनेस को बढ़ावा देने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने का एक माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि



युवाओं को न केवल अपने करियर के प्रति बल्कि फिटनेस और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर भी जागरूक होना चाहिए।

डॉ. मांडविया ने साइकिल चलाने को लोकप्रिय जीवनशैली विकल्प बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि साइकिल चलाने में अधिक जनभागीदारी से फिटनेस को बढ़ावा मिलेगा और एक स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि जब छोटे-छोटे व्यक्तिगत प्रयास एक साथ मिलते हैं, तो वे बड़ा बदलाव ला सकते हैं और विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि फिट इंडिया का सरल मंत्र है कि प्रत्येक नागरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने। जब हमारे नागरिक फिट होंगे, तो हमारा समाज स्वस्थ होगा और एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए स्वस्थ समाज आवश्यक है। आइए हम सभी मिलकर फिटनेस को प्राथमिकता दें और विकसित भारत की यात्रा में योगदान करें।

देशभर में बढ़ती जनभागीदारी को आगे बढ़ाते हुए डॉ. मांडविया ने घोषणा की कि 29 नवंबर को संडेज ऑन साइकिल का 100वां संस्करण देश में ओलंपिक आंदोलन का जश्न मनाएगा।

गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने संडेज ऑन साइकिल में देशभर में बढ़ती जनभागीदारी की सराहना की। फिट इंडिया के ब्रांड एंबेसडर राकेश सैनी और भीष्म माधानी के साथ-साथ फिट इंडिया चैंपियन भानु और उर्वी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र गांधीनगर द्वारा किया गया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए मुशफिकुर रहीम



सेंचुरियन, 22 नवंबर (हि.स.) : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले बांग्लादेश की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ग्रोइन इंजरी के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 23 नवंबर से सेंचुरियन में खेला जाना है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार मुशफिकुर को पहले टेस्ट के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया गया, जिसमें पेल्विक बोन के आसपास सूजन और जलन का पता चला है। बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के फिजियोथेरेपिस्ट बायजेदुल इस्लाम खान ने खिलाड़ी की स्थिति के बारे में अपडेट देते हुए बताया कि उन्हें तुरंत आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत है।

बायजेदुल इस्लाम खान ने कहा कि पहले टेस्ट मैच के दौरान मुशफिकुर ने बाएं ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द की शिकायत की थी। टेस्ट के बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया गया, जिसके नतीजों में पेल्विक बोन के आसपास सूजन और जलन की पुष्टि हुई।

उन्होंने कहा कि चोट को और गंभीर होने से रोकने तथा इससे उबरने के लिए उन्हें तत्काल आराम और विशेष रिहैबिलिटेशन की जरूरत है। इसी वजह से वह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

मुशफिकुर रहीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में खाता भी नहीं खोला था, जबकि दूसरी पारी में वह 22 रन बनाकर आउट हुए थे। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें दिन नौ विकेट से जीत दर्ज की थी।

मुशफिकुर रहीम के अलावा बांग्लादेश को तेज गेंदबाज हसन महमूद की फिटनेस को लेकर भी चिंता है। दाएं हाथ की कोहनी में परेशानी के कारण उनके दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाकी मुकाबलों में खेलने पर भी संशय बना हुआ है।

दोनों खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी बांग्लादेश के लिए बड़ा झटका होगा।

346 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली 105 विकासात्मक परियोजनाओं का हुआ उद्घाटन

दरभंगा एयरपोर्ट का नाम महाकवि विद्यापति के नाम पर रखने के लिए प्रधानमंत्री से करेंगे आग्रह : सम्राट

दरभंगा एयरपोर्ट का रन-वे होगा 4 किलोमीटर लंबा, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की मिलेगी सुविधा, मार्च 2027 से पहले नए टर्मिनल भवन का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

देश प्राण संवाददाता



पटना, 22 नवम्बर : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज दरभंगा जिले के नागेन्द्र झा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 346 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 105 विकासात्मक परियोजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

इनमें 103 विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 2 विकासात्मक परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकवि विद्यापति मिथिला की महान पहचान हैं। उनकी प्रतिमा राजकीय सम्मान के साथ स्थापित की जाएगी। दरभंगा एयरपोर्ट का नामकरण महाकवि विद्यापति के नाम पर करने के लिए प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी से आग्रह करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। इसका रन-वे 4 किलोमीटर लंबा होगा, जो पटना एयरपोर्ट के रन-वे से लगभग डेढ़ गुना होगा। यहां से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। दरभंगा एयरपोर्ट का विस्तार गया जी और पटना एयरपोर्ट से भी बड़ा होगा। एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य शुरू हो गया है। नए टर्मिनल भवन का निर्माण मार्च 2027 से पहले पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मिथिला की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि बिहार के विद्यालयों में कक्षा 1 से 6 तक मैथिली भाषा में पठन-पाठन की व्यवस्था की जाएगी। मां सीता के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान, साहित्य, कला एवं संस्कृति की इस पावन धरती मिथिला को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी ने कोसी-मेची लिंक परियोजना को जोड़ने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। उनके नेतृत्व में देश और बिहार में आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में लगातार कार्य हो रहे हैं। दरभंगा में एम्स निर्माण के लिए मिट्टी भराई एवं टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे मिथिला एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि मिथिला का इलाका मखाना एवं दूध उत्पादन का प्रमुख केंद्र है। मखाना आज केवल देश का ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया का सुपर फूड बन गया है। इससे किसानों को काफी लाभ मिल रहा है। देश में उत्पादित कुल मखाने का लगभग 80 प्रतिशत बिहार में होता है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने तथा कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक बिहार में 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन करना है। साथ ही, वर्ष 2030 तक एक करोड़ परिवारों को उद्यमी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि गया जी में 1700 एकड़ में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को धरातल पर उतारा गया है। इसी तर्ज पर दरभंगा में भी इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित करने की दिशा में कार्य शुरू किया जाएगा। दरभंगा में विभिन्न औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे, जिससे निवेश, रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2037 में बिहार अपनी स्थापना के 125 वर्ष पूरे करेगा। उस समय तक बिहार को विकसित एवं समृद्ध राज्य बनाने के लिए सरकार संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

खबर कोना

मुख्यमंत्री ने कवि कोकिल महाकवि स्व. विद्यापति की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की

पटना, 22 नवम्बर : कवि कोकिल महाकवि स्व० विद्यापति जी की पुण्यतिथि के अवसर पर विद्यापति भवन में आयोजित राजकीय समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्व० विद्यापति जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती शीला कुमारी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी, विधायक रत्नेश कुमार, विधायक विनोद नारायण झा सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्व० विद्यापति जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

दो अलग-अलग जगहों से 83.64 लीटर देशी-विदेशी शराब बरामद, तीन तस्कर गिरफ्तार

कटिहार, 22 नवंबर (हि.स.) : मद्यनिषेध अभियान के तहत बलिया बेलौन थाना पुलिस ने रविवार को शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर वाहन जांच अभियान चलाकर कुल 83.64 लीटर देशी और विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार करते हुए तस्करी में प्रयुक्त एक टेंपू और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पहली कार्रवाई मिणापुर चौक के समीप की गई। थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति टेंपू से अवैध विदेशी शराब की खेप लेकर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस बल ने मिणापुर चौक पर वाहन जांच शुरू की। पुलिस को देख टेंपू सवार भागने का प्रयास करने लगा, जिसे जवानों ने खदेड़कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान टेंपू से 47.64 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार तस्कर की पहचान कोढ़ा थाना क्षेत्र के बसगढ़ा निवासी मो. सोनू (28 वर्ष, पिता- मो. कुदुस) के रूप में हुई है। पुलिस ने शराब के साथ टेंपू को जब्त कर लिया है।

पटना में स्थापित होगी महाकवि विद्यापति की आदमकद प्रतिमा : सम्राट

अगले पांच वर्षों में बिहार में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य, एक करोड़ उद्यमी तैयार करने का संकल्प

देश प्राण संवाददाता

पटना, 22 नवम्बर : मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज पटना के मिलर हाई स्कूल परिसर में दो दिवसीय 73वें विद्यापति स्मृतिपर्व समारोह-2026 का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला की भाषा, साहित्य, कला और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए पटना में महाकवि विद्यापति जी की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाएगी। साथ ही, मधुबनी जिले के बिस्फी स्थित महाकवि विद्यापति जी की जन्मस्थली पर निमार्णाधीन स्मारक अगले छह महीने में बनकर तैयार हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने महाकवि विद्यापति जी को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि विद्यापति जी केवल मिथिला ही नहीं, बल्कि पूरे बिहार की सांस्कृतिक चेतना और गौरव के प्रतीक हैं। उनकी साहित्यिक विरासत आने वाली पीढ़ियों को अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने की प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि बिहार ज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति की भूमि है। यहां की मैथिली, मगही, अंगिका, बज्जिका सहित विभिन्न भाषाएं और बोलियां हमारी सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला की धरती माता सीता और महाकवि विद्यापति जी की विरासत से जुड़ी हुई है। मैथिली भाषा हमारी प्राचीन सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने मैथिली भाषा में भारतीय संविधान के प्रकाशन के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैथिली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान मिलना पूरे मिथिला समाज के लिए गौरव का विषय है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप सरकारी स्कूलों में पहली से छठी कक्षा तक स्थानीय भाषा के रूप में मैथिली की पढ़ाई शुरू की है। आने वाले समय में इसका और विस्तार किया जाएगा, ताकि बच्चे अपनी मातृभाषा के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़े रहें।

मिथिलांचल के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तर बिहार में बुनियादी सुविधाओं, सिंचाई, उद्योग और हवाई संपर्क के विस्तार पर काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेले का किया उद्घाटन

1,000 करोड़ रुपये से होगा बाबा हरिहरनाथ मंदिर का पुनर्विकास : सीएम

देश प्राण संवाददाता



पटना, 22 नवम्बर : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज सारण जिला के सोनपुर में बाबा हरिहरनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की तथा राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने सोनपुर में बिहार की सांस्कृतिक धरोहर के विश्वस्तरीय उत्सव एवं विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला-2026 का दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर सोनपुर मेला-2026 की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप एवं ए०आई० चैटबॉट का भी शुभारंभ किया। साथ ही 'गजेंद्र मोक्ष : भक्ति, आस्था और ईश्वरीय कृपा की अमर गाथा' पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। पर्यटन विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक मेले का आयोजन 22 नवंबर से 23 दिसंबर, 2026 तक किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान हरिहरनाथ के चरणों में नमन अर्पित करता हूं। सोनपुर मेले को केवल सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि इसे बिहार की अर्थव्यवस्था से जोड़कर विकास और रोजगार का बड़ा माध्यम बनाना है। उन्होंने कहा कि सोनपुर मेले को सांस्कृतिक आयोजन के साथ-साथ पर्यटन, व्यापार, रोजगार और अर्थव्यवस्था का प्रमुख वैश्विक केंद्र बनाने और अंतर्राष्ट्रीय मानकों तक पहुंचाने के लिए हमें सामूहिक प्रयास करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनपुर में दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाया जाएगा। इसके साथ ही यहां आधुनिक टाउनशिप भी विकसित की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा और गंडक नदियों से गाद निकालने का काम किया जाएगा। गंगा अंबिका पथ तथा सोनपुर से गोपालगंज तक नारायणी पथ का निर्माण कराया जाएगा। इससे क्षेत्र में आवागमन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सोनपुर और आसपास के क्षेत्रों में फूड प्रोसेसिंग यूनिट के माध्यम से तैयार होने वाले उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाया जाएगा। इससे स्थानीय किसानों, उद्यमियों और युवाओं को रोजगार एवं व्यवसाय के नए अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जून से पहले सोनपुर-हाजीपुर पुल को दो लेन से फोरलेन में चालू करने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय नीतीश कुमार ने वर्ष 2037 तक समृद्ध बिहार बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिये भी हम सबको मिलकर काम करना होगा। अगले पांच वर्षों में बिहार में 50 लाख करोड़ रुपये का निवेश लाने का लक्ष्य है। राज्य में विकास की गति को तेज करने के लिए सरकार आधारभूत संरचना, उद्योग, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 50 लाख बहनों को पशु सखी बनाया जाएगा। वर्ष 2030 तक बिहार में प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बिहार विकास व आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर : डॉ. प्रेम कुमार



पटना, 22 सितंबर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार आगमन पर बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने पटना हवाई अड्डे पर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने बिहार के विकास को विशेष प्राथमिकता दी है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार को विकास योजनाओं, आर्थिक सहयोग एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं के माध्यम से व्यापक सहयोग प्राप्त हो रहा है, जिससे राज्य में विकास की गति तेज हुई है।

उन्होंने कहा कि नीतीश सेतु का उद्घाटन, नए डिग्री कॉलेजों की स्थापना, माँ सीता महिला विश्वविद्यालय की स्वीकृति, गरीबों को पक्का आवास तथा बंद चीनी मिलों को पुनः चालू करने की पहल बिहार के आधारभूत, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा प्रदान करेंगी।

अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर बिहार के संकल्प तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। इससे विकसित बिहार और विकसित भारत की परिकल्पना साकार हो रही है।

अंत में, डॉ. प्रेम कुमार ने देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार को सर्वाधिक विकास योजनाओं एवं परियोजनाओं की सौगात देने तथा राज्य के विकास को विशेष प्राथमिकता प्रदान करने के लिए समस्त बिहारवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

पंकज झा ने किया बिहार पवेलियन का उद्घाटन, प्रणव कुमार ने की फिल्म उद्योग स्थापित करने की चर्चा

पटना, 22 नवंबर : आज दिनांक 22.11.26 को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के तीसरे दिन अभिनेता, लेखक और निर्देशक पंकज झा और फिल्म निमार्ता सागर श्रीवास्तव ने वेव्स फिल्म बाजार स्थित बिहार पवेलियन का विधिवत उदघाटन किया। मौके पर मौजूद बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम(फिल्म निगम) के प्रबंध निदेशक(एमडी) प्रणव कुमार(भा.प्र.से.) ने पंकज झा का स्वागत किया।

वह फिल्म निगम के आमंत्रण पर 'पॉलिसी टू पिक्चरः बिहार सिनेमैटिक राइज' विषय चर्चा के लिए गोवा में हैं। फिल्म निगम के एमडी प्रणव कुमार ने पंकज झा के साथ बिहार में फिल्म उद्योग को सुदृढ़ करने को लेकर चर्चा के बाद कहा कि राज्य सरकार फिल्म जगत के लोगों के सुझावों का स्वागत करती है। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में शूटिंग अनुमति से लेकर अनुदान की प्रक्रिया सहज और सरल है तथा बिहार में फिल्म शूट करने पर 4 करोड़ तक के अनुदान का प्रावधान है।

पंकज झा ने फिल्म नीति लागू करने के लिए सरकार का धन्यवाद देते हुए कहा, अभिनय एक अदृश्य कला है और ये तब सर्वश्रेष्ठ होती है जब नजर नहीं आती। मैं इसी का पालन करता हूँ। बिहार मेरा घर है और मैं यहाँ फिल्म उद्योग के विकास को अपना पूर्ण समर्थन देता हूँ।

फिल्म परामर्शी प्रो. अरविंद रंजन दास ने कहा कि गोवा में भाग लेने से देश विदेश के बड़े बड़े फिल्म निमार्ताओं को बिहार में आकर शूटिंग करने लिए प्रोत्साहित करने का बड़ा आकाश मिलता है। इस बार इस दिशा में काम करने का जबरदस्त मौका मिला है। प्रोड्यूसर ने शूटिंग परमिशन व अनुदान की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करने के बाद कहा कि वह मार्च में अपनी अगली हिंदी फिल्म की शूटिंग पूर्णिया में करेंगे। प्रोड्यूसर ने कहा कि उनकी फिल्म टिया बनकर रिलीज के लिए तैयार है और वह जल्द ही बड़े स्टार के साथ एक बड़ी बजट फिल्म की शूटिंग बिहार में करेंगे। बिहार की फिल्म नीति का असर अब जमीन पर दिखने लगा है। बिहार में पूरी तरह शूट हुई हिंदी फिल्म 'कबीर सर का आखिरी लेसन' की टीम बिहार पवेलियन पहुंची।

नीतीश सेतु के उद्घाटन कार्यक्रम से क्यों दूर रहे नीतीश

प्रशांत किशोर ने भाजपा से मांगा जवाब

देश प्राण संवाददाता

पटना, 22 नवंबर : जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने 'नीतीश सेतु' के उद्घाटन समारोह में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गैर मौजूदगी पर सवाल उठाए हैं। इस पुल का उद्घाटन शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। प्रशांत किशोर ने कहा कि इस अहम कार्यक्रम में नीतीश कुमार का न होना, उनकी सेहत और सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में उनकी घटती सक्रियता को लेकर सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री की तबीयत ठीक होती, तो वे निश्चित रूप से अपने नाम पर रखे गए इस पुल के उद्घाटन में जरूर शामिल होते। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को वैशाली जिले में गंगा नदी पर बने छह लेन वाले 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया। बिहार पहुंचने पर हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत 10 बार बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और एनडीए के कई अन्य नेताओं ने किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें वे हवाई अड्डे पर नीतीश कुमार से गर्मजोशी से मिलते और बातचीत करते नजर आ रहे हैं। प्रशांत किशोर ने सवाल उठाया कि जब पुल का नाम ही नीतीश कुमार के नाम पर रखा गया है, तो वे उद्घाटन समारोह में क्यों मौजूद नहीं थे? उन्होंने भाजपा और जेडीयू के नेतृत्व से यह स्पष्ट करने को भी कहा कि कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मंच पर क्यों मौजूद नहीं थे। प्रशांत किशोर ने कहा, साफ तौर पर देखा जा सकता है कि नीतीश कुमार कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। वे और उनकी पार्टी कहीं भी दिखाई नहीं दे रहे हैं और न ही उनकी कोई भागीदारी दिख रही है। जिस मंच पर पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखा गया, वहां खुद नीतीश कुमार ही मौजूद नहीं थे।

जन सुराज के संस्थापक ने कहा, पूरा बिहार जानता है कि अगर नीतीश कुमार स्वस्थ होते तो वे उस मंच पर जरूर होते। आखिरकार यह पुल बने, यह नीतीश कुमार का ही विजन था। कल नीतीश पटना में ही थे, इसलिए भाजपा और जेडीयू को बताना चाहिए कि उन्हें मंच पर क्यों नहीं बुलाया गया और वे वहां क्यों नहीं थे? इसका जवाब सिर्फ भाजपा के नेता ही दे सकते हैं।

ये टिप्पणियां एनडीए के भीतर नीतीश कुमार की भूमिका और उनकी मौजूदगी को लेकर चल रही राजनीतिक चचाओं के बीच आई हैं।

सभी भारतीय भाषाओं की उन्नति से हिन्दी उन्नत होगी : सी.पी. ठाकुर

अंगविभूति कपिल सिंह मुनि जयंती पर हुआ अंगिका महोत्सव

देश प्राण संवाददाता



पटना, 22 नवम्बर : सभी भारतीय भाषाओं की ऊन्नति से ही हिन्दी उन्नत होगी। इसलिए हमें देश की सभी भाषाओं और बोलियों का संरक्षण और उन्नयन करना चाहिए। हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा बने इसलिए यह आवश्यक है कि भारत के सभी भाषा-भाषी हिन्दी से भी उतना ही प्रेम करें, जितनी अपनी मातृ-भाषा से।

यह बातें रविवार को 'सरोवर साहित्य परिषद', के तत्त्वावधान में बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित अंग विभूति कपिल सिंह मुनि जयंती एवं अंगिका-महोत्सव का उद्घाटन करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मभूषण डा सी पी ठाकुर ने कही। उन्होंने कहा कि अंगिका एक समृद्ध भाषा है। इसे और उन्नत किया जाना चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि कपिल मुनि जी सर्वतोभावेन लोक-कल्याण की भावना से कार्य करने वाले एक समर्पित राष्ट्रभक्त साधु-पूरुष थे। उन्होंने न केवल स्वतंत्रता-आंदोलन में भाग लिया अपितु जीवन-पर्यन्त समाज की सेवा की। वे अंगिका और हिन्दी के घोर पक्षधर थे। उन्होंने एक साधु की भाँति अपना जीवन जिया। आरंभ में अतिथियों का स्वागत करते हुए परिषद के अध्यक्ष डा आर प्रवेश ने कहा कि अंगिका की ऊन्नति तभी होगी जब इसमें अधिकाधिक उच्च स्तरीय साहित्य का सृजन हो। गाज़ियाबाद से पधारे अंगिका के वरिष्ठ साहित्यकार डा अरुण कुमार पासवान, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में हिन्दी सलाहकार दीपक कुमार ठाकुर, पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के अधीक्षक डा अजय मण्डल , मुनि जी की पुत्रवधु डा गौरी रानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर साहित्य की मूल्यवान सेवा देने वाले साहित्यकारों को अंग विभूति कपिल सिंह मुनि स्मृति सम्मान से विभूषित किया गया।

सम्मान ग्रहण करने वालों में, वरिष्ठ कवि डा अरुण पासवान, रजनीश कुमार गौरव, सूर्य प्रकाश उपाध्याय, सरिता कुमारी मण्डल, डा नागेश्वर प्रसाद यादव, इन्दु भूषण सहाय, सुप्रिया रानी, प्रवीर कुमार पंकज, शैलेश कुमार शर्मा, अशोक कुमार, संतोष सिंह 'राख', नन्दन कुमार मीत तथा प्रेम प्रकाश के नाम सम्मिलित हैं।

कटिहार जंक्शन से आरपीएफ ने पांच नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू

कटिहार, 22 नवंबर (हि.स.) : कटिहार रेलमंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत कटिहार रेलवे स्टेशन पर पिछले छह दिनों के भीतर पांच नाबालिग बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। आरपीएफ कमांडेंट संदीप कुमार पीएस के निर्देश तथा कटिहार ईस्ट पोस्ट कमांडर विक्रम कुमार के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में तीन नाबालिग लड़कियां और दो नाबालिग लड़के शामिल हैं। ये सभी बच्चे परिजनों को बिना बताए अपने घर से निकल आए थे और स्टेशन परिसर में भटक रहे थे। रेलवे से मिली जानकारी अनुसार, आरपीएफ पोस्ट कटिहार ईस्ट के एएसआई हितेश चंदर और 'मेरी सहेली' टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या एक के सकुर्लेटिंग एरिया में परेशान हालत में घूम रही एक 13 वर्षीय किशोरी को रेस्क्यू किया।

राज्यों में होने वाले चुनाव में सिख लेंगे गुरु के अपमान का बदला: राजद

गुरुपर्व पर गुरु के घर में गुरु का अपमान

देश प्राण संवाददाता



पटना 22 अक्टूबर : राजद के प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने सरकार और भाजपा पर गुरुपर्व के अवसर पर गुरु के घर में हीं गुरु का अपमान करने का आरोप लगाया है। अगले साल राज्यों में होने वाले चुनाव में सिख वोटर इस अपमान का बदला अवश्य लेंगे।

गगन ने आज यहां कहा है कि आगामी 24 नवम्बर को पटना में श्री गुरुनानक देव जी का 557 वां प्रकाश पर्व (गुरुपर्व) मनाने की तैयारी चल रही है, उसके दो दिन पहले हीं दसवें और अंतिम गुरु श्री गुरु गोविन्द सिंह जी की जन्मभूमि पटना में हीं उनके नाम पर प्रस्तावित पुल का नाम बदल कर गुरु को अपमानित किया गया है। सरकार के इस अदूरदर्शी फैसले से आमलोगों और विशेषकर सिख समाज की भावनाओं को गहरा आघात लगा है।

उन्होंने कहा कि जब कच्ची दरगाह-विदुपुर छह लेन पुल का नामकरण सीखों के दसवें और अंतिम गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के नाम पर करने के संबंध में बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग को पूर्व में प्रस्ताव प्राप्त हो चुका था। बिहार विधानसभा में विभाग द्वारा इस पर कार्रवाई किए जाने की जानकारी भी दी गई थी, तो फिर नामकरण में बदलाव क्यों किया गया?

उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा के अठारहवें सत्र के द्वितीय सत्र में नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव द्वारा प्रस्तुत गैर सरकारी संकल्प संख्या 65/2026 के संदर्भ में पथ निर्माण विभाग के 10 फरवरी 2026 के जवाब में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन पुल का नाम दशम सिख गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी के नाम पर करने हेतु विभाग को पूर्व से प्रतिवेदन प्राप्त है और उसके आधार पर अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है।

अरुणाचल में अमित शाह ने 40 मोबाइल मेडिकल यूनिट वैन को दिखाई हरी झंडी, बोले-

दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले प्रदेश में स्वास्थ्य लाभ प्रत्येक गांव व परिवार तक पहुंचाना महत्वपूर्ण

ईटानगर, 22 नवंबर (हि.स.): केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अरुणाचल प्रदेश के दूर-दराज और दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए 40 मोबाइल मेडिकल यूनिट वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मोबाइल चिकित्सा इकाइयों के माध्यम से राज्य के 11 जिलों के लगभग 455 सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, एआई आधारित टीबी स्क्रीनिंग और टेलीमेडिसिन सेवाओं से लैस ये वैन ग्रामीण और सीमावर्ती आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण माध्यम बनेंगी।



रविवार को ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेंशन हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने इन मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले अरुणाचल प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रत्येक गांव और परिवार तक पहुंचाना बेहद महत्वपूर्ण है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से उन लोगों को भी चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी, जिन्हें अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

इन 40 मोबाइल मेडिकल यूनिट को राज्य के 11 जिलों के करीब 455 सीमावर्ती गांवों में तैनात किया गया है। इनमें आधुनिक जांच सुविधाओं के साथ एआई आधारित टीबी स्क्रीनिंग और टेलीमेडिसिन की व्यवस्था की गई है। इनके जरिए लोगों को मुफ्त चिकित्सा परामर्श, प्राथमिक उपचार और आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जरूरत पड़ने पर टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी परामर्श प्राप्त किया जा सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने सरस मेले का भी उद्घाटन किया। उन्होंने मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का दौरा किया और महिला स्वयं सहायता समूहों तथा सहकारी समितियों के सदस्यों से बातचीत की। उन्होंने स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्यमों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों की जानकारी ली।

अमित शाह ने रागा लैम्प्स में अनाज भंडारण गोदाम का उद्घाटन किया। इस पहल से किसानों और सहकारी समितियों को अनाज के सुरक्षित भंडारण की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने अरुणाचल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के उत्पादों की बिक्री के लिए एक ई-कॉमर्स वेबपेज भी लॉन्च किया।

इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उत्पादकों को अपने उत्पाद ऑनलाइन बाजार तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय उत्पादों की पहुंच राज्य के बाहर भी बढ़ सकती है और ग्रामीण महिलाओं की आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न सहकारी संस्थाओं को ऋण और पंजीकरण प्रमाण पत्र भी वितरित किए। संबंधित सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों ने ये प्रमाण पत्र प्राप्त किए। इन पहलों का उद्देश्य सहकारी संस्थाओं को संस्थागत और वित्तीय रूप से मजबूत बनाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि विकसित अरुणाचल का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब राज्य का प्रत्येक नागरिक और हर परिवार आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेगा। सहकारिता इस लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम बन सकती है। उन्होंने राज्य में सहकारी समितियों को बढ़ावा देने और उनके विकास पर विशेष जोर दिया।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

दो दिवसीय भारत यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, जितिन प्रसाद ने की अगवानी

काठमांडू, 22 नवंबर (हि.स.): नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। यहां पहुंचने पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनकी अगवानी की। प्रधानमंत्री के रूप में बालेन्द्र शाह की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद शाह को भारत आने का निमंत्रण दिया था, जिसे नेपाली पक्ष ने स्वीकार किया। दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत और सोशल मीडिया के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हो चुका है। इस यात्रा में पहली बार दोनों की आमने-सामने मुलाकात होगी।



यात्रा के दौरान दोनों प्रधानमंत्री कई परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन और कुछ नई परियोजनाओं की आधारशिला रख सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग से जुड़े कई दूरदर्शी द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और उनका आदान-प्रदान भी प्रस्तावित है। दोनों नेताओं की बातचीत से आने वाले वर्षों में भारत-नेपाल साझेदारी को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। विकास साझेदारी, ऊर्जा, जलविद्युत, रेलवे, संपर्क, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन सहयोग के प्रमुख विषय रहेंगे।

भारत और नेपाल के संबंध आपसी विश्वास, खुली सीमा, साझा परंपराओं और लोगों के बीच निकट संपर्क पर आधारित हैं। पिछले करीब एक दशक में दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के स्तर पर 17 द्विपक्षीय यात्राएं हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2014 के बाद पांच बार नेपाल की यात्रा कर चुके हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच 40 से अधिक संस्थागत तंत्र भी काम कर रहे हैं।

भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार, पारगमन और निवेश साझेदार है। नेपाल को भारतीय बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है और उसके कुल वस्तु निर्यात का करीब 80 फीसदी भारत आता है। नेपाल में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लगभग एक-तिहाई भारत से आता है।

रक्षा मंत्री ने उत्तराखंड में भाजपा की लगातार जीत का जताया भरोसा

हिमालय की तरह अडिग व गंगा की तरह निरंतर प्रवाहमान रहेगी भाजपा सरकार : राजनाथ सिंह

हरिद्वार, 22 नवंबर (हि.स.): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की लगातार तीसरी बार सरकार बनने का भरोसा जताया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार हिमालय की तरह अडिग और गंगा की तरह निरंतर प्रवाहमान रहेगी। उत्तराखंड में भाजपा का संगठन देवदार के वृक्ष की तरह मजबूत है। कार्यकर्ताओं का उत्साह और जनता का पार्टी के प्रति विश्वास तीसरी बार भी प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने का आधार बनेगा।

हरिद्वार स्थित प्रेम नगर आश्रम में रविवार को भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक के समापन सत्र को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि यह बैठक केवल संगठनात्मक आयोजन नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव में पहले से अधिक बहुमत के साथ सरकार बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि भाजपा उत्तराखंड की अस्मिता, संस्कृति और विकास की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तराखंड के कार्यकर्ताओं के प्रति उनके मन में श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव है। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में उन्हें कार्यकर्ताओं के साथ काम करने का अवसर मिला है। आज उन्हीं कार्यकर्ताओं के परिश्रम से संगठन का विस्तार हुआ है और बड़ी संख्या में नए लोग पार्टी से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की चुनावी सफलताओं के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व, विकास कार्य, जनकल्याण की भावना और कार्यकर्ताओं की मेहनत है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भाजपा की असली ताकत सरकार नहीं, बल्कि उसका मजबूत संगठन है। संगठन को जीवंत बनाए रखने के लिए निरंतर संवाद और कार्यकर्ताओं से संपर्क जरूरी है। भाजपा केवल चुनाव जीतने के लिए नहीं, बल्कि देश और प्रदेश को बदलने के उद्देश्य से काम करती है। सत्ता रहे या न रहे, पार्टी राष्ट्रहित और जनहित के मुद्दों पर अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करेगी।

उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलने देने के संकल्प का भी उल्लेख किया।

खबर कोना

कच्छ सड़क हादसे पर पीएम ने जताया दुख, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की सहायता

कच्छ, (हि.स.) : गुजरात के कच्छ जिले में भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से रविवार को जारी जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री ने दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। यह भीषण दुर्घटना शनिवार रात (21 नवंबर) करीब 9:30 बजे भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर वेकरिया के रण इलाके के पास हुई थी। पुलिस और प्राप्त जानकारी के मुताबिक उत्तराखंड नंबर की एक कार सफेद रण का भ्रमण कर खावड़ा से भुज की ओर लौट रही थी। इसी दौरान भुज से खावड़ा की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार मालवाहक ट्रेलर ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और वह दो हिस्सों में बंट गई। हादसे में कार सवार सभी 7 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग मूल रूप से उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र के निवासी थे। वे भुज में तैनात भारतीय सेना के एक जवान के परिजन और रिश्तेदार थे, जो कच्छ घूमने आए हुए थे। मृतकों में तीन परिवारों के तीन बच्चे और चार वयस्क शामिल हैं।

कोटा में सड़क हादसा, महाराष्ट्र के एक परिवार के नौ सदस्यों की मौत

कोटा (राजस्थान), (हि.स.) : कोटा-उदयपुर नेशनल हाइवे पर शंभूपुरा गांव के पास शनिवार आधीरात बाद लगभग एक बजे सड़क हादसे में महाराष्ट्र के एक ही परिवार के नौ सदस्यों की जान चली गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए। घटना नांता थाना क्षेत्र में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल पहुंचे। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बचाव कार्य की निगरानी की। पुलिस के अनुसार, क्रूजर में महाराष्ट्र के धुले जिले के एक ही परिवार के 16 सदस्य यात्रा कर रहे थे। परिवार धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र से रवाना हुआ। श्रद्धालुओं ने पहले मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर और फिर राजस्थान के पुष्कर व खाटूश्यामजी में दर्शन किए। शनिवार रात सभी लोग वापस अपने घर लौट रहे थे। हादसे में क्रूजर सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माधवी को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा के अनुसार, घायलों को अस्पताल लाया गया है। गंभीर रूप से घायल मनीषा को वेंटिलेटर पर रखा गया है। मृतकों की पहचान उषा बाई, सुशीला (55), कैलाश (45), सांवी, सज्जन, अनीता, बाबूलाल (60), जाह्नवी (13) और माधवी के रूप में हुई है। एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घायलों में जगदीश (10), मयूरी पवार (20), मनीषा पवार (45), शरद पवार (46), गणेश पवार (30), सृजेत (3) और ट्रक चालक हारून (43) शामिल हैं।

गुजरात में भीषण सड़क हादसा, कार में आग लगने से तीन दोस्तों की मौत

जूनागढ़, (हि.स.): गुजरात के केशोद-बालागाम रोड पर घमीदाणा गांव के पास रविवार तड़के करीब पांच बजे भीषण सड़क हादसे में एक युवती समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद कार में आग लग गई, जिससे तीनों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। वहीं, कार सवार सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कृष्णा चुडासमा की जान बच गई। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जूनागढ़ से माधवपुर की ओर जा रही लाल रंग की स्विफ्ट कार तेज रफ्तार के कारण मोड़ पर नियंत्रण खो बैठी और पलट गई। इसके बाद कार सड़क किनारे रखे पत्थर से टकराकर जल उठी। कार में कुल चार लोग सवार थे, जिनमें दो युवक और दो युवतियां शामिल थीं। हादसे में करीब 25 से 27 वर्ष आयु के तीन लोगों—नंदनी पोपट, डेनिस दिवराणीया और झलक मशरू—की जलकर घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, आगे की सीट पर बैठी कृष्णा चुडासमा कांच टूटने से बाहर छिटककर पास के खेत में जा गिरीं, जिससे उनकी जान बच गई। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार कृष्णा जूनागढ़ की निवासी हैं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व मॉडल हैं, जिनके इंस्टाग्राम पर 1.23 लाख फॉलोअर्स हैं। कृष्णा के परिजनों के मुताबिक मृतका नंदनी पोपट का आज जन्मदिन था और रात में परिवार के साथ जन्मदिन मनाने के बाद चारों दोस्त बर्थडे सेलिब्रेशन के लिए माधवपुर जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही दमकल और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाई, हालांकि तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। घायल कृष्णा को 108 के जरिए केशोद के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर आघात के कारण मानसिक रूप से अस्थिर होने पर चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। पीआई एन. बी. चौधरी ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की आगे की जांच की जा रही है, साथ ही उपचाराधीन कृष्णा से प्राथमिक जानकारी जुटाई जा रही है।

राज्यसभा सांसद रामराव सखाराम वाडकुटे के निधन पर प्रधानमंत्री ने जताया दुख

नई दिल्ली, (हि.स.) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राज्यसभा सांसद रामराव सखाराम वाडकुटे के निधन से गहरा दुख जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, समाज में रामराव वाडकुटे का योगदान और गरीबों तथा वंचितों की सेवा पर उनका जोर हमेशा याद रखा जाएगा। उनके निधन से गहरा दुख हुआ है। समाज में उनके योगदान और गरीबों तथा वंचितों की सेवा पर उनके जोर के लिए उन्हें याद किया जाएगा। महाराष्ट्र में भाजपा को मजबूत करने के उनके प्रयास भी विशेष रूप से उल्लेखनीय थे। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। उल्लेखनीय है कि भाजपा के राज्यसभा सांसद रामराव वाडकुटे की हृदयगति रुकने से उनका निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। रामराव वाडकुटे ने महज आठ महीने पहले ही भाजपा सांसद के तौर पर राज्यसभा में कदम रखा था। इससे पहले उन्होंने लंबे समय तक धनगर समुदाय की सेवा की, जिले में कई अहम जिम्मेदारियां संभालीं और भेड़-बकरी विकास निगम के प्रमुख के रूप में भी काम किया। सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

रामायण सर्किट से जुड़ेगा भारत और नेपाल, अयोध्या से जनकपुर तक दौड़ेगी अंतरराष्ट्रीय ट्रेन

नई दिल्ली, 22 नवंबर (हि.स.): भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को आधुनिक रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में भारतीय रेलवे की पहल रामायण सर्किट को नई पहचान देने जा रही है। अयोध्या से जनकपुरधाम तक प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय रेल सेवा भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को परिवहन के आधुनिक माध्यम से मजबूती प्रदान करेगी। करीब 604 किलोमीटर लंबी इस रेल सेवा का शुभारंभ 23 नवंबर 2026 को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किए जाने की प्रस्तावित योजना है। इसके साथ ही भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन की 17 दिवसीय श्री रामायण यात्रा भी देश के विभिन्न राज्यों में फैले 30 से अधिक मंदिरों और तीर्थस्थलों को एक यात्रा मार्ग में जोड़ रही है।

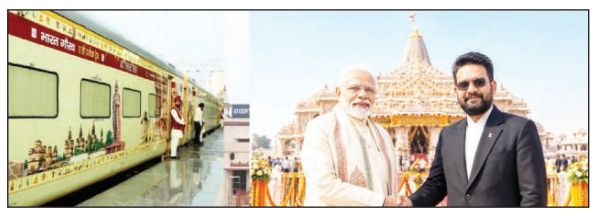

अयोध्या को भगवान श्रीराम की जन्मभूमि और नेपाल के जनकपुरधाम को माता सीता की जन्मस्थली माना जाता है। रामायण में वर्णित राम-सीता विवाह का प्रसंग इन दोनों नगरों को धार्मिक और भावनात्मक रूप से जोड़ता है। प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय रेल सेवा इसी सांस्कृतिक संबंध को नई गति देने का माध्यम बनेगी। निर्धारित योजना के अनुसार जनकपुरधाम से ट्रेन शनिवार को रवाना होगी और अयोध्या से सोमवार को वापसी करेगी। इस रेल सेवा से न केवल श्रद्धालुओं को आवागमन की सुविधा मिलेगी, बल्कि बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी परिवहन और पर्यटन के नए अवसर पैदा होंगे।

प्रस्तावित रेल सेवा बिहार और उत्तर प्रदेश के दस प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी। इनमें जयनगर, मधुबनी, शिशो, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर, बस्ती, मनकापुर और अयोध्या धाम शामिल हैं। इससे मिथिलांचल, सीमावर्ती बिहार और पूर्वांचल के लोगों को नेपाल और अयोध्या के बीच यात्रा का एक नया विकल्प मिलेगा।

इस रेल संपर्क से नेपाल में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मधेस प्रांत की ट्रैवल एंड एयर ट्रांसपोर्ट कमिटी के अध्यक्ष मोहन प्रसाद शर्मा के अनुसार, जनकपुर आने वाले भारतीय श्रद्धालुओं के लिए विशेष पर्यटन पैकेज तैयार किए जा सकते हैं। इनके माध्यम से पर्यटकों को काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर और पश्चिमी नेपाल के मुस्तांग जिले में स्थित मुक्तिनाथ मंदिर तक पहुंचाया जा सकता है। उनका मानना है कि अयोध्या आने वाले भारतीय श्रद्धालुओं में से यदि दो से पांच प्रतिशत लोगों को भी जनकपुर के जानकी मंदिर तक आकर्षित किया जाए तो स्थानीय पर्यटन कारोबार को बड़ा लाभ मिल सकता है।

युवा आबादी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 22 नवंबर (हि.स.): केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान का जोर अब बीमारियों के इलाज के साथ उनकी रोकथाम, शुरूआती पहचान और आणविक एवं आनुवंशिक स्तर पर शोध की ओर बढ़ रहा है। मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियां कम उम्र के लोगों को भी तेजी से प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में बचाव आधारित स्वास्थ्य सेवाएं और समय रहते बीमारी की पहचान करना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि देश की युवा आबादी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ. जितेंद्र सिंह रविवार को यहां आयोजित 'द वीक हेल्थ समिट 2026' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य पहलों पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया और स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शोधकताओं तथा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। कार्यक्रम में एम्स नई दिल्ली के निदेशक डॉ. निखिल टंडन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निदेशक शरद अग्रवाल और अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति के भारत में उप प्रमुख डॉ. आंद्रेई कोजिक सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक और चिकित्सा शोधकर्ता मौजूद रहे।



उन्होंने कहा कि भारत पारंपरिक उपचार पद्धतियों से आगे बढ़कर बीमारियों के मूल कारणों को समझने के लिए आणविक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और आनुवंशिक अनुसंधान में प्रगति कर रहा है। इससे जटिल बीमारियों के उपचार और उनके बेहतर प्रबंधन के लिए अधिक सटीक तरीके विकसित करने में मदद मिल रही है।

उन्होंने कहा कि बदलती खानपान की आदतों, शारीरिक गतिविधियों में कमी और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के कारण मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों का खतरा बढ़ रहा है। यह चुनौती अब शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में फैल रही है। उन्होंने कहा कि बीमारियों की रोकथाम केवल चिकित्सकों की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसके लिए समाज की सामूहिक भागीदारी और जागरूकता जरूरी है।

